



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36]  
N . 36]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, जनवरी 22, 1981/माघ 2, 1902  
NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 22, 1981/MAGHA 2, 1902

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1981

आयकर

का० धा० 46(ब).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् --

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (संशोधन) नियम, 1981 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1981 को प्रवृत्त होंगे।

2. आयकर नियम, 1962 के (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है) नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् --

अवक्षयण और विनिधान मोक के लिए विहित विधिष्टियां

"5क क (i) धारा 32 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट कटौतियों के प्रयोजन के लिए, स्तम्भाकार प्रत्येक पर निम्नलिखित विधिष्टियां दी जाएगी, अर्थात् --

- (1) आस्तियों का विवरण (भवन की बाबत, यह उपदर्शित करें कि निर्धारित ने भवन पट्टे पर लिखा है या वह उनके स्वामित्व में है) ;
- (2) विद्यमान आस्तियों का अवलिखित मूल्य ;

- (3) पूर्ववर्ष के दौरान अर्जित आस्तियों की वास्तविक लागत ;
- (4) परिवर्धनों और परिवर्तनों पर पूंजीगत व्यय ;
- (5) उपभाग की अवधि (केवल वही जहां विवरणी निर्धारण वर्ष 1969-70 या किसी पूर्ववर्ती वर्ष से संबंधित हों) ;
- (6) संवेद्य धन की रकम बिक्रय की गई त्यक्त की गई, तोड़ी गई या नष्ट की गई आस्तियों की बाबत स्क्रैप मूल्य ;
- (7) वह रकम जिस पर अवक्षयण अनुज्ञेय है, [यदि (6) में निविष्ट आस्ति से संबंधित रकम को छोड़कर सब (2) से (4) तक का योग] ;
- (8) अवक्षयण की दर ;
- (9) उन दिनों की कुल संख्या, जिनमें कार्य किया गया है (केवल तभी दी जाए जब कि अतिरिक्त शिफ्ट भत्ते का दावा किया जाता है) ;
- (10) उन दिनों की कुल संख्या, जिनमें कार्य किया गया है—बोहरी शिफ्ट और तिहरी शिफ्ट (केवल तभी दी जाए जब कि अतिरिक्त शिफ्ट भत्ते का दावा किया जाता है) ;
- (11) दावा किया गया अवक्षयण—
  - (क) आरम्भिक अवक्षयण ;
  - (ख) सामान्य अवक्षयण (जिसके अन्तर्गत अनुमोदित होटलों के लिए अतिरिक्त अवक्षयण भी है) ;
  - (ग) अतिरिक्त अवक्षयण ;
  - (घ) अतिरिक्त शिफ्ट भत्ता—बोहरी शिफ्ट और तिहरी शिफ्ट ;
- (12) कुल अवक्षयण ;
- (13) दावा की गई विनिधान मोक (दर भी उपवर्णित करें) ;
- (14) टिप्पणियां (पूर्ववर्ती वर्ष में आस्ति की बाबत अनुशात किसी आरम्भिक अवक्षयण, विनिधान मोक या विकास रिजेंट की रकम उपवर्णित करें) ;

(2) जहां किसी आस्ति की बाबत अवक्षयण धारा 37 की उपधारा (4) के खण्ड (ii) या धारा 40 के खण्ड (ग) के उपखण्ड (ii) या धारा 40क की उपधारा (5) के खण्ड (क) के उपखण्ड (ii) के अर्धीन कटौती के रूप में अनुज्ञेय नहीं है, वहां ऐसे अवक्षयण को उपनियम (1) के प्रयोजनों के लिए अपवर्जित कर दिया जाएगा।”

3. मूल नियम के नियम 12 के उपनियम (1) के खण्ड (ख) में,—

- (1) उपखण्ड (i) के परन्तुक का लोप किया जाएगा ;
- (2) उपखण्ड (ii) का लोप किया जाएगा ;
- (3) उपखण्ड (iii) में, “और ऐसे मामले जो खण्ड (ii) के अर्धीन नहीं आते हैं” शब्दों कोष्ठक और अंकों का लोप किया जाएगा।

4. मूल नियम के परिशिष्ट 2 में, प्ररूप सं० 1: 2, 2क, 3 और 3क के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“प्ररूप सं० 1 घाय-कर अधिनियम, 1961 नियम 12(1) (क)	घाय की विवरणी (धारा 11 के अर्धीन छूट का दावा करने वाली कम्पनियों से भिन्न कम्पनियों के लिए)	घाय-कर कार्यालय में उपयोग के लिए
--	---	----------------------------------

स्पष्ट अक्षरों में नाम	निर्धारण वर्ष
पता	टेलीफोन ..... को समाप्त होने वाला (वाले) पूर्व वर्ष
यदि यह पुनरीक्षित विवरणी है तो कृपया पूर्व विवरणी फाइल करने की तारीख लिखिए।	स्थायी लेखा संख्यांक

लिखिए क्या निवासी/अनिवासी\* है।

\*जो लागू न हो उसे काट दें।

भाग I—कुल आय विवरण जिसके अन्तर्गत अन्य व्यक्तियों की ऐसी आय भी है जो निर्धारित की कुल आय में सम्मिलित की जा सकती है।

आय का शीर्ष	आय/हानि (रु०) (यदि कुछ नहीं हो तो कुछ नहीं* लिखिए)
1. प्रतिभूतियों पर व्याज (टिप्पण 1 देखिए)	
2. गृह संपत्ति से आय (टिप्पण 2 देखिए)	
3. कारबार या वृत्ति के लाभ और अमिलाभ [सद्वे के कारबार से आय/हानि (क), (ख), (ग) और (घ) के सामने अलग-अलग लिखी जाएं]	(क) रजिस्ट्रीकृत फर्म के लाभों में भाग (उपाबंध क) (ख) अरजिस्ट्रीकृत फर्म या व्यक्तियों के संगम के लाभों में भाग (उपाबंध क) (ग) बंद कर दिए गए किसी कारबार या वृत्ति को बाबत प्राप्त कोई रकम-धारा 176
*जो लागू न हो उसे काट दें।	
	(घ) कारबार या वृत्ति [मद (क), (ख) और (ग) को छोड़कर] (टिप्पण 3 देखिए)
4. पूँजी अमिलाभ (उपाबंध ख)	(क) अल्पकालिक पूँजी भास्तियों से संबंधित (ख) अन्य पूँजी भास्तियों से संबंधित: (i) भूमि या मकान या उनमें कोई अधिकार (ii) अन्य भास्तियाँ
5. अन्य स्रोतों से आय (टिप्पण 4 देखिए)	(क) लाभांश (ख) ब्याज (ग) अन्य मदें
6. मद 1 से 5 तक का योग	
7. इनकी कटौती कीजिए:	
(क) धारा 32 (2), 35 (4), 36(1) (ix) और 72 से 79 तक के अधीन पूर्व वर्षों से अग्रणीत अनामेयित हानियाँ/मोक्त	
(ख) धारा 32क(3)/33(2)/33क(2) के अधीन विनिधान मोक्त/विकास रिबेट/विकास मोक्त	
8. सकल कुल आय	
9. घटाएँ: अनुज्ञेय कटौतियाँ (उपाबंध ग)	
10. कुल आय (वस रुपये के निकटतम गुणज तक पूर्णांकित धारा 288क)	
(क) श्रृंखला में	
(ख) भागों में	
11. मद 1 से 5 तक में सम्मिलित आय में जो धारा 60, 61 या 62 में निविष्ट किसी अन्य व्यक्ति की उद्भूत होने वाली आय है।	

## भाग II—करों का विवरण

(कुल आय पर कर) कुल आय पर कर की संगणना दर्शित करने वाला विवरण संलग्न कीजिए

## निर्धारण पूर्व कर

क. स्रोत पर काटा गया कर (प्रमाण-पत्र संलग्न कीजिए)

1. प्रतिभूतियों पर व्याज .....
2. अन्य व्याज .....
3. लाभांश .....
4. कोई अन्य आय (कृपया विनिर्दिष्ट कीजिए) .....

योग ..... रु०

ख. अग्रिम कर (चालान संलग्न कीजिए)

संदाय की तारीख ..... रकम

योग ..... रु०

ग. स्वतः निर्धारण पर कर (चालान संलग्न कीजिए)

संदाय की तारीख ..... रकम  
..... रु०

क, ख और ग का योग ..... रु०

भाग III—उक्त आय की विनिश्चिष्टता जिसकी बाधन यह दावा किया गया है कि उसे कर से छूट प्राप्त है और जो भाग I, में सम्मिलित नहीं की गई है।

विनिश्चिष्टता ..... रकम ..... किन कारणों से वह कराधेय नहीं है

भाग IV—आय की विवरणी देने में या अग्रिम कर के संदाय में व्यतिरिक्त के संबंध में विवरण।

1. यदि कानून द्वारा नियत समय सीमा के भीतर आय की विवरणी देने में विलम्ब हुआ है तो कृपया यह बताइए कि क्या प्ररूप स० 6 में आवेदन फाइल किया गया है।

हां/नहीं

2. यदि हा तो कृपया आवेदन की तारीख और उसकी रसीद संख्यांक लिखिए।

.....

3. यदि आय की विवरणी देने में या अग्रिम कर के संदाय में व्यतिरिक्त हुआ है तो उसके लिए कारण अलग से एक विवरण में दिए जाने चाहिए जो विवरणों के साथ लगाया जाए।

सत्यापन (टिप्पण 5 देखिए)

मैं, ..... (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम) जो .....

\*पुत्र/की पुत्री/पत्नी और .....

का ..... है

(कम्पनी का नाम)

(पदनाम)

सत्यानिष्टा से घोषणा करता/करती हू कि इस विवरणी और इसमें संलग्न उपबंधों और विवरणों में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और उगमें दर्शित कुल आय की रकम और अन्य व्यंगों का उल्लेख सही-मही किया गया है और ये निर्धारण वर्ष 19..... से संबंधित पूर्व वर्ष(वर्षों) के संबंध में है।

मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान :--

(क) कम्पनी को उसके नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी भास्ति से कोई अन्य आय न तो प्राप्त हुई है, न उद्भूत हुई है और न प्राप्त हुई है ;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसको बाबत कम्पनी, आय-कर अधिनियम, 1961 के अधीन कर से प्रभार्य है ।

\*मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान :--

(क) उस व्यक्ति को जिसकी कुल आय के संबंध में कम्पनी निर्धारणीय है, उस व्यक्ति के जिसकी कुल आय के संबंध में कम्पनी निर्धारणीय है नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी भास्ति से कोई अन्य आय न तो प्राप्त हुई है, न उद्भूत हुई है और न प्राप्त हुई है ;

(ख) ऐसे किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित जिसको बाबत उस व्यक्ति पर जिसकी कुल आय के संबंध में कम्पनी निर्धारणीय है, आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर प्रभार्य है कोई अन्य आय नहीं है ।

मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि मैं .....

(पदनाम)

की हस्ताक्षर में कम्पनी की ओर से विवरण तैयार करने और इसको सत्यापित करने के लिए मक्षम हूँ ।

हस्ताक्षर

स्थान :

तारीख :

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।

उपाबंध क : कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाष  
किसी फर्म या व्यक्तियों के संगम से अंग

क. रजिस्ट्रीकृत फर्म

कारबार (सट्टे से भिन्न) और वृत्ति

सट्टे का कारबार

1. लाभ/हानि में अंग की रकम

2. कटौती कीजिए (यदि उपर्युक्त अंग हानि का है तो जोड़िए) बाबाकृत व्यय  
(अधोरे दीजिए)

3. शुद्ध लाभ/हानि जो पृष्ठ 1 पर मद 3 (क) में ले जाई गई है

ख. अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्तियों के संगम

कारबार (सट्टे से भिन्न) और वृत्ति

सट्टे का कारबार

1. लाभ/हानि में अंग की रकम

2. कटौती कीजिए (यदि उपर्युक्त अंग हानि का है तो जोड़िए) बाबाकृत व्यय  
(अधोरे दीजिए)

3. शुद्ध लाभ/हानि जो पृष्ठ 1 पर मद 3 (ख) में ले जाई गई है

उपाबंध ख : पूंजी अभिलाष (टिप्पण 6 देखिए)

अल्पकालिक पूंजी भास्तियों से संबंधित पूंजी अभिलाष

इसमें से घटाइए: वह रकम जिसके लिए धारा 53, 54 ख या 54 ग के अधीन छूट दी गई है ।

पृष्ठ 1 पर मद 4 के भाग (क) में ले जाई गई शुद्ध रकम

अल्पकालिक पूंजी भास्तियों से भिन्न पूंजी भास्तियों के संबंध में पूंजी अभिलाष

इसमें से घटाइए: वह रकम जिसके लिए धारा 53, 54 ख, 54 ग और 54 ग में छूट दी गई है ।

## अतिशेष

इसमें जोड़िए: वह रकम जिसे "पूँजी अभिलाष" शीर्ष के अधीन प्रभाव्य भाग माना जाता है।—धारा 54ए (2)

पृष्ठ 1 पर मद 4 के भाग (ख) में ले जाई गई शुद्ध रकम

उपाबन्ध ग: कटौतियाँ (टिप्पण 7 देखिए)

विशिष्टियाँ

मकल रकम

अर्हक रकम

कटौती की रकम

1. संदान जिसे धारा 80छ लागू होती है
2. पिछड़े क्षेत्रों में नए स्थापित किए गए औद्योगिक उपक्रम या होटल कारखाने से लाभ और अभिलाष—धारा 80 ज
3. अतिथि क्षेत्रों में स्थापित किए गए नए लघु औद्योगिक उपक्रम से लाभ और अभिलाष—धारा 80 ज
4. नए स्थापित किए गए औद्योगिक उपक्रम या पोत अथवा होटल कारखाने से लाभ और अभिलाष  
(1) उस निर्धारण वर्ष की बाबत कटौती जिससे यह विवरणी संबंधित है।  
(2) पूर्ववर्ती निर्धारण वर्षों की बाबत कमी—धारा 80 ज
5. नए स्थापित किए गए औद्योगिक उपक्रमों या पोत या होटल कारखाने से लाभ और अभिलाष—धारा 80 क
6. पशुधन प्रजनन या बुग्य उद्योग या कुक्कुटपालन के कारखाने से लाभ और अभिलाष—धारा 80 क
7. छद्मक (छुकी) उपजाने के कारखाने से लाभ और अभिलाष—धारा 80 क
8. अन्य कटौतियाँ, यदि कोई है (छोटे क्षेत्रों)

पृष्ठ 2 पर मद 9 में ले जाई गई कटौती की कुल रकम

उपाबन्ध घ: कर-बायित्व और अभिलाष की संगणना के बारे में विशिष्टियों का विवरण (टिप्पण 8 देखिए)

कर-बायित्व की संगणना के लिए संसृगत विशिष्टियाँ

1. क्या कम्पनी—

(क) कोई भारतीय कम्पनी है ?

\*हां/नहीं

(ख) कोई विदेशी कम्पनी है जिसने भारत के भीतर लाभार्जित की घोषणा और उसके संवाय के लिए विहित व्यवस्था की है ?

\*हां/नहीं

2. यदि सब 1 (क) या (ख) का उत्तर "हां" में है तो—

(क) क्या वह धारा 2(18) के अनुसार ऐसी कम्पनी है जिसमें जनता पर्याप्त रूप से हितव्रद है या धारा 108(ख) में निर्दिष्ट कोई समनुषंगी कम्पनी है ?

\*हां/नहीं

(यदि उत्तर "हां" में है तो इस बात के लिए एक विवरण सलग कीजिए कि मुसंगत धारा में विनिर्दिष्ट शर्तें किस प्रकार पूरी की जाती हैं)

(ख) यदि (क) का उत्तर "नहीं" में है तो क्या कम्पनी धारा 104(2)(ii) या 104(3) के अधीन जारी की गई किसी अधिसूचना के अन्तर्गत आने का दावा करती है ?

\*हां/नहीं

(ग) क्या कम्पनी, वार्षिक वित्त अधिनियम में परिभाषित कोई औद्योगिक कम्पनी है या कोई बैंककारी कम्पनी या कोई विनिधान कम्पनी या कोई व्यापारिक कम्पनी है ?

3. क्या कम्पनी अतिकर का सदाय करने के लिए बायी है ?

\*हां/नहीं

4. यदि मद 3 का उत्तर "हां" में है तो क्या प्रभाव्य लाभों की विवरणी दी गई है यदि हां, तो किन तारोख को

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

प्रपात्र—क: धारा 133/139 के अधीन प्रेषित विनिर्दिष्टियां

- \* 1. किसी फर्म या व्यक्तियों के संगम के भागीदार/सदस्य की दशा में, फर्म/व्यक्तियों के संगम का नाम और पता और प्रत्येक भागीदार/सदस्य का नाम, पता और उनके अपने-अपने भंड वंशिन करने वाला विवरण संलग्न कीजिए।
2. किसी अन्य व्यक्ति के न्यासी या अधिकर्ता की दशा में, ऐसे अन्य व्यक्तियों के नाम और पते दर्शित करने वाला विवरण संलग्न कीजिए।
3. यदि निर्धारित ने पूर्व वर्ष के दौरान किराया, कमीशन, रायट्टी या दलाली प्रभवा ऐसी किसी बाधिका का (जो "बेतन" शीर्ष के अधीन निर्धारणीय बाधिका नहीं है) जो एक हजार रुपये से अधिक है, संवाय किया है तो पाने वाले के नाम और पते संदत्त की गई रकम वंशिन करने वाले (संवाय के लिए प्रकृति के अनुसार) तथा अलग-अलग विवरण संलग्न कीजिए। यदि पाने वाला व्यक्ति कोई अनिवासी है, तो यह बताइए कि क्या कर की स्रोत पर कटौती कर ली गई है और वह रकम केन्द्रीय सरकार के खाने में जमा कर दी गई है।
4. किसी स्टॉक या वस्तु एक्सचेंज के प्रबन्ध से संबद्ध किसी व्यवहारी, बलाल या अधिकर्ता प्रभवा किसी व्यक्ति को चाहिए कि वह ऐसे सब व्यक्तियों के नाम और पते वंशित करने वाला एक विवरण दे, जिनको उमने या एक्सचेंज ने पूर्व वर्ष में ऐसी किसी राशि या संकलित राशियों का संवाय किया है जो (क) "अन्तर" के रूप में 2,000 रु० से अधिक है और (ख) आस्तियों के अन्तरण के संबंध में, भले ही वह क्रय, विनिमय या अन्य किसी रूप में हो 10,000 रु० से अधिक है, या जिनकी ओर से प्रभवा जिनसे उमने या एक्सचेंज ने कोई ऐसी राशि प्राप्त की है। इसके साथ उसे ऐसे सभी सत्रायों और प्राप्तियों की विनिर्दिष्टियां (रकम, तारीख आदि) भी हम विवरण में दर्शित करनी चाहिए।
5. यदि निर्धारित धारा 192, 193, 194 194क, 194ख, 194ग, 194घ या 195 के अधीन कर की स्रोत पर कटौती करने का दावा है तो निम्नलिखित बातों के संबंध में जानकारी देने की कृपा करिए—  
(क) स्रोत पर कटौती की गई कर की रकम  
(ख) क्या ऐसे कर का संदाय केन्द्रीय सरकार को कर दिया गया है ?  
(ग) क्या विहित विवरणियां सम्बद्ध आय-कर अधिकारी को भेज दी गई है।

टिप्पण: 1 निम्नलिखित विनिर्दिष्टियां और "प्रतिभूतियों पर व्याज" शीर्ष के अधीन प्रभाय आय की संगणना इस विवरणी से संलग्न विवरण में दी जाए, अर्थात्:—

#### साधारण विनिर्दिष्टियां

- (1) प्रतिभूतियों की विनिर्दिष्टियां (2) भक्ति मूल्य (3) वर्ष के दौरान देय प्राप्त व्याज की सकल रकम/सरकारी प्रतिभूतियों और डिबेंचरों तथा अन्य प्रतिभूतियों के संबंध में अलग-अलग ब्यौरा दीजिए। (4) स्रोत पर कटौती किए गए कर की रकम (5) टिप्पणी उदाहरणार्थ कर मुक्त प्रतिभूति की दशा में इस कालम में "कर मुक्त" शब्द लिखिए।

#### आय की संगणना

(सरकारी प्रतिभूतियों और डिबेंचरों तथा अन्य प्रतिभूतियों के लिए अलग-अलग दी जाए)

- (1) देय या प्राप्त सकल रकम [ साधारण विनिर्दिष्टियों की मद (3) में ] (2) घटाए: (क) व्याज की वसुली के लिए व्यय—धारा 19 (1) 20 और (ख) प्रतिभूतियों पर व्याज की शुद्ध रकम जो पुष्ट 1 पर मद 2 में ले जाई गई है और जो (1) में से (2) को घटाकर निकलने वाली रकम है।

टिप्पण: 2 प्रत्येक गृह सम्पत्ति के लिए "गृह सम्पत्ति से आय" शीर्ष के अधीन निम्नलिखित विनिर्दिष्टियां/आय की संगणना इस विवरणी से संलग्न विवरण में दी जाए, अर्थात्:—

गृह सम्पत्ति से आय (किराए पर दी गई सम्पत्ति)

#### साधारण विनिर्दिष्टियां

- (क) सम्पत्ति की अवस्थिति, (ख) वार्षिक नगरपालिका मूल्यांकन

#### आय की संगणना

- (क) वह राशि जिस पर सम्पत्ति के वर्षानुवर्ष किराए दिए जाने की युक्तियुक्त रूप से प्रत्याशा की जा सकती है या जहां संपत्ति किराए पर दी जाती है और उसकी बाबत प्राप्त किया गया या प्राप्त वार्षिक किराया उक्त राशि से अधिक है—धारा 23 (1), (ख) कटौतियां: (1) नगरपालिका करों की वह रकम जो स्वामी द्वारा वहन की जाती है—धारा 23 (1) का प्रथम परन्तुक, (2) नई निर्मित सम्पत्ति के लिए भोक—धारा 23 (1) का द्वितीय परन्तुक (ग) वार्षिक मूल्य को (क) में (ख) को घटाकर निकलने वाली रकम है, (घ) कटौतियां (1) मरम्मत—वार्षिक मूल्य का पृष्ठांश—धारा 24 (1) (i), (ii) बीमा—धारा 24 (1) (ii),
- (3) वार्षिक प्रभार—धारा 24 (i) (iv); (vi) भूमि किराया—धारा 24 (i) (v); (v) उधार की गई पूंजी पर व्याज—धारा 24 (1) (vi), (vi) भू—राजस्व आदि—धारा 24 (1) (vii); (vii) किराया संग्रहीत करने का प्रभार जो उक्त (ग) से दर्शित वार्षिक मूल्य के 6 प्रतिशत तक सीमित होगा—धारा 24 (1) (viii) रिक्त रहना—धारा 24 (1) (ix) बसूल न किया जा सकने वाला किराया—धारा 24 (1) (x) और नियम 4; (ङ) उक्त (घ) में की गई कटौतियों का योग, (च) अन्य सम्पत्ति से शुद्ध प्रभाय आय जो (क) में से (ङ) को घटाकर निकलने वाली रकम है।

टिप्पण 3. "कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ" शीर्ष के अधीन प्रभाव्य आय के संबंध में निम्नलिखित विनिर्देशों आय की विवरणों से संचयन किए जाने वाले विवरण में दी जाएं, अर्थात्—

(1) कारबार या वृत्ति (कर्म/व्यक्तियों के संगम में भ्रम से भिन्न) ;

(i) वह नाम, जिन नाम से कारबार या वृत्ति चलाई जा रही है, (ii) कारबार या वृत्ति के मुख्य स्थान का पता (iii) शाखाओं के नाम और पते, (iv) कारबार या वृत्ति की प्रकृति, (v) लेखा रखने का तरीका, (vi) स्टॉक मूल्यांकन का तरीका, यह बताइए कि क्या यह वाणिज्यिक/नकल/मिश्रित है, (vii) विनिर्माण लेखा और/या व्यापार लेखा (यदि प्रारम्भिक स्टॉक, क्रय प्रत्यागम घटाकर) विक्रय (प्रत्यागम घटाकर), अन्य स्टॉक (वर्धित करने के लिए आवश्यक हो तो फिर से तैयार करें), लाभ और हानि लेखा या आय और व्यय लेखा/ऐसा हो कोई अन्य लेखा और तुलनपत्र की प्रतियां संलग्न की जाएं (यदि लेखाओं की संपरीक्षा की गई है तो संपरीक्षित लेखाओं की प्रतियां लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की प्रति के साथ लगाई जाएं), यदि कम्पनी की लागत लेखा संपरीक्षा कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 233 ख के अधीन की गई है तो लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की एक प्रति निदेशक के वैयक्तिक लेखाओं की प्रतियां भी संलग्न की जाएं (viii) संविदा कार्य में लगे हुए निष्ठापरियों द्वारा दी जाने वाली अनिवार्य जानकारी—

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

(क) यदि उस व्यक्ति द्वारा, जिसके साथ संविदा की गई थी, प्रदाय की गई सामग्री का मूल्य या उसके द्वारा (किए गए कार्य के लिए देय संसाधन में से) प्रति-धारित प्रतिभूति निक्षेप को दिखाई गई सफल प्राप्ति में सम्मिलित नहीं किया गया है तो यहाँ उपरोक्त रकम बताइए। सामग्रियों का मूल्य ..... प्रतिभूति निक्षेप .....

(ख) क्या धारा 285क के अधीन संबंधित आय-कर अधिकारी को भवन निर्माण या प्रदाय की संविदाओं के संबंध में जानकारी दे दी गई है ? \*हां/नहीं

(ix) अनिवार्य फिल्मों के निर्माताओं द्वारा दी जाने वाली अनिवार्य जानकारी क्या धारा 285ख के अधीन संबंधित आय-कर अधिकारी को अनिवार्य फिल्मों के निर्माण में लगाए गए व्यक्तियों को किए गए सहायों का विवरण दे दिया गया है ? हां/नहीं

(2) पूर्व वर्ष के लिए कारबार या वृत्ति से निर्धारणीय लाभ/हानि की संगणना

1. किसी कर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यक्तियों के निकाय के लाभों में भ्रमों को छोड़कर, लाभ और हानि लेखा के अनुसार लाभ या हानि, जोड़िए (यदि उक्त एक हानि का घातक है तो कटौती कीजिए)

2. निम्नलिखित के संबंध में लाभ और हानि लेखा आदि के नामे डाली गई रकमें —(क) पूर्वतर वर्षों की हानियां (ख) आय-कर अतिरिक्त, शास्ति आदि ; (ग) पूर्ण या उपहार की प्रकृति के व्यय (घ) पूजी व्यय, (ङ) व्यय, मीके और संदाय जिनकी कटौती धारा 40 (क), 40क (5) या (6) के अधीन नहीं की जा सकती है (झोरे दीजिए) : (ज) व्यय और भत्ते जिनकी कटौती सही की जा सकती है—धारा 40 (ग), (घ) अनुज्ञेय व्यय—धारा 40क (2) (ज) इस विवरणी में अन्यत्र कटौती के रूप में दावा किया गया व्यय ; (झ) भ्रमभ्रम—जिन पर भ्रम से विचार किया गया है, (ञ) विनिधान मोक, विकास रिबेट और विकास मोक—जिन पर भ्रम से विचार किया गया है (प्रत्येक सं 5 और 5क संलग्न कीजिए) ; (ट) डूबल और शकास्पद ऋणों के लिए आरक्षित या व्यवस्था डूबल और शकास्पद ऋणों की उस व्यवस्था से भिन्न व्यवस्था से भिन्न ओ धारा 36(1) (7) (क) में निविष्ट की गई है, (ठ) किसी आरक्षित या किसी निधि में जमा कर लिया गया धाज।

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

3. लाभ और हानि लेखा आदि के नामे डाले गए अन्य व्यय आदि—उन परिमाण तक जहाँ तक वे अनुज्ञेय नहीं हैं :

(क) ऐसी आस्थियों का जिसका उपयोग पूर्णतः कारबार के लिए नहीं किया जाता है, किराया, रेंट, कर, मरम्मत और बीमा प्रीमियम—धारा 30: 31।

(ख) आस्थियों के विक्रय पर हानि-धारा 32(i)(iii) झोरे दीजिए। ;

(ग) पुनर्बास मोक—धारा 33ख (झोरे दीजिए)—(घ) वैज्ञानिक अनुसंधान पर व्यय या वैज्ञानिक अनुसंधान संगमों को दी गई राशियां आदि—धारा 35 (झोरे दीजिए) (ङ) पेटेंट अधिकारों या प्रतिलिप्याधिकारों पर व्यय—धारा 35क(घ) ग्राम विकास मोक—धारा 35ग(छ) ग्राम विकास कार्यक्रमों को चलाने के लिए या ऐसे कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने के लिए व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए संगमों और संस्थाओं को संसाधनों के रूप में व्यय धारा 35गक(ज) प्रारम्भिक व्यय—धारा 35घ (झोरे दीजिए) ; (झ) खनिजों के पूर्वक्षेत्र और विकास के लिए व्यय—धारा 35क (झोरे दीजिए), (ङ) बोनस का अनुज्ञेय परिमाण तक संदाय—धारा 36(i)(ii), (ट) भविष्य निधि, अधिवाषिकी या उपदान निधियों में अभिदाय—धारा 36(1) (4) और (5) ; (ठ) डूबल और शकास्पद ऋणों के लिए व्यवस्था—धारा 36(i)(7क) — (ङ) सत्कार व्यय धारा 37(2) (2क) ; (ढ) किसी राजनीतिक दल द्वारा प्रकाशित किसी स्मार्टिका, विवरणों का आदि में विज्ञापन पर व्यय—धारा 37 (2ख) ; (ण) विज्ञापन पर और अतिथि गृहों के अनुक्षण तथा कर्मचारियों की यात्रा पर व्यय—धारा 37(3) और (4) नियम 6ख और 6घ ; (त) विज्ञापन, प्रचार और विक्रय बढ़ाने पर समायोजित व्यय—धारा 37(3क) ; (केवल निर्धारण वर्ष 1979-80 और 1980-81 के लिए लागू, (घ) ऐसा व्यय जो ग्राम बैंक द्वारा किए जाने से अन्यथा किया जाए—धारा 40क(3)/नियम 6प्रध ; (व) उपदान के संदाय के लिए की गई व्यवस्था—धारा 40क (7) ; (घ) निक्षेपों की वास्तव व्याज के रूप में व्यय—धारा 40क(8) ; (न) कोई अन्य व्यवस्था/आरक्षण/अन्य व्यय जो धारा 28 से 44ध तक के अधीन अनुज्ञेय नहीं है ;

4. वे रकमें जो लाभ और अभिलाभ लेखा आदि में जमा नहीं की गई है (क) धारा 41(1), (3) और (4) के अधीन प्रभाव्य लाभ (झोरे दीजिए) (ख) धारा 41(2) और (2क) के अधीन प्रभाव्य लाभ (झोरे दीजिए) (ग) अन्य कोई प्रभाव्य लाभ और अभिलाभ (झोरे दीजिए)

5. मद 1 से 4 तक का योग 1 घटाइए (यदि मद 5 में एक नकारात्मक है तो जोड़िए) ;

6. नीचे (3) के अनुसार संगणित अवक्षयण,

7. "कारबार या कृति के लाभ और अभिलाभ" शीर्ष से भिन्न शीर्षों के अधीन प्रभाय आय या किसी पूर्वतर वर्ष में कर से प्रसारित की जा चुकी आय जो लाभ और हानि लेखा खाति में जमा कर दी गई है,

8. वैज्ञानिक अनुसंधान/निर्यात बाजार विकास मोक/कृषि विकास मोक पर व्यय की बाबत कटौती जो लाभ और हानि लेखा के नामे डाली गई रकम के अभिव्य में अनुज्ञेय है—धारा 35, 35ख और 35 ग,

9. धारा 28 से 44 तक के अधीन वावाकृत कोई अन्य व्यय/कटौती (ब्योरे दीजिए),

10. मद 6 में 9 तक का योग,

11. लाभ/हानि का अतिशेष (मद 5 में से मद 10 को घटा कर आने वाली रकम है)

(3) विवरणी में संलग्न एक विवरण में अवक्षयण मोक और विनिधान मोक की बाबत निम्नलिखित विशिष्टियां दी जाएं, अर्थात् (1) आस्थियों का वर्णन (भवन के संबंध में यह बताइये कि क्या भवन पट्टे पर लिया गया है या निर्धारित के स्वामित्व में है), (2) विद्यमान आस्थियों का अव-लिखित मूल्य, (3) पूर्व वर्षों के दौरान अर्जित आस्ति की वास्तविक लागत, (4) परिवर्धनों या परिवर्तनों पर पूंजी व्यय, (5) उपयोग की अवधि (केवल तब बताई जाए जब विवरणी निर्धारण वर्ष 1969-70 या किसी पूर्वतर वर्ष के संबंध में है), (6) विक्रय की गई, त्यक्त कर दी गई, डा दी गई या नष्ट कर दी गई आस्थियों की बाबत स्त्रेय मूल्य, (7) वह रकम जिस पर अवक्षयण अनुज्ञेय है [मद (ii) से (iv) तक का योग जिसमें मद (vi) में निविष्ट आस्थियों से संबंधित रकम सम्मिलित नहीं है], (8) अवक्षयण की दर, (9) उन दिनों की कुल संख्या जब काम किया गया (केवल तब दी जाए जब प्रतिरिक्त पारी मोक का दावा किया जाना है), (10) उन दिनों की कुल संख्या जब दोहरी पारी और तिहरी पारी में काम किया गया (केवल तब दी जाए जब प्रतिरिक्त पारी मोक का दावा किया जाता है), (11) दावा किया गया अवक्षयण—(क) आरंभिक अवक्षयण (ख) सामान्य अवक्षयण (जिनके अस्तंगत अनुसोचित होंटलों के लिए प्रतिरिक्त अवक्षयण भी है) (ग) अतिरिक्त अवक्षयण, (घ) अतिरिक्त पारी सत्ता-बोहरी पारी तथा तिहरी पारी, (12) कुल अवक्षयण, (13) दावा किया गया विनिधान मोक (वर भी बताइए), (14) टिप्पणियों (आरंभिक अवक्षयण, विनिधान मोक या विकास रिबेट की रकम बताइए जो आस्ति के संबंध में किसी पूर्वतर वर्ष में अनुज्ञान किया गया है)।

टिप्पण 4. लाभार्ण आय के तथा "अन्य स्त्रोतों से आय" शीर्ष के अधीन प्रभाय आय की संगणना की बाबत निम्नलिखित विशिष्टियां विवरणी के साथ संलग्न किए जाने वाले एक पृथक विवरण में दी जाएं, अर्थात्:—

#### लाभार्णों का विवरण

(i) कम्पनी का नाम (ii) शेयरों की संख्या (iii) लाभार्णों की सकल रकम (iv) श्रोत पर कटौती किया गया कर।

#### आय की संगणना

निम्नलिखित की बाबत ब्योरा दीजिए— (i) सकल आय (ii) वावाकृत व्यय (iii) शुद्ध आय जो (i) में से (ii) घटाकर निकलने वाली रकम है (क) लाभार्ण, (ख) प्रतिभूतियों पर ब्याज या कारबार के लाभों के रूप में प्रभाय ब्याज से भिन्न ब्याज (ग) अन्य मदें जो (i) मशीनरी, संयंत्र कर्नी-यर या भवन का किराए पर दिए जाने से होने वाली आय—धारा 56(2) (ii) और (iii), (ii) धारा 59 (iii) के अधीन कर से प्रभाय लाभ, (iii) अन्य मदें—ब्योरे दीजिए (घ) उक्त (क) (ख) और (ग) की बाबत शुद्ध आय पृष्ठ 2 पर मद 5 (क), 5(ख) और 5(ग) में से आई जाएगी।

टिप्पण 5: घोषणा पर हस्ताक्षर करने से पूर्व हस्ताक्षरकर्ता को स्वयं अपना यह समाधान कर लेना चाहिए कि विवरणी तथा उससे संलग्न उपाबन्ध और विवरण सभी प्रकार से सही और पूर्ण है।

इस विवरणी में या इससे संलग्न उपाबन्धों या विवरणों में मिथ्या कथन करने वाले व्यक्ति पर आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 277 के अधीन अभियोजन चलाया जा सकेगा और सिद्ध दोष होने पर वह

- (i) ऐसे मामले में जहां वह कर जिसका अपवचन करने का आशय है, 1 लाख रुपये से अधिक है वहां कठिन कारावास से जिसकी अवधि छह मास से कम नहीं होगी किन्तु सात वर्ष तक की हो सकेगी। और जुर्माने से वंचनीय होगा;
- (ii) किसी अन्य मामले में कठिन कारावास से जिसकी अवधि तीन मास से कम नहीं होगी किन्तु तीन वर्ष तक की हो सकेगी, और जुर्माने से वंचनीय होगा।

#### पूँजी अभिलाभ

#### साधारण विशिष्टियां

टिप्पण 6:

पूँजी आस्थियों के ऐसे अन्तरण से जिसके परिणामस्वरूप पूँजी अभिलाभ होता है, उद्भूत होने वाली "पूँजी अभिलाभ" शीर्ष के अधीन प्रभाय आय के संबंध से निम्नलिखित विशिष्टियां प्रत्येक आस्ति की बाबत दी जाएं:

(क) आस्ति का वर्णन: स्थावर संपत्ति की दशा में उसकी उपस्थिति, (ख) अर्जन की तारीख, (ग) अन्तरण की तारीख (घ) अंतरिती का नाम और बता यदि निर्धारित के साथ उसकी कोई नातेदारी या संबंध है तो वह बताइए।



5. पूँजी अभिलाभ (उपाबन्ध ग) (क) अल्पकालिक पूँजी प्राप्तियों से संबंधित  
(ख) अन्य पूँजी प्राप्तियों से संबंधित  
\* (I) भूमि या भवन या उसमें कोई अधिकार  
(ii) अन्य प्राप्तियाँ
6. अन्य स्रोतों से आय (टिप्पण 4 देखिए) (क) लाभांश  
(ख) ब्याज  
(ग) अन्य सब
7. मद 1 से 6 तक का योग
8. घटाइए : (i) पूर्ववर्ती वर्षों से अग्रणीत अनामेलित हानियाँ या मोक—  
धारा 32 (2), 35(4) और 72 से 78 तक  
(ii) बित्तियान मोक/विकास रिबेट/विकास मोक— धारा 32 क (3)/33  
(2)/33क(2)
9. सकल कुल आय
10. घटाइए : अनुज्ञेय कटौतियाँ (उपाबन्ध घ)
11. कुल आय (दम रुपये के गुणज तक पूर्णांकित धारा 288क)  
(क) शर्कों में  
(ख) शब्दों में
12. शुद्ध कृषि-आय (टिप्पण 5 देखिए)
13. मद 1 से 6 तक में सम्मिलित आय जो पति या पत्नी/अवयस्क संतान/पुत्र की पत्नी/पुत्र की अवयस्क संतान या अधिनियम के अध्याय 5 में निविष्ट किसी अन्य व्यक्ति को उद्भूत होने वाली आय है।

## भाग II करों का विवरण

कुल आय पर कर

(कुल आय पर संबंधित कर की संगणना दर्शित करने वाला एक विवरण संलग्न कीजिए)

निर्धारण—पूर्व कर

क—स्रोत पर कटौती किया गया कर  
(प्रमाणपत्र संलग्न करिए)

1. बेतन
2. प्रतिभूतियों पर ब्याज
3. अन्य ब्याज
4. लाभांश
5. कोई अन्य आय  
(कृपया विनिर्दिष्ट करिए)

कुल \_\_\_\_\_ रुपये

ख. अग्रिम कर  
(आलान संलग्न करिए)  
संदाय की तारीख

रकम

ग स्वतः निर्धारण पर कर  
(आलान संलग्न करिए)

कुल \_\_\_\_\_ रुपये

संदाय की तारीख

रकम

क ख और ग का योग

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

भाग III उस धाय की विशिष्टियाँ जिसकी बाबत यह दावा किया गया है कि उसे कर से छूट दे दी जाए तथा जो भाग 1 में सम्मिलित नहीं की गई है।

विशिष्टियाँ

रकम

किन कारणों से उस पर कर नहीं लगाया जा सकता है

भाग IV धाय की विवरणी देने में या अधिम कर (अथवा अनिवार्य निधेय) के संघाय में व्यतिक्रम के संबन्ध में विवरण

1. यदि कानून द्वारा नियत समय सीमा के भीतर धाय की विवरणी देने में विलम्ब हुआ है तो कृपया यह बताएँ कि क्या प्ररूप 6 में आवेदन फाइल कर दिया है ?
2. यदि हाँ, तो आवेदन की तारीख और उसकी रसीद संख्यांक लिखिए।
3. यदि धाय की विवरणी देने में या अधिम कर (अथवा अनिवार्य निधेय) के संघाय में विलम्ब हुआ है तो उसके लिए कारण प्रत्येक से एक एक विवरण में दिए जाने चाहिए जो विवरणी के साथ लगाया जाए।

\*हाँ/नहीं

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

मत्यापन (टिप्पणी 6 देखिए)

मैं,

(स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम)

जो—का पुत्र/की पुत्री/पत्नी हूँ, सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि इस विवरणी और हस्ताक्षर संलग्न उपाबन्धों और विवरणों में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और उसमें वंशिन कुल धाय की रकम और अन्य विशिष्टियों का उल्लेख सही-सही किया गया है और यह निर्धारण वर्ष 19—से सुसंगत वर्ष (वर्षों) के संबन्ध में है।

मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान—

(क) मुझे मेरे नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी आस्ति से कोई अन्य धाय न तो प्रोद्भूत हुई है, न उद्भूत हुई है और न प्राप्त हुई है।

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की धाय सहित ऐसी कोई अन्य धाय नहीं है जिसकी बाबत में धाय-कर अधिनियम, 1961 के अधीन कर से प्रभावी है।

\*मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान—

(क) \*उस व्यक्ति को, जिसके लिए और जिसकी ओर से यह विवरणी दी जा रही है/उस व्यक्ति को, जिसकी कुल धाय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है, \*उस व्यक्ति के, जिसके लिए और जिसकी ओर से यह विवरणी दी जा रही है/उस व्यक्ति के, जिसकी कुल धाय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है, नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी आस्ति से कोई अन्य धाय न तो प्रोद्भूत हुई है, न उद्भूत हुई है और न प्राप्त हुई है।

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की धाय सहित ऐसी कोई अन्य धाय नहीं है जिसकी बाबत उक्त व्यक्ति धाय-कर अधिनियम 1961 के अधीन कर से प्रभावी है।

मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि मैं यह विवरणी—पदनाम—की हैसियत से तैयार कर रहा/रही हूँ और मैं यह विवरणी तैयार करने और इसे सत्यापित करने के लिए सक्षम हूँ।

हस्ताक्षर

स्थान—

तारीख—

उपाबन्ध क (टिप्पणी 7 देखिए)

सम्पत्ति धाय की संगणना

1. स्वामी के स्वयं अधिभोग के अधीन सम्पत्ति से शुद्ध प्रभावी धाय
2. अन्य सम्पत्ति से शुद्ध प्रभावी धाय
3. पृष्ठ 1 पर मद 3 में ले जाई गई कुल शुद्ध प्रभावी धाय।

उपाबन्ध ख : कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाष

फर्म, व्यक्तियों के संगम या व्यष्टियों के निकाय से प्राप्त

(क) रजिस्ट्रीकृत फर्में

- |  |                                   |                 |
|--|-----------------------------------|-----------------|
| 1. लाभ/हानि में अंश की रकम   | कारबार (सट्टे से भिन्न) और वृत्ति | सट्टे का कारबार |
| 2. दावे किए गए व्यय की (ब्यौरा दीजिए) कटौती कीजिए (यदि उक्त अंक हानि हो तो जोड़िए) |                                   |                 |
| 3. पृष्ठ 1 पर मद 4 (क) में ले जाया गया शुद्ध लाभ/हानि।                             |                                   |                 |

(ख) अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय

1. लाभ/हानि में अंश की रकम
2. दावा किए गए व्यय की (ब्यौरा दीजिए) कटौती कीजिए (यदि उक्त अंक हानि है तो जोड़िए)
3. पृष्ठ 1 पर मद 4(ख) में ले जाया गया शुद्ध लाभ/हानि

उपाबन्ध ग/पूँजी अभिलाभ (टिप्पण 8 देखिए)

अल्पकालिक पूँजी प्राप्तिियों के सम्बन्ध में पूँजी अभिलाभ

बटाइए—वह रकम जिसके लिये धारा 53, 54, 54ख या 54घ के अधीन छूट दी गई है

मद 5 के भाग (क) में ले जाई गई शुद्ध रकम

अल्पकालिक पूँजी प्राप्तिियों से भिन्न पूँजी प्राप्तिियों के संबंध में पूँजी अभिलाभ

बटाइए—वह रकम जिसके लिये धारा 53, 54, 54ख, 54घ या 54ङ के अधीन छूट दी गई है

जोड़िए—पूँजी अभिलाभ शीर्ष के अधीन प्रभावी आय समझी जाने वाली रकम—धारा 54ङ (2)

मद 5 के भाग (ख) में ले जाई गई शुद्ध रकम

उपाबन्ध घ : कटौतियाँ (टिप्पण 9 देखिए)

विशिष्टियाँ	सकल रकम	अर्हक रकम	कटौती की रकम
1	2	3	4
1. संघाय जिन पर धारा 80ग के अधीन कटौती दी जा सकती है			
(i) भविष्य निधि			
(ii) जीवन बीमा प्रीमियम			
(iii) अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट कीजिए)			
2. संघान जिनको धारा 80छ लागू होती है			
3. पिछड़े क्षेत्रों में नवस्थापित औद्योगिक उपक्रमों या होटल कारबार से लाभ और अभिलाभ—धारा 80जज			
4. कतिपय क्षेत्रों में नव स्थापित लघु औद्योगिक उपक्रमों में लाभ और अभिलाभ—80जक			
5. नव स्थापित औद्योगिक उपक्रम, पोत या होटल—कारबार से लाभ और अभिलाभ—80ज			
6. पशुधन प्रजनन या कुक्कुट पालन या दुग्ध उद्योग के कारबार से लाभ और अभिलाभ—80जख			
7. छद्मक (खुम्बो) उपजाने के कारबार में लाभ और अभिलाभ—80जघक			
8. आय जिस पर धारा—80ठ के अधीन कटौती दी जा सकती है:			
(i) प्रतिभूतियों पर व्याज			
(ii) बैंक व्याज			
(iii) शेयरों पर लाभांश			
(iv) अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट कीजिए)			
9. अन्य कटौतियाँ, यदि कोई हो (ब्यौरा दीजिए)			

योग पृष्ठ 2 पर मद 10 में ले जाई गई कटौती की कुल रकम

उपायन्ध-ऊ : धारा 133/139 के अधीन दी जाने वाली अन्य विधिष्टियों का विवरण।

भाग 1 : गठन, आवि की बाबत विधिष्टियाँ

1. किसी व्यष्टि की दशा में :

(i) लिखिए क्या वह भारत का नागरिक है।

(ii) यदि वह किसी हिन्दू अधिभक्त कुटुम्ब का सदस्य है तो कुटुम्ब का नाम और पता लिखिए।

2. किसी हिन्दू अधिभक्त कुटुम्ब की दशा में, क्या कुटुम्ब में कम से कम एक ऐसा सदस्य है जिसकी निर्धारण वर्ष के लिये निर्धारणीय कुल आय उस अधिभक्त रकम से अधिक हो जाती है जो आय-कर के लिये प्रभावी नहीं है? यदि इस प्रश्न का उत्तर "ना" में हो तो कृपया हिन्दू अधिभक्त कुटुम्ब के सभी सदस्यों से इस आशय की घोषणाएं संलग्न करें।

3. किसी फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टि के निकाय की दशा में भागीदारों (जिनके अन्तर्गत ऐसे अबसक भागीदार भी हैं जिनका भागीदारी के फायदे में सम्मिलित किया गया है)/सदस्यों के नाम, पते और उनके अपने-अपने शेयर और पारस्परिक तातेबारी, यदि कोई हो, दर्शित करने वाला विवरण संलग्न कीजिए।

4. किसी फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय के किसी भागीदार/सदस्य की दशा में, फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय का नाम और पता, प्रत्येक भागीदार/सदस्य का नाम, पता और उनका अपना-अपना शेयर दर्शित करने वाला विवरण संलग्न कीजिए।

5. किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) के प्दासी या संरक्षक या उनके अधिकार की दशा में, ऐसे अन्य व्यक्तियों के नाम और पते दर्शित करने वाला विवरण संलग्न कीजिए।

6. यदि निर्धारिती ने पूर्व वर्ष के दौरान कियाया, कमीशन, रायल्टी या दलाली अथवा ऐसी किसी वाबिकी का (जो "वेतन" शीर्ष के अधीन निर्धारणीय वाबिकी नहीं है) जो एक हजार रुपये से अधिक है, संदाय किया है तो पाने वाले के नाम और पते तथा संदाय की गई रकम दर्ज करने वाले (संदाय की अकृति के अनुसार) अलग-अलग विवरण संलग्न कीजिए। यदि पाने वाला व्यक्ति कोई अनिवामी है तो यह बताइए कि क्या कर की खात पर कटौती कर ली गई है और वह रकम केन्द्रीय सरकार के खाने में जमा कर दी गई है।

7. किसी स्टॉक या बस्तु एक्सचेंज के प्रबन्ध से सम्बद्ध किसी व्यवहारी, दलाल या अधिकारी अथवा किसी व्यक्ति का चाहिये कि वह ऐसे सब व्यक्तियों के नाम और पते दर्शित करने वाला एक विवरण दें जिनको उसने या एक्सचेंज ने पूर्व वर्ष में ऐसी किसी राशि या संकलित राशियों का संदाय किया है जो (क) "अन्तर" के रूप में 2,000 रु० से अधिक है, और (ख) अस्थियों के अन्तरण के संबंध में भले ही वह बिक्रय, विनिमय या अन्य किसी रूप में हो, 10,000 रु० से अधिक है, या जिनकी ओर से अथवा जिनसे उसने या एक्सचेंज ने कोई ऐसी राशि प्राप्त की है। इसके साथ उसे ऐसे सभी संदायों और प्राप्तियों की विधिष्टिया (रकम, मारीख आदि) भी इस विवरण में दर्शित करनी चाहिए।

8. यदि निर्धारिती धारा 192, 193, 194क, 194ख, 194खख, 194ग, 194घ या 195 के अधीन कर की खात पर कटौती करने का दावा है तो निम्नलिखित बातों के संबंध में जानकारी देने की कृपा करें :-

(i) खात पर कटौती की गई कर की रकम;

(ii) क्या ऐसे कर का संदाय केन्द्रीय सरकार को कर दिया गया है?

(iii) क्या बहिस विवरणियां सम्बद्ध आय-कर अधिकारी को भेज दी गई हैं?

टिप्पण 1. "वेतन" शीर्ष के अधीन प्रभावी आय की संगणना विवरणों के साथ संलग्न किये जाने वाले एक विवरण में नीचे दी गई रीति में की जाए अर्थात् :-

(1) वेतन जिसके अन्तर्गत पूर्व वर्ष के दौरान वेतन, संवत्त अनुज्ञात वेतन का बकाया या अग्रिम धन, बोनस, मजदूरी, फीस, कमीशन, पेंशन (जिनके अन्तर्गत पेंशन का संरक्षित मूल्य भी है), वाबिकी और उपदान भी है, उस परिमाण तक जिस तक ये कर मुक्त नहीं है।

(2) अन्य नकद भत्ते/संदाय, उस परिमाण तक जिस तक ये कर मुक्त नहीं हैं :- (क) गृह किराया भत्ता, (ख) सवारी भत्ता, (ग) सरकार भत्ता, (घ) अन्य भत्ते (ब्योरे दीजिए) (अ) भव (क) से (घ) तक का योग। (3) नियोजक द्वारा दी गई परिलब्धियों का मूल्य (क) मुक्त या रियायती नाम मुविधा-धारा 17(2)(1) और (ii), (ख) मुक्त या रियायती फायदे/सुख मुविधाएं-धारा 17(2)(iii) नीचे टिप्पण देखिए (उदाहरणार्थ (1) सवारी नियम 3(ग), (ii) गैस, विद्युत उर्जा और जल-नियम 3(घ), (iii) परेल् या वैयक्तिक सेवाएं, (iv) वैयक्तिक यात्रा, (v) कोई अन्य भव ब्योरे दीजिए, (vi) भव (i) से (v) तक का योग, (ग) निर्धारिती की बाध्यता (जिसके अन्तर्गत बच्चों की शिक्षा, आय-कर आदि भी है) की बाबत नियोजक द्वारा किए गए संदाय और जीवन बीमा या वाबिकी के लिये नियोजक द्वारा संदेह धनराशियां-धारा 17(2)(iv) और (v), (घ) भव (क) (ख) और (ग) का योग (4) वेतन या मजदूरी के बदले या उसके प्रसिद्धि लाभ और "वेतन" शीर्ष के अधीन प्रभावी कोई अन्य आय (ब्योरे दीजिए) ; (5) मद (1) से (4) तक का योग; (6) इसकी बाबत कटौतियां : (क) मानक कटौती-धारा 16(i), (ख) सरकार भत्ता-धारा 16(ii), (ग) उप-भव (क) और (ख) का योग, (7) "वेतन" शीर्ष के अधीन निर्धारणीय शुद्ध आय जो पृष्ठ 1 पर मद 1 में ले जाई गई है।

टिप्पण :- (3) मद 3(ख) केवल निदेशक, ऐसे कर्मचारियों, जो नियोजक कम्पनी में पर्याप्त हित रखते हैं और ऐसे अन्य कर्मचारियों जिनकी "वेतन" शीर्ष के अधीन आय ऐसे फायदे/सुख मुविधाओं को छोड़ कर जो धन सबधी नहीं है) 18,000 रु० से अधिक है, द्वारा भरी जाए।

टिप्पण 2- निम्नलिखित विधिष्टियों और "प्रतिभूतियों पर व्याज" शीर्ष के अधीन प्रभावी आय की संगणना इस विवरण से संलग्न विवरण में दी जाए, अर्थात्

## साधारण विधिधियाँ

- (i) प्रतिभूतियों की विशिष्टियाँ (ii) अंकित मूल्य (iii) वर्ष के दौरान देय या प्राप्त व्याज की सकल रकम (सरकारी प्रतिभूतियों और डिबेंचरों तथा अन्य प्रतिभूतियों के संबंध में अलग-अलग ब्यौता दीजिए— (iv) खोल पर कटौती किया गया कर, (v) टिप्पणियाँ, उदाहरणार्थ, कर मुक्त प्रतिभूति की दशा में इस कालम में "कर मुक्त" शब्द लिखिए।

## आय की संगणना

(सरकारी प्रतिभूतियों और डिबेंचरों तथा अन्य प्रतिभूतियों के लिये अलग-अलग दी जाए)

- (i) देय या प्राप्त सकल रकम (साधारण विधिधियों की मद (iii) में),  
(ii) बटाइए:—(क) व्याज की बसुली के लिए व्यय—धारा 1 (i) और (ख) उधार ली गई धनराशि पर व्याज—धारा 19 (ii), (iii) प्रतिभूतियों पर व्याज की शुद्ध रकम जो वृष्ट 1 पर मद 2 में ले जाई गई है और जो (i) में से (ii) को घटाकर निकालने वाली रकम है।

टिप्पण: 3:—“कारबार या वृत्ति के लाभ और अधिनाभ” शीर्ष के अधीन प्रभाष आर के संबंध में निम्नलिखित विधिधियाँ आय की विवरणी से संलग्न किए जाने वाले विवरण में दी जाए, अर्थात्:—

## (i) साधारण विधिधियाँ

- (i) वह नाम, जिस नाम से कारबार या वृत्ति चलाई जा रही है ;  
(ii) कारबार या वृत्ति के मुख्य स्थान का पता ;  
(iii) शाखाओं के नाम और पते  
(iv) कारबार या वृत्ति की प्रकृति,  
(v) लेखा रखने का तरीका, यह बताइए कि क्या वह बाणिज्यिक/नकद/मिश्रित है और (vi) स्टॉक मूल्यांकन का तरीका, (vii) यदि नियमित लेखाबद्धियाँ रखी जाती हैं।  
तो निम्नलिखित की प्रतियाँ संलग्न कीजिए:—(क) विनिर्माण लेखा ब्यौता, लाभ और हानि लेखा या आय और व्यय लेखा अथवा ऐसा ही कोई अन्य लेखा और तुलनपत्र  
(ख) यदि:—(i) कोई सापेक्षिक कारबार या वृत्ति है तो स्वन्दधारी का वैयक्तिक लेखा। (ii) कोई फर्म व्यक्तियों का संगम या व्यष्टियों का निकाय है तो भागीदारों या सदस्यों के उनके करने-प्रपने लेखों, (iii) किसी फर्म, व्यक्तियों के संगम या व्यष्टियों के निकाय का भागीदार या सदस्य है तो फर्म, व्यक्तियों के संगम या व्यष्टियों के निकाय में उनके करने-प्रपने लेखों—(ग) जहाँ निर्धारित लेखाओं को सरोक्षा की गई है, वहाँ संपरीक्षित लाभ और हानि तथा तुलनपत्र लेखा और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की प्रतियाँ,  
(viii) यदि नियमित लेखा बहिया नहीं रखी जाती है तो एक विवरण संलग्न कीजिए जिसमें कारबार या वृत्ति के आरंभ या सकल प्राप्ति, सकल लाभ व्यय और शुद्ध लाभ की रकमें तथा वे आधार जिन पर इन रकमों की संगणना की गई है, उपवर्णित हों और जिनमें पूर्व वर्ष के अन्त होने के समय कुल अन्त्याय ऋणियों, अन्त्याय लेनदारों की रकमों, व्यापार स्टॉक और नकद अतिशेष की स्थिति बताई गई हो।  
(ix) सविदा कार्य में लगे हुए निर्धारितियों द्वारा दी जाने वाली प्रतिरिक्त जानकारी:—(क) यदि उन व्यक्तियों द्वारा, जिनके साथ सविदा की गई थी, प्रवाय की गई सामग्रियों का मूल्य या उसके द्वारा (किंग गए कार्य के लिए वेय संवाय में से) प्रतिधारित प्रतिभूति निक्षेप को दिखाई गई सकल प्राप्ति में समिलित नहीं किया गया है तो यहाँ उसकी रकम बताइए।  
सामग्रियों का मूल्य ..... प्रतिभूति निक्षेप .....

(ख) क्या धारा 285 क के अधीन संबंधित आय-कर अधिकारी को भवन निर्माण या प्रदाय की सविदाओं के संबंध में जानकारी दे दी गई है।

\*हां/नहीं

- (x) चलचित्र फिल्मों के निर्माताओं द्वारा दी जाने वाली प्रतिरिक्त

जानकारी:—क्या धारा 285ख के अधीन संबंधित आय-कर अधिकारी को चलचित्र फिल्मों के निर्माण में लगाए गए व्यक्तियों को किए गए संवायों का विवरण दे दिया गया है।

\*हां/नहीं

## 2. पूर्व वर्ष के लिए कारबार या वृत्ति से निर्धारणीय लाभ/हानि की संगणना

1. किसी फर्म-व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय के लाभों में अंशों को छोड़कर, लाभ और हानि लेखा के अनुसार लाभ या हानि जोड़िए (यदि उक्त अंक हानि का द्योतक है तो कटौती कीजिए)  
2. निम्नलिखित के संबंध में लाभ और हानि लेखा है के साथे हाथी गई रकमें:—(क) पूर्वतर वर्षों की हानियाँ (ख) आय-कर, अतिकर, शास्ति आदि, (ग) वैयक्तिक व्यय जिसके अंतर्गत पूर्व या उपहार भी हैं। (घ) पूंजी व्यय, (ङ) व्यय भोक और संदाय जिसकी कटौती धारा 30 (क) 40क (5) या (6) के अधीन नहीं की जा सकती है (ब्यौते दीजिए), (च) व्यय और भते जिनकी कटौती धारा 40(ग) के अधीन नहीं की जा सकती है, (छ) धारा 40क (2) के अधीन अनुशेष व्यय, (ज) इस विवरणी में अन्त्यत कटौती के रूप में दावा किया गया व्यय, (झ) अवक्षण जिस पर अलग से विचार किया गया है, (ञ) विनिधान भोक, विकास रिबेट और विकास भोक—जिस पर अलग से विचार किया गया है। (प्ररूप सं० 5 और 5क संलग्न कीजिए), (ट) दूरस्थ ऋणों के लिए आरक्षित या बचतस्था, (ठ) किसी आरक्षित या किसी निधि में जमा कर लिया गया व्याज,

\*जो लागू न हो काट दीजिए। ]

3. लाभ और हानि लेखा प्रावि के नामे डाले गए अन्य व्यय आदि—उस परिमाण तक जहां तक वे अनुशेष नहीं हैं :

६

(क) ऐसी आस्तियों का जिसका उपयोग पूर्णतः कारबार के लिए नहीं किया जाता है, किराया, रेंट, कर सम्मत और बीमा प्रीमियम—धारा 30/31

(ख) आस्तियों के विक्रय पर हानि—धारा 32 (1) (3) (ब्योरे बीजिए) (ग) पुनर्वास—धारा 33 ख (ब्योरे बीजिए) (घ) वैज्ञानिक अनुसंधान पर व्यय या वैज्ञानिक अनुसंधान संगमों को दी गई राशि प्रावि—धारा 35 (ब्योरे बीजिए) (ङ) पेटेंट अधिकारों या प्रतिलिप्यधिकारों पर व्यय धारा 35क (च) ग्राम विकास एकक धारा 35गग (छ) ग्राम विकास कार्यक्रमों को चलाने के लिए या ऐसे कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने के लिए व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए संगमों और संस्थाओं को संवासों के रूप में व्यय—धारा 35 गगक (ज) प्रारम्भिक व्यय—धारा 35 घ प्ररूप संख्यांक 3ख संलग्न कीजिए) (झ) अतिजों के पूर्वेक्षण और विकास के लिए व्यय—धारा 35ड (प्ररूप सं० 3 ख संलग्न कीजिए), (ब्योरे बीजिए) (व) मोनस का अनुसंधान परिमाण तक संदाय—धारा 36 (1) (2), (ड) भविष्य निधि, अधिवाधिकी या उपवास निधियों में अभिदाय—धारा 36 (1) (4) और (5), (ठ) सत्कार व्यय—धारा 37 (2) (2क), (ड) किसी राजनीतिक दल द्वारा प्रकाशित किसी स्मारिका, विवरणिका प्रावि में विज्ञापन पर व्यय—धारा 37 (2ख) (ब्योरे बीजिए) (ड) विज्ञापन पर और अतिथि गृहों के अनुरक्षण तथा कर्मचारियों की यात्रा पर व्यय व्यय—धारा 37 (3) और (4) नियम 6ख और 6घ (ब्योरे बीजिए) (ण) विज्ञापन, बजार और विक्रय बढ़ाने पर समायोजित व्यय—धारा 37 (3क) (ब्योरे बीजिए) केवल निर्धारण वर्ष 1979-80 और 1980-81 के लिए लागू (न) ऐसा व्यय जो काम बैंक द्वारा किए जाने से अन्यथा किया जाए—धारा 40क (3) नियम 6 घघ (ब्योरे बीजिए) (व) उपवास के संदाय के लिए की गई व्ययस्था—धारा 40क (7) (व) कोई अन्य व्ययस्था/प्रारक्षित/अन्य व्यय जो धारा 28 से 44 ग तक के अधीन अनुशेष नहीं है।

4. वे रकमें जो लाभ और अभिलाभ लेखा प्रावि में जमा नहीं की गई है (क) धारा 41 (1), (3) और (4) के अधीन प्रभाय लाभ (ब्योरे बीजिए)

(ख) धारा 41 (2) और (2क) के अधीन प्रभाय लाभ (ब्योरे बीजिए)

(ग) अन्य कोई प्रभाय लाभ और अभिलाभ (ब्योरे बीजिए)

5. मव 1 से 4 तक का योग। घटाइये (यदि मव 5 में अंक नकारत्मक है तो जोड़िए)

6. नीचे (3) के अनुसार संगणित अवक्षयण,

7. "कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ" शीर्ष से भिन्न शीर्षों के अधीन प्रभाय आय या किसी पूर्वतर वर्ष में कर में प्रभारित की जा चुकी आय जो लाभ और हानि लेखा प्रावि में जमा कर दी गई है,

8. वैज्ञानिक अनुसंधान/निर्यात बाजार विकास मोक/कृषि विकास मोक पर व्यय की बाबत कटौती जो लाभ और हानि लेखा के नामे डाली गई रकम के अधिष्य में अनुशेष है—धारा 35--35ख और 35ग,

9. धारा 28 से 44ध तक के अधीन दावाकृत कोई अन्य व्यय—कटौती (ब्योरे बीजिए)

10. मव 6 से 9 तक का योग,

11. लाभ/हानि का अतिशेष (जो मव 5 में से मव 10 को घटाकर आने वाली रकम है)

3. विवरणी से संलग्न एक विवरण में अवक्षयण मोक और विनिधान मोक की बाबत निम्नलिखित विशिष्टियां दी जाएं, अर्थात् (1) आस्तियों का वर्णन (भवन के संबंध में यह बताइए कि क्या भवन पट्टे पर लिया गया है या निर्धारित के स्वामित्व में है) (2) विद्यमान आस्तियों का अवलिखित मूल्य (3) पूर्व वर्षों के दौरान अर्जित आस्ति की वास्तविक लागत (4) परिवर्धनों या परिवर्तनों पर पूंजी व्यय, (5) उपयोग की विधि केवल तब बताई जाए जब विवरणी निर्धारण वर्ष 1969-70 या किसी पूर्वतर वर्ष के संबंध में है (6) विक्रय की गई, त्यक्त कर दी गई है या दी गई या नष्ट कर दी गई आस्तियों की बाबत स्क्रैप मूल्य (7) वह रकम जिस पर अवक्षयण अनुशेष है मव (2) से (4) तक का योग जिसमें मव (6) में निर्दिष्ट आस्तियों से संबंधित रकम सम्मिलित नहीं है (8) अवक्षयण की दर (9) उन दिनों की कुल संख्या जब काम किया गया (केवल तब ही जाए जब अतिरिक्त पारी मोक का दावा किया जाता है) (10) उन दिनों की कुल संख्या जब दोहरी पारी और तिहरी पारी में काम किया गया (केवल तब ही जाए जब अतिरिक्त पारी मोक का दावा किया जाता है), (11) दावा किया गया अवक्षयण—(क) प्रारम्भिक अवक्षयण (ख) सामान्य अवक्षयण (जिसके अन्तर्गत अनुमोदित होटलों के लिए अतिरिक्त अवक्षयण भी है), (12) कुल अवक्षयण (13) दावा किया गया विनिधान मोक (दर भी बताइए) (14)—टिप्पणियां (प्रारम्भिक अवक्षयण, विनिधान मोक या विकास रिजर्व की रकम बताइए जो आस्ति के संबंध में किसी पूर्वतर वर्ष में अनुज्ञात किया गया है)।

टिप्पण 4—जाभाश आय के तथा "अन्य स्रोतों से आय" शीर्ष के अधीन प्रभाय आय की संगणना की बाबत निम्नलिखित विशिष्टियां विवरणी के साथ संलग्न किए जाने वाले एक पृथक विवरण में दी जाएं, अर्थात्—

#### लाभाशों का विवरण

(1) कम्पनी का नाम, (2) शेयरों की संख्या, (3) लाभाशों की सकल रकम (4) स्रोत पर कटौती किया गया कर।

#### आय की संगणना

निम्नलिखित की बाबत ब्योरा बीजिए—(1) सकल आय (2) दावा कृत व्यय (3) शुद्ध आय जो (1) से (2) घटकर निकलने वाली रकम है (क) लाभाश, (ख) प्रतिभूतियों पर व्याज या कारबार के लाभों के रूप में प्रभाय व्याज से भिन्न व्याज (ग) अन्य मंवे जो (1) फायशों या परिलब्धियों के मूल्य—धारा 2(24) (4) (2) न्यास के फायदाग्राही या न्यासी का दशा में फायशों या परिलब्धियों के मूल्य धारा 2(24) (4क) (3) लाटरी, बर्ग पहेली, दौड़ प्रावि से हुई जीत—धारा 56(2) (1 ख) (4) मशीनरी, संयंत्र फर्नीचर या भवन का किराया पर दिए जाने से होने वाली आय—धारा 56(2) (2) और (3) (5) वार्षिकी या उसका संराशित मूल्य—धारा 280 घ, (6) धारा 59 के अधीन कर से प्रभाय लाभ, (घ) उक्त (क) (ख) और (ग) की बाबत शुद्ध आय जो पृष्ठ 2 पर मव 6 (क), 6(ख) और 6(ग) में ले आई जाएगी।

**टिप्पण 5**—शुद्ध कृषि आय की संगणना सुसंगत वित्त अधिनियम के नियमों के अनुसार निम्नलिखित रीति से मंगणित की जाए, अर्थात् (क) कृषि प्रयोगों के लिए प्रयुक्त भूमि से प्राप्त किराया या राजस्व, (ख) कुषक आदि द्वारा निवास गृह के रूप में अशेषित किसी भवन में आय (ग) अन्य कृषि आय जो मद (घ) में निर्दिष्ट आय के विक्रय से आय नहीं है। (घ) भारत में उगाई और विनिर्मित वय के विक्रय से आय का साठ प्रतिशत (ङ) रजिस्ट्रीकृत फर्म/भरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्तियों के संगम आय से कृषि आय का भ्रंश जिसकी संगणना सुसंगत वित्त अधिनियम में दिए गए शुद्ध कृषि आय की संगणना के नियमों के अनुसार की गई है (च) मद (क) से (ङ) तक का योग (सुसंगत वित्त अधिनियम में दिए गए शुद्ध कृषि आय की संगणना के नियमों के अनुसार जानियों के समायोजन के अधीन रहने हुए), (छ) घटाइए : राज्य सरकार को पूर्व वर्ष की कृषि आय पर संदेय कृषि आय-कर (ज) शुद्ध कृषि आय जो (च) में से (छ) को घटाकर आने वाली रकम है जो पृष्ठ 2 मद 12 में ले जाई गई है।

**टिप्पण 6**—घोषणा पर हस्ताक्षर करने से पूर्व हस्ताक्षरकर्ता को स्वयं करना यह समाधान कर लेना चाहिए कि विवरणी तथा उसमें संलग्न उपाबंध और विवरण सभी प्रकार से सही और पूर्ण है।

इस विवरणी में या इससे संलग्न उपाबंधों या विवरणों में मिथ्या कथन करने वाले व्यक्ति पर आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 277 के अधीन प्राथमिक चलाया जा सकेगा और सिधबोध होने पर वह—

(i) ऐसे मामले में जहाँ वह कर जिसका अपवर्जन करने का आशय है, एक लाख रुपये से अधिक है वहाँ कठिन कारावास से जिसकी अवधि छह मास से कम नहीं होगी किन्तु तीन वर्ष तक की हो सकेगी और ज़ुर्मान से दण्डनीय होगा, (ii) किसी अन्य मामले में कठिन कारावास से जिसकी अवधि तीन मास से कम नहीं होगी किन्तु तीन वर्ष तक की हो सकेगी, और ज़ुर्मान से दण्डनीय होंगे।

**टिप्पण 7**—प्रत्येक गृह सम्पत्ति के लिए निम्नलिखित विशिष्टियाँ/“गृह सम्पत्ति से आय” शीर्ष के अधीन प्रभावी आय की संगणना इस विवरणी से संलग्न विवरण में दी जाए, अर्थात्—

### I सम्पत्ति जो स्वामी के स्वयं अधिभोग में है।

#### साधारण विशिष्टियाँ

(क) सम्पत्ति की अवस्थिति, (ख) वार्षिक नगरपालिक मूल्यांकन ;

#### आय की संगणना

(क) वह रकम जिस पर सम्पत्ति के वर्षानुवर्ष किराए पर दिए जाने की युक्ति युक्त रूप से प्रत्याशा की जा सकती है—धारा 23 (i) ; (ख) नगरपालिक कर-धारा 23 (i) का प्रथम परन्तुक ; (ग) अतिशेष जो (क) में से (ख) को घटाकर निकलने वाली रकम है ; (घ) यदि सम्पत्ति सह-स्वामियों के स्वामित्वाधीन है तो (ग) में ऐसे सह-स्वामियों का भ्रंश ; (ङ) अतिशेष जो (ग) में से (घ) को घटाकर निकलने वाली रकम है ; (च) मद (ङ) में अतिशेष रकम का आधा या 1800 रु०, जो भी कम हो, उसकी कटौती कीजिए ; (छ) मद (च) में से (ङ) को घटाकर निकलने वाली रकम जो स्वामी के स्वयं अधिभोग की सम्पत्ति से संबंधित आय की रकम को छोड़ कर सकल कुल आय की वस प्रतिशत तक सीमित होगी—धारा 23 (2) का परन्तुक ; (ज) ऐसी सम्पत्ति के लिए जो न किराए पर दी गई है और न अधिभोग में रखी गई है, कटौती कीजिए (जहाँ निर्धारित की स्वामित्व में केवल एक निवास गृह है, वहाँ लागू होगा—धारा 23 (3) (स) उस सम्पत्ति का जो स्वामी के स्वयं अधिभोग में है, वार्षिक मूल्य (ज) कटौतियाँ : (i) मरम्मत वार्षिक मूल्य का पृष्ठांश—धारा 24 (1) (i) ; (ii) बीमा—धारा 24 (i) (ii) ; (iii) भूमि किराया.... धारा 24 (i) (iv) उधार ली गई पूँजी पर ब्याज —धारा 24 (i) (v) ; (v) भू-राजस्व आदि धारा 24 (i) (vi) (v) पूर्वस्तर वर्षों के लिए वसूल न किया जा सकने वाला किराया—धारा 24 (i) (ix) ; (ठ) कुल कटौतियाँ ; (ड) स्वामी के स्वयं अधिभोग वाली सम्पत्ति से शुद्ध प्रभावी आय जो (स) में से (ड) को घटाकर निकलने वाली रकम है।

### II अन्य सम्पत्ति से आय (किराए पर दी गई सम्पत्ति)

#### (साधारण विशिष्टियाँ)

(क) सम्पत्ति की अवस्थिति, (ख) वार्षिक नगरपालिक मूल्यांकन

#### आय की संगणना

(क) वह रकम जिस पर सम्पत्ति के वर्षानुवर्ष किराए पर दिए जाने की युक्तियुक्त रूप से प्रत्याशा की जा सकती है या जहाँ सम्पत्ति किराए पर दी जाती है और उसकी बाबत प्राप्त किया गया या प्राप्य वार्षिक किराया उक्तराशि से अधिक है—धारा 23 (1),

(ख) कटौतियाँ : (i) नगरपालिक करों की वह रकम जो स्वामी द्वारा वहन की जाती है—धारा 23 (i) का प्रथम परन्तुक, (ii) नई निर्मित सम्पत्ति के लिए मोक—धारा 23 (i) का द्वितीय परन्तुक (ग) वार्षिक मूल्य जो (क) में से (ख) को घटाकर निकलने वाली रकम है, (घ) कटौतियाँ (i) मरम्मत—वार्षिक मूल्य का पृष्ठांश—धारा 24 (i) (i), (ii) बीमा—धारा 24 (i) (ii) (iii) बंधक पर ब्याज या पूँजी प्रभार—धारा 24 (i) (iii) ; (iv) वार्षिक प्रभार—धारा 24 (i) (iv) ; (v) भूमि किराया धारा 24 (i) (v) (vi) उधार ली गई पूँजी पर ब्याज धारा 24 (i) (vi) ; (vii) भू-राजस्व —धारा 24 (i) (vii) ; (viii) किराया संगृहीत करने का प्रभार जो उक्त (ग) में वर्णित वार्षिक मूल्य के 6 प्रतिशत तक सीमित होगा—धारा 24 (i) ; (ix) रिक्त रहना—धारा 24 (i) (ix) ; (x) वसूल न किया जा सकने वाला किराया—धारा 24 (i) (x) और नियम 4 (क) उक्त (घ) में की गई कटौतियों का योग, (च) अन्य सम्पत्ति से शुद्ध प्रभावी आय जो (क) में से (ङ) को घटाकर निकलने वाली रकम है।

विषय 8—

पूँजी अभिलाष

## साधारण विनिर्दिष्टियाँ

पूँजी प्राप्तियों के ऐसे अन्तरण से जिसके परिणामस्वरूप पूँजी अभिलाष होता है, उद्भूत होने वाली "पूँजी अभिलाष" शीर्ष के अधीन प्रसार्य प्राय के संबंध में निम्नलिखित विनिर्दिष्टियाँ प्रत्येक प्राप्त की बाबत दी जाए :

(क) प्राप्त का वर्णन : स्थावर संपत्ति की दशा में उसकी अवस्थिति :

(ख) अर्जन की तारीख, (ग) अन्तरण की तारीख ; (घ) अंतरिती का नाम और पता, यदि निर्धारिती के साथ उसकी कोई नातेदारी या सम्बन्ध है तो वह बताइए।

## पूँजी अभिलाषों की संयोजना

(क) अन्तरण के प्रतिकूल का पूरा मूल्य ; (ख) काटौतिया (i) तारीख 1 जनवरी, 1964 को प्राप्त के अर्जन की लागत या उसका बाजार मूल्य—धारा 49, 50 और 51 ; (ii) पूँजी प्राप्त के सुधार की लागत धारा 55 (i) (ख) ; (iii) अन्तरण के सम्बन्ध में व्यय—धारा 48 (i), (ग) मूल्य (ख) में काटौतियों का योग (घ) पूँजी अभिलाषों की रकम जो मूल्य (क) में से मूल्य (ग) को घटाकर बानेवाली रकम है यदि निर्धारिती ने धारा 53, 54, 54 ख और 54 ग या 54 ग के अधीन पूँजी अभिलाषों की किसी छूट का दावा किया है तो एक विवरण संलग्न करें जिसमें छूट के लिए सुसंगत धारा में विनिर्दिष्ट शर्तों के पूरा किए जाने की विनिर्दिष्टियाँ दी गई हों।

विषय 9—यदि निर्धारिती की कर मुक्त प्रतिभूतियों पर ब्याज के रूप में कोई प्राय है या अन्य कोई ऐसी प्राय है जिस पर कर का अखिरे अनुशेष है अथवा उसकी ऐसी प्राय है जो उस कुल प्राय में सम्मिलित की गई है जिस पर धारा 90 या 91 के अधीन धोहरे कराधान से राहत का दावा किया गया है तो उसका भी एक अलग विवरण में दीजिए।

विषय 10—जहाँ निर्धारण वर्ष के लिए अनिवार्य निक्षेप स्कीम (प्राय-कर दाता) अधिनियम, 1974 के अधीन निक्षेप किया गया है वहाँ निक्षेप कार्यालय द्वारा दी गई रसीद विवरण के साथ भेजी जानी चाहिए।

प्रकरण सं० 3

प्राय की विवरणी

प्रायकर कार्यालय में उपयोग के लिए

----- (कम्पनियों और उन व्यक्तियों से जो पूर्ण या धार्मिक  
प्रायकर अधिनियम, 1961 प्रयोजनों के लिए धारित सम्पत्तियों से प्राय  
----- प्राप्त करते हैं तथा धारा 11 के अधीन छूट का दावा  
नियम 12(i) (ख) (iii) करते हैं से निम्न (निर्धारितियों के लिए जिनकी कुल  
प्राय के अन्तर्गत "कारबार या वृत्ति के लाभ और  
अभिलाष" नहीं हैं।

स्पष्ट अक्षरों में नाम

निर्धारण वर्ष

कार्यालय का पता

टेलीफोन

-----को समाप्त होने वाला (वाले) पूर्व वर्ष

निवास-स्थान का पता

टेलीफोन

स्थायी लेखा सं०

लिखिए क्या \*अप्टि/हिन्दी/अविषयक कुटुम्ब/फर्म/व्यक्तियों का संगम/व्यक्तियों का  
निकाय/कृत्रिम विधिक व्यक्ति हैं।

लिखिए क्या  
\*निवासी हैं

निवासी हैं किन्तु मामूली तौर पर निवासी  
नहीं हैं

अनिवासी हैं

यह पुनरीक्षित विवरणी है तो कृपया पूर्ण विवरणी फाइल करने की तारीख लिखिए

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

भाग 1 : कुल आय का विवरण जिसके अन्तर्गत ऐसे अन्य व्यक्तियों की आय भी है जिन निर्धारित की कुल आय और शुद्ध कृषि आय में सम्मिलित की जा सकती है।

आय का शीर्ष	आय/हानि (र.) (यदि कुछ नहीं हो तो "कुछ नहीं" लिखिए)
1. वेतन (उपाबन्ध--क)	
2. प्रतिभूतियों पर व्याज (टिप्पण 1 देखिए)	
3. गृह सम्पत्ति से आय (उपाबन्ध--ख)	
4. पूंजी अभिलाभ (उपाबन्ध--ग) (क) प्रत्येकालिक पूंजी प्राप्तियों के सम्बन्ध में (ख) अन्य पूंजी प्राप्तियों के सम्बन्ध में*	
* (i) भूमि या भवन या उनमें कोई अधिकार (ii) अन्य प्राप्तियाँ	
5. अन्य स्रोतों से आय (टिप्पण 2 देखिए) (क) लाभार्जन (ख) व्याज (ग) अन्य मदें	
6. मद 1 से 5 तक का योग	
7. इसकी कटौती कीजिए : मशीनरी, संयंत्र या फर्नीचर या किराए पर दिए गए भवन के सम्बन्ध में ऐसा भनामेनित अवकाश जो पूर्व वर्षों से अग्रणीत किया गया	
8. सकल कुल आय	
9. घटाइए : अनुज्ञेय कटौतियाँ (उपाबन्ध--घ)	
10. कुल आय (वस हवाई के निकटतम गुणज तक पूर्णांकित--धारा 288क) (क) अंकों में ..... (ख) शब्दों में .....	
11. शुद्ध कृषि आय (टिप्पण 3 देखिए)	
12. मद 1 से 5 तक में सम्मिलित आय जो पति या पत्नी/अवयस्क संतान/पुत्र की पत्नी/पुत्र की अवयस्क संतान या अधिनियम के अध्याय 6 में निर्दिष्ट किसी अन्य व्यक्ति को उद्भूत होने वाली आय है।	

## भाग II करों का विवरण

कुल आय पर कर

[कुल आय पर संवेय कर की संगणना दक्षित करने वाला विवरण संलग्न कीजिए]

### निर्धारण-पूर्व कर

(क) स्रोत पर काटा गया कर

(प्रमाण पत्र संलग्न कीजिए)

1. वेतन .....
2. प्रतिभूतियों पर व्याज .....

\* जो लागू न हों उसे काट दीजिए

3. अन्य व्याज .....
4. लाभोण .....
5. कोई अन्य मद .....
- (रूपया विनिर्दिष्ट कीजिए) .....
- योग ..... ₹०

**ख. अग्रिम कर**

(आलान संलग्न कीजिए)

संदाय की तारीख	रकम
.....	.....
.....	.....
.....	.....
योग	₹०

**ग. स्वतः निर्धारण पर कर**

(आलान संलग्न कीजिए)

संदाय की तारीख	रकम
.....	..... ₹०

क, ख और ग का योग

**भाग III** उस भाग की विनिर्दिष्टियाँ जिसको बाबत यह वाचा किया गया है कि उसे कर में छूट प्राप्त है और जो भाग I में सम्मिलित नहीं की गई है

विनिर्दिष्टियाँ	रकम	किन कारणों से उस पर कर नहीं लगाया जा सकता है।
-----------------	-----	---

**भाग IV**

आय की विवरणी देने में अथवा अग्रिम कर या अनिवार्य निक्षेप के संदाय में व्यक्तिगत के संबंध में विवरण

- यदि कानून द्वारा नियत समय सीमा के भीतर आय की विवरणी देने में क्लिप्त हुआ है तो रूपया यह बताएँ कि क्या प्ररूप सं० 6 में आवेदन फाइल कर दिया है। \*हां/नहीं
- यदि हाँ तो आवेदन की तारीख और उसकी रसीद संख्या लिखिए।
- यदि आय की विवरणी देने में या अग्रिम कर या अनिवार्य निक्षेप के संदाय में व्यतिक्रम हुआ है तो उसके लिए कारण अलग से एक विवरण में दिए जाने चाहिए जो विवरणी के साथ लगाया जाए।

**सत्यापन (टिप्पण 4 देखिए)**

मैं ..... (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम) जाँ ..... का \*पुत्र/की पुत्री/पत्नी हूँ, सत्यनिष्ठा से घोषणा करता/करती हूँ कि इस विवरणी और इससे संलग्न दस्तावेजों और विवरणों में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और उसमें दक्षिण कुल आय की रकम और अन्य विनिर्दिष्टियों का उल्लेख सही सही किया गया है और वे निर्धारण वर्ष 19... से सुसंगत पूर्व वर्ष (वर्षों) के संबंध में हैं।

मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान--

(क) मुझे मेरे नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी आय से कोई अन्य आय न तो प्राप्त हुई है, न उद्भूत हुई है और न प्राप्त हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत मैं आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर से प्रभाय हूँ

मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान

(क) \*उस व्यक्ति को, जिसके लिए और जिसके अंतर् से यह विवरणी दी जा रही है। उस व्यक्ति को, जिसकी कुल आय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है\* उस व्यक्ति के, जिसके लिए और जिसकी अंतर् से यह विवरणी दी जा रही है \*उस व्यक्ति के, जिसकी कुल आय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है, नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी आय से कोई अन्य आय न तो प्राप्त हुई है, न उद्भूत हुई है और न प्राप्त हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत उक्त व्यक्ति आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर से प्रभाय है।

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

में यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि मैं यह विवरणों ..... की हैसियत से तैयार कर रहा/रही हूँ और मैं यह विवरणों  
(पदनाम)  
तैयार करने और इसको सत्यापित करने के लिए सक्षम हूँ।

स्थान-----

(हस्ताक्षर)

तारीख-----

उपाबन्ध क—वेतन

## भाग I

सरकार से प्राप्त वेतन से आय की संगणना

वेतन, जिसके अन्तर्गत पूर्व वर्ष के दौरान वेतन, सदत्त या अनुदात

वेतन का बकाया या अग्रिम धन, बोनस, मजबूरी, फीस, पेंशन (जिसके अन्तर्गत पेंशन का संराक्षित मूल्य भी है) बापिकी और उपदान भी है तथा गृह किराया भत्ता/या अन्य नकद भत्ते/संदाय और परिकल्पित, उस परिमाण तक जिस तक वे कर मुक्त नहीं है।

बटाइए:

(i) मानक कटौती

धारा 16 (i)

(ii) सत्कार भत्ता

धारा 16 (ii)

यदि

पृष्ठ 1 पर मद 1 में ले जाई गई

“वेतन” शब्द के अधीन निर्धारणीय शुद्ध आय

## भाग II

अन्य वेतन से आय की संगणना

1 वेतन, जिसके अन्तर्गत पूर्व वर्ष के दौरान वेतन, सदत्त या अनुदात वेतन का बकाया या अग्रिम धन बोनस, मजबूरी, फीस, पेंशन (जिसके अन्तर्गत पेंशन का संराक्षित मूल्य भी है) बापिकी और उपदान भी है, उस परिमाण तक जिस तक वे कर मुक्त नहीं है।

2 अन्य नकद भत्ते/संदाय उस परिमाण तक जिस तक वे कर मुक्त नहीं हैं

(क) गृह किराया भत्ता

(ख) सवारी भत्ता

(ग) सत्कार भत्ता

(घ) अन्य मदें

(व्योरे दाजिए)

यदि

3 नियोजक द्वारा दी गई परिकल्पितों का मूल्य

(क) सुपन्न या रियायती नाम सुविधा

धारा 17(2)

(i) और (ii)

(ख) सुपन्न या रियायती फायदे/सुख सुविधाएँ--धारा 17(2)(iii)

(टिप्पण नीचे देखिए) उदाहरणार्थ

(i) सवारी -

नियम 3(ग)

(ii) गैस, विद्युत उर्जा और जल—

नियम 3(घ)

(iii) बरेलू या वैयक्तिक सेवाएं

(iv) वैयक्तिक यात्रा

(v) कोई अन्य सर्वे  
(श्रीरे दीजिए)

(ग) निर्धारित की जाध्यताओं (जिनके अन्तर्गत बच्चों की शिक्षा, आयकर प्राप्ति भी हैं) की बाबत नियोजक द्वारा किए गए संदाय और जीवन बीमा या वापिकी के लिए नियोजक द्वारा संबंधित राशियाँ—द्वारा 17(2)(iv) और (v)

(क), (ख) और (ग) का योग

4. वेतन या मजदूरी के बदले या उसके प्रतिरिक्त लाभ और "वेतन" शीर्ष के अधीन प्रभार्य कोई अन्य आय (श्रीरे दीजिए)

5. मब 1 से 4 तक का योग

6 निम्नलिखित के बारे में बटौरियाँ—

(क) मानक कटौती : धारा 16(i)

(ख) सत्कार भत्ता : धारा 16(ii)

उप मब (क) और (ख) का योग

7. पृष्ठ 1 पर मब 1 में ले जाई गई "वेतन" शीर्ष के अधीन निर्धारणीय शुद्ध आय

टिप्पण : मब 3(ख) केवल इन कर्मचारियों द्वारा भरी जाएगी

-----निदेशक, कर्मचारी जो नियोजक कम्पनी में पर्याप्त रूप से हितबद्ध हैं और वे अन्य कर्मचारी जिनकी "वेतन" शीर्ष के अधीन आय (ऐसे कायदों/सुख सुविधाओं का छांड कर जो घन सम्बन्धी नहीं हैं) 18000 रु० से अधिक है।

उपबन्ध ख (टिप्पणी 5 देखिए)

सम्पत्ति से आय की संगणना

1. स्वामी के स्वयं अधिभोग के अधीन सम्पत्ति से शुद्ध प्रभार्य आय

2. अन्य सम्पत्ति से शुद्ध प्रभार्य आय

3. पृष्ठ 1 मब 3 में ले जाई गई कुल शुद्ध प्रभार्य आय

उपबन्ध ग. पूंजी अधिलाभ

(टिप्पण 6 देखिए)

अल्पकालिक पूंजी आस्तियों के सम्बन्ध में पूंजी अधिलाभ

घटाइए : वह रकम जिसके लिए धारा 53, 54 या 54 ख के अधीन छूट दी गई है—

पृष्ठ 2 पर मब 4 के भाग (क) में ले जाई गई शुद्ध रकम

अल्पकालिक पूंजी आस्तियों से भिन्न पूंजी आस्तियों से सम्बंधित पूंजी अधिलाभ

घटाइए : धारा 53, 54, 54 ख या 54 ड के अधीन दी गई छूट की रकम—

## अतिशेष

जोड़िए : वह रकम जो "पूँजी अभिलाष" शीर्ष के अधीन प्रभाय आय समझी जाने वाली रकम --धारा 84 क (2) पृष्ठ 2 पर मब 4 के भाग (ख) में ले जाई गई शुद्ध रकम।

उपाबन्ध 7 : कटौतियाँ (टिप्पण 7 देखिए)

विशिष्टियाँ	सकल रकम	घट्टेक रकम	कटौती की रकम
1. संदाय जिन पर धारा 80 ग के अधीन कटौती दी जा सकती है :			
(i) भविष्य निधि			
(ii) जीवन बीमा प्रीमियम			
(iii) भ्रम्य (कृपया विनिर्दिष्ट कीजिए)			
2. आय जिस पर धारा 80ड के अधीन कटौती दी जा सकती है			
(i) प्रतिभूतियों पर ब्याज			
(ii) बैंक ब्याज			
(iii) शेयरों पर लाभांश			
(iv) भ्रम्य (कृपया विनिर्दिष्ट कीजिए)			
3. संदान जिनको धारा 80 छ लागू होती है			
4. भ्रम्य कटौतियाँ यदि कोई हों (ब्योरे कीजिए)			
पृष्ठ 2 पर मब 9 में ले जाई गई कटौती की कुल रकम			

उपाबन्ध 8 धारा 133/139 के अधीन दी जाने वाली भ्रम्य विशिष्टियों का विवरण

1. किसी व्यक्ति की दशा में :
  - (i) लिखिए क्या वह भारत का नागरिक है
  - (ii) यदि वह किसी हिन्दू अभिषक्त कुटुम्ब का सदस्य है तो कुटुम्ब का नाम और पता लिखिए।
2. किसी हिन्दू अभिषक्त कुटुम्ब की दशा में : क्या कुटुम्ब में कम से कम एक ऐसा सदस्य है जिसकी निर्धारण वर्ष के लिए निर्धारणीय कुल आय उस अधिकतम रकम से अधिक हो जाती है जो आय कर के लिए प्रभाय नहीं है। यदि इस प्रश्न का उत्तर "नहीं" में हो तो कृपया हिन्दू अभिषक्त कुटुम्ब के सभी सदस्यों से इस आय की घोषणा संलग्न करें।
3. किसी फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय की दशा में : भागीदारों (जिनके प्रत्येक ऐसे अवयव भागीदार भी हैं जिनकी भागीदारी के फायदों में सम्मिलित किया गया है)/सदस्यों के नाम और पते उनके अपने शेयर और पारस्परिक भातेवारी, यदि कोई हो, दर्शित करने वाला विवरण संलग्न कीजिए।
4. किसी फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय के किसी भागीदार/सदस्य की दशा में फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय का नाम और पता, प्रत्येक भागीदार/सदस्य का नाम, पता और उनका अपना-अपना शेयर दर्शित करने वाला विवरण संलग्न कीजिए।
5. किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) के व्यासी या संरक्षक या उनके अधिकारियों की दशा में : ऐसे अन्य व्यक्तियों के नाम और पते दर्शित करने वाला विवरण संलग्न कीजिए।

टिप्पण : 1. निम्नलिखित विशिष्टियों और प्रतिभूतियों पर "ब्याज" शीर्ष के अधीन प्रभाय आय की संगणना इस विवरण के साथ संलग्न, किए जाने वाले विवरण में दी जाए, अर्थात् :

## साधारण विशिष्टियाँ

- (i) प्रतिभूतियों की विशिष्टियाँ
- (ii) संकित मूल्य

- (iii) वर्ष के दौरान देय या प्राप्त ब्याज का सकल रकम (संकारी प्रतिभूतियों, और डिबेंचरों तथा अन्य प्रतिभूतियों के संबंध में बैंक-अलग ब्यौरा दीजिए)
- (iv) खात पर कटौती किए गए कर का रकम
- (v) टिप्पणी- उदाहरणार्थ कर मुक्त प्रतिभूति की दशा में हम कानून में "कर मुक्त" शब्द लिखिए।

#### आय की संगणना

(संकारी प्रतिभूतियों और डिबेंचरों तथा अन्य प्रतिभूतियों के लिए अलग-अलग दी जाए)

- (i) देय या प्राप्त सकल रकम [साधारण विशिष्टियों की मद (iii) में]
- (ii) घटाएँ : (क) ब्याज की बसूली के लिए व्यवधारा 19(1) ;
- (ख) उधार लिए गए धन पर ब्याज धारा 19(ii); (ग) प्रतिभूतियों पर ब्याज की शुद्ध रकम जो पृष्ठ 1 पर मद 2 में ले जाई गई है और जो (i) में से (ii) का घटाकर निकलने वाली रकम है।

टिप्पण 2 : लाभांश आय के तथा "अन्य स्रोतों से आय" शेष के अधीन प्रभावी आय की संगणना की जायत निम्नलिखित विशिष्टियाँ विवरणों के साथ संलग्न किए जाने वाले एक पृथक विवरण में दी जाए, अर्थात् :-

#### लाभांशों का विवरण

- (i) कम्पनी का नाम
- (ii) शेयरों की संख्या
- (iii) लाभांशों की सकल रकम
- (iv) खात पर कटौती किया गया कर

#### आय की संगणना

[निम्नलिखित की जायत ब्यौरा दीजिए—(i) सकल आय (ii) दावाकृत व्यय और (iii) शुद्ध आय जो (i) से (ii) को घटाकर निकलने वाली रकम है]।

(क) लाभांश (ख) प्रतिभूतियों पर ब्याज या कारबार के स्रोतों के रूप में प्रभावी ब्याज से भिन्न ब्याज (ग) अन्य स्रोतों (i) फायदों या परिलब्धियों के मूल्य—धारा 2(24)(iv); (ii) न्यास के फायदाग्राही या न्यासी की दशा में फायदों या परिलब्धियों का मूल्य—धारा 2(24)(iv)(क); (iii) साटरी से बर्त पहेली से, बीड आदि से हुई जीत—धारा 56(2)(ख) (iv) सजीनरी, संयंत्र फर्नीचर या भवन को किराए पर दिए जाने से होने वाली आय—धारा 56(2)(ii) और (iii); (v) बाणिकी या उत्तका संभावित मूल्य—धारा 280 व (vi) धारा 59 के अधीन कर से प्रभावी लाभ; (घ) उक्त (क), (ख) और (ग) की वास्तव शुद्ध आय जो पृष्ठ 1 पर मद 5(क), 5(ख) और 5(ग) में ले जाई जाएगी।

टिप्पण 3 : शुद्ध कृषि आय की संगणना सुसंगत वित्त अधिनियम के नियमों के अनुसार निम्नलिखित रीति से की जाए, अर्थात् :—

(क) कृषि प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त भूमि से प्राप्त किराया या राजस्व, (ख) कृषक आदि द्वारा निवास गृह के रूप में अर्पित किसी भवन से आय, (ग) अन्य कृषि आय जो मद (घ) में निविष्ट आय के विक्रय से आय नहीं है, (घ) भारत में उगाई गई और विनिर्मित आय के विक्रय से आय का साठ प्रतिशत; (ङ) रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्तियों के संगम आदि से कृषि आय का अंश जिसकी संगणना (सुसंगत वित्त अधिनियम में दिए गए शुद्ध कृषि आय की संगणना के नियमों के अनुसार की गई है; (च) मद (क) से (ङ) तक का योग (सुसंगत वित्त अधिनियम में दिए गए शुद्ध कृषि आय की संगणना के नियमों के अनुसार हावियों के समायोजन के अधीन रहने हुए); (छ) घटाएँ : राज्य सरकार का पूर्व वर्ष की कृषि आय पर संदेय कृषि आय-कर (ज) शुद्ध कृषि आय जो (च) में से (छ) का घटाकर आने वाली रकम है।

टिप्पण 4 : घोषणा पर हस्ताक्षर करने से पूर्व हस्ताक्षरकर्ता को स्वयं अपना यह समाधान कर लेना चाहिए कि विवरणों तथा उससे संगत उदाहरण और विवरण सभी प्रकार से सही और पूर्ण हैं।

इस विवरणों में या इससे सम्बन्धित उदाहरणों या विवरणों में भिन्न बयान करने वाले व्यक्ति पर आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 277 के अधीन अभियोजन चलाया जा सकेगा और निम्नलिखित होने पर वह (i) ऐसे मामले में जहाँ वह कर जिसका अपवर्जन करने का प्रयास है, एक लाख रुपये से अधिक है वहाँ कठिन कारावास से जिसकी अवधि छह मास से कम नहीं होगी किन्तु सात वर्ष तक की हो सकती है, और जुमनि से बंदनीय होगा।

(ii) किसी अन्य मामले में कठिन कारावास से जिसकी अवधि तीन मास से कम नहीं होगी किन्तु तीन वर्ष तक की हो सकती है, और जुमनि से बंदनीय होगा।

टिप्पण 5 : प्रत्येक गृह सम्पत्ति के लिए "गृह संपत्ति से आय" शीर्ष के अधीन प्रभाष्य निम्नलिखित विशिष्टियों/आय की संगणना इस विवरणी से संलग्न विवरण में दी जाए, अर्थात् --

### I. सम्पत्ति जो स्वामी के स्वयं अधिभोग में है

#### साधारण विशिष्टियाँ

(क) सम्पत्ति की अवस्थिति, (ख) वार्षिक नगरपालिक मूल्यांकन

#### आय की संगणना

(क) वह रकम जिस पर सम्पत्ति के वर्षानुवर्ष किराए पर दिए जाने की युक्तियुक्त रूप से प्रत्याशा की जा सकती है -- धारा 23(1); (ख) नगरपालिक कर--धारा 23(1) का प्रथम परन्तुक; (ग) अतिशेष जो (क) में से (ख) को घटा कर निकलने वाली रकम है; (घ) यदि सम्पत्ति सह-स्वामियों के स्वामित्व-गीत है, तो (ग) में ऐसे सह स्वामियों का अंश; (ङ) अतिशेष जो (ग) में से (ख) को घटाकर निकलने वाली रकम है; (च) यदि (ङ) रकम से अतिशेष रकम का आधा या 1800 रु० जो भी कम हो उसकी कटौती की जाए; (छ) यदि (ङ) में से (च) को घटाकर निकलने वाली रकम जो स्वामी के स्वयं अधिभोग की सम्पत्ति से संबंधित आय की रकम को छोड़कर सकल कुल आय की वस प्रतिशत तक सीमित होगी--धारा 23(2) का परन्तुक; (ज) ऐसी सम्पत्ति के लिए जो न किराए पर दी गई है और न अधिभोग में रखी गई है, कटौती की जाए (जहाँ निर्धारित के स्वामित्व में केवल एक निवास गृह है, वहाँ लागू होगा)--धारा 23(3); (झ) उस सम्पत्ति का जो स्वामी के स्वयं अधिभोग में है, वार्षिक मूल्य; (ञ) कटौतियाँ: (i) मरम्मत--वार्षिक मूल्य का षष्ठश--धारा 24(1)(i); (ii) बीमा--धारा 24(1)(ii), (iii), बन्धक पर ब्याज या पूँजी प्रभार-धारा 24(1), (iii) (निर्धारण वर्ष 1968-69 तक); (iv) वार्षिक प्रभार--धारा 24(1)(iv); (v) भूमि किराया--धारा 24(1)(v); (vi) उधार ली गई पूँजी पर ब्याज--धारा 24(1)(vi); (vii) भू राजस्व आदि--धारा 24(1)(vii); (viii) पूर्वतर वर्षों के लिए बसूल न किया जा सकने वाला किराया--धारा 24(1)(x); (ट) कुल कटौतियाँ, (ठ) स्वामी के स्वयं अधिभोग वाली सम्पत्ति से शुद्ध प्रभाष्य आय जो (झ) में से (ट) को घटाकर निकलने वाली रकम है।

### II. अन्य सम्पत्ति से आय (किराए पर दी गई सम्पत्ति)

#### (साधारण विशिष्टियाँ)

(क) सम्पत्ति की अवस्थिति, (ख) वार्षिक नगरपालिक मूल्यांकन

#### आय की संगणना

(क) वह राशि जिस पर संपत्ति के वर्षानुवर्ष किराये पर दिये जाने की युक्तियुक्त रूप से प्रत्याशा की जा सकती है या जहाँ संपत्ति किराये पर दी जाती है और उसकी बाबत प्राप्त किया गया या प्राप्य वार्षिक किराया उक्त राशि से अधिक है-- धारा 23(1); (ख) कटौतियाँ: (i) नगरपालिक करों की वह रकम जो स्वामी द्वारा वहन की जाती है--धारा 23(1) का प्रथम परन्तुक; (ii) नई निर्मित संपत्ति के लिये मोक--धारा 23(1) का द्वितीय परन्तुक; (ग) वार्षिक मूल्य जो (क) में से (ख) को घटाकर निकलने वाली रकम है; (घ) कटौतियाँ: (i) मरम्मत--वार्षिक मूल्य का षष्ठश--धारा 24(1)(i); (ii) बीमा--धारा 24(1)(ii); (iii) बन्धक पर ब्याज या पूँजी प्रभार--धारा 24(1)(iii); निर्धारण वर्ष 1968-69 तक (iv) वार्षिक प्रभार धारा 24(1)(iv); (v) भूमि किराया--धारा 24(1)(v); (vi) उधार ली गई पूँजी पर ब्याज--धारा 24(1)(v)(vi); (vii) भू-राजस्व आदि--धारा 24(1)(vii); (viii) किराया संगृहीत करने का प्रभार जो उक्त (ग) में दक्षित वार्षिक मूल्य के 6 प्रतिशत तक सीमित होगा, धारा 24(1)(viii); (ix) रिक्त रहना--धारा 24(1)(ix); (x) बसूल न किया जा सकने वाला किराया--धारा 24(1)(x); (ङ) उक्त (घ) में की गई कटौतियों का योग; (च) अन्य संपत्ति से शुद्ध प्रभाष्य आय जो (ग) में से (ङ) को घटा कर निकलने वाली रकम है।

### टिप्पण 6--पूँजी अभिलाष

#### साधारण विशिष्टियाँ

पूँजी आस्तियों के ऐसे अन्तरण से जिसके परिणामस्वरूप पूँजी अभिलाष होता है, उद्भूत होने वाली "पूँजी अभिलाष" शीर्ष के अधीन प्रभाष्य आय के संबंध में निम्नलिखित विशिष्टियाँ प्रत्येक आस्ति की बाबत दी जाये:

(क) आस्ति का वर्णन : स्वावर संपत्ति की दशा में उसकी अवस्थिति, (ख) अर्जन की तारीख (ग) अन्तरण की तारीख (घ) अन्तरिती का नाम और पता यदि निर्धारित के साथ उसकी कोई मातेदारी या संबंध है तो वह बताए।

#### पूँजी अभिलाषों की संगणना

(क) अन्तरण के प्रतिफल का पूरा मूल्य (ख) कटौतियाँ: (i) तारीख 1 जनवरी, 1964 को आस्ति के अर्जन की लागत या उसका बाजार मूल्य--धारा 49, 50 और 51; (ii) पूँजी आस्ति के सुधार की लागत--धारा 55(i)(ख); (iii) अन्तरण के संबंध में व्यय धारा 48(i); (ग) यदि (ख) में कटौतियों का योग; (घ) पूँजी अभिलाषों की रकम(क-ग)।

यदि निर्धारित ने धारा 53, 54, 54ख या 54ङ के अधीन पूँजी अभिलाषों की किसी छूट का दावा किया है तो एक विवरण संलग्न की जाए जिसमें छूट के लिये सुसंगत धारा में विनिर्दिष्ट शर्तों को पूरा किये जाने की विशिष्टियाँ दी गई हो।

टिप्पण 7 : यदि निर्धारित की कर मुक्त प्रतिभूतियों पर ब्याज के रूप में कोई आय है या अन्य कोई ऐसी आय है जिस पर कर का रिबेट अनुज्ञेय है अथवा उसकी ऐसी आय है जो उसे कुल आय में सम्मिलित की गई है जिस पर धारा 90 या 91 के अधीन दोहरे कराधान से राहत का दावा किया गया है तो उसका ब्यौरा एक अलग विवरण में दी जाए।

टिप्पण 8 : जहाँ निर्धारण वर्ष के लिये अनिवार्य निक्षेप स्कीम (आय-करदान) अधिनियम, 1974 के अधीन निक्षेप किये गये हैं वहाँ निक्षेप कार्यालय द्वारा दी गई रसीद विवरणी के साथ भेजी जानी चाहिये।

प्रारूप सं० 3-क	आय की विवरणी	आयकर कार्यालय में उपयोग के लिये
आय-कर अधिनियम, 1961 नियम 12(1)(क)	धारा II के अधीन छूट का दावा करने वाले निर्धारितियों, जिनके अन्तर्गत कम्पनियाँ भी हैं, के लिए	
स्पष्ट अक्षरों में नाम	निर्धारण वर्ष	
कार्यालय का पता	टेलीफोन	को समाप्त होने वाला (वाले) पूर्व वर्ष
निवास स्थान का पता	टेलीफोन	स्थायी लेखा संख्यांक
लिखिए क्या* व्यक्ति/कंपनी/फर्म/व्यक्तियों का संगम/व्यक्तियों का निकाय या कृत्रिम विधिक व्यक्ति है	लिखिए क्या *निवासी है।	
	निवासी है किन्तु मामूली तौर पर निवासी है	
	अनिवासी है	
यदि यह पुनरीक्षित विवरणी है तो कृपया पूर्व विवरणी के फाइल करने की तारीख लिखिए	क्या आयुक्त के यहाँ रजिस्ट्रीकृत है धारा 12क(क)	
क्या यह संपरीक्षा रिपोर्ट मंजूर है जिसका उल्लेख धारा 12क(ख) में है। *हां/नहीं	*हां / नहीं	

#### भाग-I : कुल आय और गृह कुपि आय का विवरण

आय का शीर्ष	आय/हानि (र०) (यदि कुछ नहीं हो तो "कुछ नहीं लिखिए")
1. प्रतिभूतियों पर व्याज (टिप्पण 1 देखिए)	
2. गृह सम्पत्ति से आय (टिप्पण 2 देखिए)	
3. कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ (सट्टे के कारबार से आय/हानि (क), (ख), (ग) और (घ) के सामने अलग-अलग लिखी जाए)	(क) रजिस्ट्रीकृत फर्म के लाभों में अंश-उपाबंध क (ख) अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यक्तियों के निकाय के लाभों में अंश-उपाबंध क (ग) बन्ध कर दिये गये कारबार या वृत्ति की वास्तव प्राप्त रकम — धारा 176 (घ) मद (क), (ख) और (ग) को छोड़कर कारबार या वृत्ति (टिप्पण 3 देखिए)
4. पूंजी अभिलाभ (उपाबंध ख)	(क) अल्पकालिक पूंजी अस्तियों के सम्बन्ध में (ख) अन्य पूंजी अस्तियों के संबंध में (i) भूमि या भवन या उनमें कोई अधिकार (ii) अन्य अस्तियाँ
5. अन्य स्रोतों से आय (टिप्पण 4 देखिए)	(क) लाभांश (ख) व्याज (ग) स्वीच्छक अभिदाय (घ) अन्य मदें
6. मद 1 से 5 तक का योग	
7. इनकी कटौती कीजिए	(क) धारा 32(2), 35(4), 72 से 79 तक के अधीन पूर्व वर्षों से अग्रणीत अनामेलित हानियाँ/मोफ— (ख) धारा 32क(3)/33(2)/33क(2) के अधीन विनिधान मोफ/विकास रिबेट/विकास मोफ

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

## 8 प्रतिशेष

## 9. \*निम्नलिखित की कटौती कीजिए

- (i) पूर्व वर्ष के दौरान भारत में पूर्व या धार्मिक प्रयोजनों के लिये प्रयुक्त रकम (टिप्पण 5 और 6 देखिए)
- (ii) पूर्व वर्ष के दौरान भारत में पूर्व या धार्मिक प्रयोजनों के लिये प्रयुक्त की गई समझी गई रकम [धारा 11(1) के स्पष्टीकरण का खण्ड 2 (टिप्पण 5 और 6 देखिए)]
- (iii) रकम, जो उस सीमा तक जहां तक वह \*पूर्णतः /केवल भारत पूर्व या धार्मिक प्रयोजनों के लिये न्यास के अधीन धारित सम्पत्ति से व्युत्पन्न आय के 25 प्रतिशत से अधिक न हो, ऐसे प्रयोजनों के लिये प्रयुक्त किये जाने के लिये संचित की गई है या अलग रखी गई है । अन्तिम रूप से अलग रखी गई है ।
- (iv) धारा II (1) (ग) के अधीन छूट योग्य रकम (व्योरा दीजिए)
- (v) यदि धारा II (2) की सभी शर्तें पूरी कर दी गई हैं तो, ऊपर (iii) में निर्दिष्ट रकम के अतिरिक्त, विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिये संचित की गई या अलग रखी गई रकम, (टिप्पण 7 देखिए)
- (vi) मद (1) से (5) तक का योग  
(टिप्पण 8 देखिए)

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।

## 10. प्रतिशेष

## 11. जोड़िए :

- (i) धारा 11(1)(ख) के अधीन प्रभाय आय
- (ii) धारा 11(3) के अधीन प्रभाय आय
- (iii) आय जिसकी बाबत धारा 13 के उपबन्धों के कारण धारा 11 के अधीन छूट उपलब्ध नहीं है ।  
(उपाबन्ध ग)

## 12. सकल कुल आय (10+11)

## 13. घटाइए : अनुशेष कटौतियां (उपाबन्ध घ)

14. कुल आय (वस राय के निकटतम गुणज तक पूर्णांकित—धारा 288क)  
(क) अंकों में  
(ख) शब्दों में

## 15. शुद्ध कुल आय (टिप्पण 9 देखिए)

## भाग-II : करों का विवरण

## कुल आय पर कर

(कुल आय पर संश्लेष कर की संगणना दर्शित करने वाला विवरण संलग्न कीजिए) ।

## निर्धारण पूर्व कर

क. स्त्रोत पर काटा गया कर (प्रमाण-पत्र संलग्न करिए)

1. प्रतिभूतियों पर ब्याज
2. अन्य ब्याज
3. लाभांश
4. कोई अन्य आय (कृपया विनिर्दिष्ट कीजिए)

योग रु०

ख. अग्रिम कर

(वास्तव संलग्न कीजिए)

संदाय की तारीख

रकम

.....

.....

.....

.....

.....

योग रु० .....

ग. स्वतः निर्धारण पर कर

(वास्तव संलग्न करिए)

संदाय की तारीख

रकम

.....

रु० .....

क, ख और ग का योग

भाग-III--उस आय की विशिष्टता जिसकी बाबत यह दावा किया गया है कि उसे कर से छूट प्राप्त है और जो भाग 1 में सम्मिलित नहीं की गई है।

विशिष्टताएं	रकम	किन कारणों से उस पर कर नहीं लगाया जा सकता
-------------	-----	---

भाग-IV: आय की विवरणी देने में अथवा अग्रिम कर के संदाय या अनिवार्य निक्षेप करने में व्यतिक्रम के संबंध में विवरण

1. यदि कानून द्वारा नियत समय सीमा के भीतर आय की विवरणी देने में विलम्ब हुआ है तो कृपया \*हां/ नहीं यह बताएं कि क्या प्रारूप सं० 6 में आवेदन फाइल कर दिया गया है।
2. यदि हां तो कृपया आवेदन की तारीख और रसीद संख्यांक लिखिए।
3. यदि आय की विवरणी देने में या अग्रिम कर के संदाय या अनिवार्य निक्षेप करने में व्यतिक्रम हुआ है तो उसके कारण एक अलग विवरण में बताएं जैसे कि विवरणी के साथ लगाया जाए

सत्यापन (टिप्पण 10 देखिए)

मैं.....स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम जो.....का पुत्र/की पुत्री/पत्नी हूं, सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूं/करती हूं कि इस विवरणी और इसमें संलग्न उपबन्धों और विवरणों में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और उसमें दणित कुल आय की रकम और अन्य विशिष्टताओं का उल्लेख सही-सही किया गया है और ये निर्धारण वर्ष 19.....से सुसंगत पूर्व वर्ष(वर्षों) के संबंध में है।

मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता हूं/करती हूं कि उक्त पूर्व वर्ष(वर्षों) के दौरान:

- (क) मुझे मेरे नाम में धारित किसी प्राप्ति से कोई अन्य आय न तो प्रोव्हीन हुई, न उद्भूत हुई और न प्राप्त हुई है,
- (ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत मुझ पर आय-कर अधिनियम, 1961 के अधीन कर प्रभावी है।
- \*मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूं कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान:
- (क) उस (वर्षों के दौरान) व्यक्ति को जिसकी ओर से यह विवरणी दी जा रही है, उस व्यक्ति के जिसके लिये और जिसकी ओर से यह विवरणी दी जा रही है, नाम में या\* किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी प्राप्ति से कोई अन्य आय न तो प्रोव्हीन हुई है, न उद्भूत हुई है और न प्राप्त हुई है।

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

- (ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत उस व्यक्ति पर जिसके लिये और जिसकी ओर से यह विवरणी दी जा रही है, आय-कर अधिनियम, 1961 के अधीन कर प्रभावी है।

मैं यह भी घोषणा करता/करती हूं कि ..... (पदनाम) की हैमियत में कम्पनी की ओर से विवरणी तैयार करने और इसको सत्यापित करने के लिये सक्षम हूं

तारीख .....

स्थान .....

हस्ताक्षर

उपाबन्ध क--कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिसार

कर्म या व्यक्तियों के संगम या व्यष्टियों के निकाय से अंश

- (क) रजिस्ट्रीकृत फर्म (सट्टे से निम्न) कारबार और वृत्ति सट्टे का कारबार
1. लाभ/हानि में अंश की रकम
  2. दावे किये गये व्यय की (ब्यौरा दीजिए) कटौती कीजिए (यदि उक्त अंश, हानि है तो जोड़िए)
  3. पृष्ठ 1 पर मब 3(क) में ले जाया गया शुद्ध लाभ/हानि

(ख) अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय

1. लाभ/हानि में अंश की रकम
2. दावे किये गये व्यय की (ब्यौरा दीजिए) कटौती कीजिए (यदि उक्त अंश, हानि है तो जोड़िए)
3. पृष्ठ 1 पर मब 3(ख) में ले जाया गया शुद्ध लाभ/हानि

## उपाध्याय छ : पूंजी अभिलेख (टिप्पण II देखिए)

अल्पकालिक पूंजी आस्तियों से भिन्न पूंजी आस्तियों के सम्बन्ध में पूंजी अभिलेख .....  
इसमें से घटाएँ : वह रकम जिसके लिये धारा 53, 54, 54ख या 54 घ के अधीन छूट दी गई है .....

मद 4 के भाग (क) में ले जाई गई शुद्ध रकम

अल्पकालिक पूंजी आस्तियों से भिन्न पूंजी आस्तियों के सम्बन्ध में पूंजी अभिलेख .....  
इसमें से घटाएँ : वह रकम जिसके लिये धारा 53, 54, 54ख या 54 घ या 54ङ के अधीन छूट दी गई है .....

मद 4 के भाग (ख) में ले जाई गई शुद्ध रकम

## उपाध्याय ग

भाग-I--न्याय या संस्था की सभी निधियों के विनिधान के पूर्व वर्ष(वर्षों) के अन्तिम दिन की स्थिति दर्शित करने वाला विवरण ।

उप-भाग क--ऐसे समुत्थान में जिसमें धारा 13(3) में निविष्ट व्यक्ति मारवान हिन रखत है, पूर्व वर्ष(वर्षों) के दौरान किसी समय धारित विनिधान

क्रम सं०	समुत्थान का नाम और पता	जहाँ समुत्थान कोई कम्पनी है वहाँ धारित शेयरों की संख्या और उसका वर्ष	जहाँ समुत्थान कोई कम्पनी है वहाँ विनिधान का अभिहित विनिधान से प्राय मुख्य	क्या कालम (4) में दर्शात रकम पूर्व वर्ष के दौरान समुत्थान की पूंजी के 5 प्रतिशत से अधिक है, हाँ या नहीं लिखिए ।
----------	------------------------	--	---	---

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

योग :

## उप-भाग ख--पूर्व वर्ष (वर्षों) के अन्तिम दिन अन्य विनिधान

क्रम सं०	समुत्थान का नाम और पता	जहाँ समुत्थान कोई कम्पनी है वहाँ धारित शेयरों का वर्ष	विनिधान की सं० और उसका अभिहित मुख्य
----------	------------------------	---	-------------------------------------

योग :

भाग-II--प्राय जिसकी बाबत धारा 13 के उपबन्धों के कारण धारा 11 के अधीन छूट उपलब्ध नहीं है ।

प्र० 1-- क्या इस मामले की धारा 13(2) के निम्नलिखित उपबन्धों में से कोई उपबन्ध लागू होता है --

खण्ड (क)	.....	*हाँ/नहीं
खण्ड (ख)	.....	*हाँ/नहीं
खण्ड (ग)	.....	*हाँ/नहीं
खण्ड (घ)	.....	*हाँ/नहीं
खण्ड (ङ)	.....	*हाँ/नहीं
खण्ड (च)	.....	*हाँ/नहीं
खण्ड (छ)	.....	*हाँ/नहीं

प्र० 2--यदि हम उपाध्याय क भाग 1 के उप भाग क में कोई प्रविष्टि या प्रविष्टियाँ हैं तो क्या इन प्रविष्टियों में से किसी प्रविष्टि के सामने कालम (6) में उत्तर सकारात्मक है . . . . . \*हाँ/नहीं

प्राय की रकम जिसकी बाबत धारा 11 के अधीन छूट समपहत हो गई है ।

क्र० .....

†दृष्टा : I--यदि प्रश्न 1 या प्रश्न 2 की किसी मद या दोनों के सामने उत्तर "हाँ" है तो यहाँ गुण्ड 3 पर मद 8 में की संपूर्ण रकम लिखिए (नीचे टिप्पण देखिए)

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।

दशा II—यदि प्रश्न 1 की सभी मदों के सामने और प्रश्न 2 के भी सामने उत्तर “नहीं” है, और इस उपाबन्ध के भाग 1 के उप-भाग क में कोई प्रविष्टि है तो यहाँ इस उपाबन्ध के भाग 1 के उप-भाग क के कालम (6) में दी हुई रकमों का योग लिखिए। (नीचे टिप्पण देखिए)।

दशा III—यदि प्रश्न 1 और प्रश्न 2 की सभी मदों के सामने उत्तर “नहीं” है और इस उपाबन्ध के भाग 1 के उप-भाग क में कोई प्रविष्टि नहीं है तो यहाँ “कुछ नहीं” लिखिए।

टिप्पण—यथास्थिति, दशा I या दशा II में जो रकम लिखी जाये वह पृष्ठ 2 पर मद 9(i), (ii) और (iii) के सामने कटौती के रूप में दावा की गई रकमों के योग से अधिक नहीं होनी चाहिये।

उपाबन्ध घ : कटौतियाँ (टिप्पण 12 देखिए)

विशिष्टियाँ	सकल रकम	अर्हक रकम	कटौती की रकम
1. निम्नलिखित से संबंधित दीर्घकालिक पूँजी अभिलाष— (i) भूमि या भवन या उसमें कोई अधिकारी (ii) अन्य आस्तियाँ—धारा 80 न			
2. अन्य कटौतियाँ, यदि कोई हों (ब्यौरा दीजिए)			
पृष्ठ 3 पर मद 13 में ले जाई गई कटौती की कुल रकम			

उपाबन्ध ङ : न्यास या संस्था के निर्माता

(निर्माताओं)/संप्रवर्तक(संप्रवर्तकों)/न्यासी  
(न्यासियों)/प्रबन्धक(प्रबन्धकों), आदि के संबंध  
में विशिष्टियों का विवरण

यदि निर्माता/संप्रवर्तक जीवित है/हैं तो उसका/उनका नाम और पता .....  
वह तारीख जब न्यास का सृजन किया गया था या संस्था की स्थापना की गई थी .....  
उस व्यक्ति का (उन व्यक्तियों के) नाम जो पूर्व वर्ष(वर्षों) के दौरान न्यासी/प्रबन्धक था/वे .....  
उस व्यक्ति का (उन व्यक्तियों का) नाम जिन्होंने न्यास/संस्था को पर्याप्त अभिदाय किया है .....  
निर्माता(निर्माताओं), संप्रवर्तक(संप्रवर्तकों), न्यासी (न्यासियों), प्रबन्धक (प्रबन्धकों) और सारवान अभिदायियों  
के नातेदार (नातेदारों) का(के) नाम तथा जहाँ ऐसा कोई निर्माता, संप्रवर्तक, न्यासी, प्रबन्धक  
या सारवान अभिदायी हिन्दू अभिभक्त कुटुम्ब है, वहाँ कुटुम्ब के सदस्यों और उनके नातेदारों के  
भी नाम .....

उपाबन्ध च—धारा 133/139 के अधीन दी जाने वाली विशिष्टियों का विवरण

1. किसी फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय के भागीदार/सदस्य की दशा में फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय का नाम और पता और ऐसे प्रत्येक भागीदार/सदस्य का नाम, पता और उनके अपने-अपने अंश बंशित करने वाला विवरण संलग्न कीजिए।

2. किसी अन्य व्यक्ति के न्यासी, संरक्षक या अभिकर्ता की दशा में ऐसे अन्य व्यक्तियों के नाम और पते दक्षित करने वाला विवरण संलग्न कीजिए।

3. यदि निर्धारित ने पूर्व वर्ष के दौरान किराया, कमीशन, स्वामित्व या बचाली या बाधिका का (जो “वैतन” शीर्ष के अधीन निर्धारणीय बाधिका नहीं है) जो एक हजार रुपये से अधिक है संदाय किया है तो पाने वालों के नाम और पते तथा सदस्य रकमों बंशित करने वाले (संदाय की प्रकृति के अनुसार) अलग-अलग विवरण संलग्न कीजिए। यदि पाने वाला अनिवारी है तो यह बताइए कि क्या कर की ओर पर कटौती कर ली गई है और वह केन्द्रीय सरकार के जमा खाते में संदल कर दिया गया है।

टिप्पण 1—निम्नलिखित विशिष्टियाँ और “प्रतिभूतियों पर न्याज” शीर्ष के अधीन प्रभाषे आय की संगणना इस विवरणी से संलग्न विवरण में दी जाये, अर्थात् :—

साधारण विशिष्टियाँ

(i) प्रतिभूतियों की विशिष्टियाँ (ii) अंकित मूल्य, (iii) वर्ष के दौरान देय या प्राप्त न्याज की सकल रकम (सरकारी प्रतिभूतियों और डिबेंचरों तथा अन्य प्रतिभूतियों के संबंध में अलग-अलग ब्यौरा दीजिए), (iv) ओर पर कटौती किये गये कर की रकम, (v) टिप्पणी उदाहरणार्थ कर मुक्त प्रतिभूति की दशा में इस कालम में “कर मुक्त” शब्द लिखिए।

आय की संगणना

(सरकारी प्रतिभूतियों और डिबेंचरों तथा अन्य प्रतिभूतियों के लिए अलग-अलग दी जाए)

(i) देय या प्राप्त सकल रकम [साधारण विशिष्टियों की मद (iii) से],

- (ii) ऋणः (क) ब्याज की वसूली के लिए व्यय—धारा 19(i)/20 और  
(ख) उधार ली गई धनराशियों पर ब्याज धारा 19(ii)/20;  
(iii) प्रतिभूतियों पर ब्याज की शुद्ध रकम जो पृष्ठ 1 पर मद 1 में ले जाई गई है और जो (i) में से (ii) को घटाकर निकलने वाली रकम है।
- टिप्पण 2. प्रत्येक गृह सम्पत्ति के लिए निम्नलिखित विशिष्टियाँ/“गृह सम्पत्ति से भाय” शीर्ष के अधीन प्रभाय आय की संगणना इस विवरणी से संलग्न विवरण में दी जाए, अर्थात्—

**सम्पत्ति से भाय (किराये पर दी गई सम्पत्ति)  
(साधारण विशिष्टियाँ)**

- (क) सम्पत्ति की अवस्थिति, (ख) वार्षिक नगरपालिक मूल्यांकन

**भाय की संगणना**

(क) वह राशि जिस पर सम्पत्ति के वर्षानुवर्ष किराए पर दिए जाने की युक्तियुक्त रूप से प्रत्याशा की जा सकती है या जहाँ सम्पत्ति किराए पर दी जाती है और उसकी बाबत प्राप्त किया गया या प्राप्य वार्षिक किराया उक्त राशि से अधिक है—धारा 23(i),

(ख) कटौतियाँ: (i) नगरपालिक करों की वृत् रकम जो स्वामी द्वारा वहन की जाती है—धारा 23(i) का प्रथम परन्तुक, (ii) नई निर्मित सम्पत्ति के लिए भोग—धारा 23(i) का द्वितीय परन्तुक,

(ग) वार्षिक मूल्य जो (क) में (ख) को घटाकर निकलने वाली रकम है

(घ) कटौतियाँ: (i) मरम्मत—वार्षिक मूल्य का घटाव—धारा 24(1)(i), (ii) बीमा—धारा 24(1)(ii), (iii) वार्षिक प्रभार—धारा 24(1)(iv); (iv) भूमि किराया—धारा 24(1)(v) (v), उधार लिए गए धन पर ब्याज—धारा 24(1)(vi), (vi) भूराजस्व आदि—धारा 24(1)(vii), (vii) किराया समूहीन करने का प्रभार जो उक्त (ग) में वर्णित वार्षिक मूल्य के 6 प्रतिशत तक सीमित होगा—धारा 24(1)(viii), (viii) रिक्त रहना—धारा 24(1)(ix), (ix) वसूल न किया जा सकने वाला किराया—धारा 24(1)(x) और नियम 4(ड) उक्त (घ) में की गई कटौतियों का योग,

(च) अन्य सम्पत्ति से शुद्ध प्रभाय आय जो (क) में से (ङ) को घटाकर निकलने वाली रकम है।

टिप्पण 3. “कारबार या वृत्ति से लाभ और प्रभिलाम” शीर्ष के अधीन प्रभाय आय के सम्बन्ध में निम्नलिखित विशिष्टियाँ आय की विवरणी से संलग्न किए जाने वाले विवरण में दी जाए, अर्थात्—

**साधारण विशिष्टियाँ**

भाग 1—कारबार या वृत्ति (फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय में अंश से भिन्न)

(i) वह नाम, जिस नाम से कारबार या वृत्ति चलाई जा रही है, (ii) कारबार या वृत्ति के मुख्य स्थान का पता, (iii) शाखाओं के नाम और पते, (iv) कारबार या वृत्ति की प्रकृति, (v) लेखा रखने का तरीका, यह बताए कि क्या वह \*वाणिज्यिक/नकद/मिश्रित है, (vi) स्टॉक मूल्यांकन का तरीका, (vii) यदि नियमित लेखा-बहियाँ रखी जाती हैं तो निम्नलिखित की प्रतियाँ संलग्न कीजिए—

(क) विनिर्माण लेखा, व्यापार लेखा, लाभ और हानि लेखा या भाय और व्यय लेखा अथवा ऐसा ही कोई अन्य लेखा और तुलनपत्र, यदि लेखाओं की संपरीक्षा की गई है तो संपरीक्षित लेखाओं की प्रतियाँ लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की प्रति के साथ लगाई जाए, यदि कम्पनी के लागत लेखा की संपरीक्षा कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 233-ख के अधीन की गई है तो लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की एक प्रति और निदेशक के वैयक्तिक लेखाओं की प्रतियाँ भी संलग्न की जाए,

(ख) (i) सापेक्षिक कारबार या वृत्ति की वंश में स्वत्वधारी का वैयक्तिक लेखा, (ii) फर्म, व्यक्तियों के संगम या व्यष्टियों के निकाय की दशा में, भागीदारों या सदस्यों के वैयक्तिक लेखा, (iii) किसी फर्म, व्यक्तियों के संगम या व्यष्टियों के निकाय के भागीदार या सदस्य की दशा में, फर्म, व्यक्तियों के संगम या व्यष्टियों के निकाय में उसका वैयक्तिक लेखा,

(viii) यदि नियमित लेखा बहियाँ नहीं रखी जाती हैं तो एक विवरण संलग्न कीजिए जिसमें कारबार या वृत्ति के आवर्त या सकल प्राप्तियों, सकल लाभ, व्यय और शुद्ध लाभ की रकमें तथा वे आधार जिन पर इन रकमों की संगणना की गई है, उपरक्षित हों और जिसमें पूर्व वर्ष के अन्त होने के समय कुल अन्त्यान्व श्रेणियों, अन्त्यान्व लेनदारों की रकमों, व्यापार स्टॉक और नकद अतिशेष की स्थिति बताई गई हो।

(ix) सविधा कार्य में लगे हुए निर्धारितियों द्वारा दी जाने वाली अतिरिक्त जानकारी—

(क) यदि उस व्यक्ति द्वारा, जिसके साथ संबन्ध की गई थी, प्रदाय की गई सामग्रियों का मूल्य या उसके द्वारा (किण गए कार्य के लिए देय सहाय में से) प्रतिधारित प्रतिभूति निक्षेप को दिखाई गई सकल प्राप्तियों में सम्मिलित नहीं किया गया है तो यहाँ उसकी रकम बताए।

सामग्रियों का मूल्य ..... प्रतिभूति निक्षेप .....

(ख) क्या धारा 285-क के अधीन सम्बन्धित आयकर अधिकारी को भवन निर्माण या प्रदाय की सविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी दे दी गई है। \*हाँ/नहीं

(x) चलचित्र फिल्मों के निर्माताओं द्वारा दी जाने वाली अतिरिक्त जानकारी—क्या धारा 285-ख के अधीन सम्बन्धित आयकर अधिकारी को चलचित्र फिल्मों के निर्माण में लगाए गए व्यक्तियों को किए गए संदायों का विवरण दे दिया गया है। \*हाँ/नहीं

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

(2) पूर्व वर्ष के लिए कारबार या वृत्ति से निर्धारणीय लाभ/हानि की संगणना :

1. किसी फर्म/व्यक्तियों के संगम/व्यष्टियों के निकाय के लाभों में अंशों को छोड़कर, लाभ और हानि लेखों के अनुसार लाभ या हानि, जोड़िए (यदि उक्त अंक हानि का होता है तो कटौती कीजिए) ।
  2. निम्नलिखित के सम्बन्ध में लाभ और हानि लेखों के नाम में डाली गई रकमें—(क) पूर्वतर वर्षों की हानियाँ, (ख) आयकर, अतिकर यास्ति आदि, (ग) वैयक्तिक व्यय जिसके अन्तर्गत पूर्व या उपहार भी हैं, (घ) पूँजी व्यय, (ङ) व्यय, मोक और संदाय जिनकी कटौती धारा 40(क), 40-क(5) या (6) के अधीन नहीं की जा सकती है (ब्योरे दीजिए), (च) व्यय दर और भत्ते जिनकी कटौती धारा 40(ग) के अधीन नहीं की जा सकती है, (छ) धारा 40-क(2) के अधीन अनुज्ञेय व्यय, (ज) हम विवरणी में अन्यत्र कटौती के रूप में दावा किया गया व्यय, (झ) अवशयण—जिस पर अलग से विचार किया गया है, (ञ) विनिधान मोक, विकास रिबेट और विकास मोक—जिस पर अलग से विचार किया गया है (प्ररूप सं० 5 और 5-क संलग्न कीजिए), (ट) ब्युक्स गणनों के लिए प्रारम्भिक या व्यवस्था, (ठ) किसी प्रारम्भिक या किसी निधि में जमा कर लिया गया व्याज;
  3. लाभ-हानि लेखा आदि के नामे डाले गए अन्य व्यय आदि—उन परिणाम तक जहाँ तक वे अनुज्ञेय नहीं हैं :  
(क) ऐसी आस्तियों का जिनका उपयोग पूर्णतः कारबार के लिए नहीं किया जाता है, किराया, रेंट, कर, मरम्मत और बीमा प्रीमियम—धारा 30/31; (ख) आस्तियों के विवरण पर हानि—धारा 32(i)(iii) (ब्योरे दीजिए); (ग) पुनर्वास मोक—धारा 33-ख (ब्योरे दीजिए); (घ) वैज्ञानिक अनुसंधान पर व्यय या वैज्ञानिक अनुसंधान संगमो को दी गई राशियाँ आदि—धारा 35 (ब्योरे दीजिए); (ङ) पेटेंट अधिकारों या प्रतिलिप्याधिकारों पर व्यय—धारा 35-क; (च) ग्राम विकास मोक—धारा 35-गग; (छ) ग्राम विकास कार्यक्रमों को चलाने के लिए या ऐसे कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने के लिए व्यक्तियों के प्रशिक्षण के लिए संगमों और संस्थाओं को सहायों के रूप में व्यय—धारा 35-गगक; (ज) प्रारम्भिक व्यय—धारा 35-घ (प्ररूप संख्यांक 3-ख संलग्न कीजिए); (झ) खनिजों के प्रशिक्षण और विकास के लिए व्यय—धारा 35(ङ) (प्ररूप सं० 3-ख संलग्न कीजिए), (ब्योरे दीजिए); (ञ) बोनस का अनुज्ञेय परिमाण तक संदाय—धारा 36(i)(ii), (ट) नविव्य निधि, अधिवापिकी या उपदान निधियों में अभिदाय—धारा 36(i)(iv) और (v); (ठ) मत्कार व्यय—धारा 37(2)(2-क); (ड) किसी राजनीतिक दल द्वारा प्रकाशित किसी रमरिका, विवरणिका आदि में विज्ञापन पर व्यय—धारा 37(2-ख) (ब्योरे दीजिए); (डू) विज्ञापन पर और प्रतिष्ठि गृहों के अनुरक्षण तथा कर्मचारियों की यात्रा पर अन्य व्यय—धारा 37(3) और (4) नियम 6-ख और 6-घ (ब्योरे दीजिए), (ण) विज्ञापन, प्रचार और विवरण बढ़ाने पर समायोजित व्यय—धारा 37(3-क) (ब्योरे दीजिए) (केवल निर्धारण वर्ष 1979-80 और 1980-81 के लिए लागू); (त) ऐसा व्यय जो तस नैक द्वारा किए जाने से अन्यथा किया जाए—धारा 40-क(3)/नियम 6-घष (ब्योरे दीजिए); (थ) उपदान के संदाय के लिए की गई व्यवस्था—धारा 40-क; (व) निक्षेपों की बाबत व्याज के रूप में व्यय—धारा 48-क(8); (ध) कोई अन्य व्यवस्था/प्रारम्भिक/अन्य व्यय जो धारा 28 से 44-घ तक के अधीन अनुज्ञेय नहीं है ।
  4. वे रकमें जो लाभ और अभिलाभ लेखा आदि में जमा नहीं की गई हैं (क) धारा 41(1), (3) और (4) के अधीन प्रभाय लाभ (ब्योरे दीजिए); (ख) धारा 41(2) और (2-क) के अधीन प्रभाय लाभ (ब्योरे दीजिए), (ग) अन्य कोई प्रभाय लाभ और अभि-लाभ (ब्योरे दीजिए);
  5. मव 1 से 4 तक का योग । घटाइए (यदि मद 5 में अंक नकारात्मक है तो जोड़िए);
  6. नीचे (3) के अनुसार संगणित अवशयण;
  7. “कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ” शीर्ष से भिन्न शीर्षों के अधीन प्रभाय आय या किसी पूर्वतर वर्ष में कर से प्रभायित की जा चुकी आय जो लाभ और हानि लेखा आदि में जमा कर दी गई है;
  8. वैज्ञानिक अनुसंधान/निर्यात बाजार विकास मोक/कृषि विकास मोक पर व्यय की बाबत कटौती को लाभ और हानि लेखा के नामे डाली गई रकम के आधिस्य में अनुज्ञेय है—धारा 35—35-ख और 35-ग;
  9. धारा 28 से 44-घ तक के अधीन दायाकृत कोई अन्य व्यय/कटौती (ब्योरे दीजिए);
  10. मद 6 से 9 तक का योग;
  11. लाभ/हानि का अतिशेष (जो मद 5 में से मद 10 को घटाकर बाने वाली रकम है) ।
- (3) विवरणी से संलग्न एक विवरण में अवशयण मोक और विनिधान मोक की बाबत निम्नलिखित विशिष्टियाँ दी जाएँ, अर्थात् (i) आस्तियों का वर्णन (भवन के सम्बन्ध में यह बताइए कि क्या भवन पट्टे पर लिया गया है या निर्धारित के स्वामित्व में है), (ii) विद्यमान आस्तियों का अवलिखित मूल्य, (iii) पूर्व वर्षों के दौरान अजित आस्ति की वास्तविक लागत, (iv) परिवर्धनों या परिवर्तनों पर पूँजी व्यय, (v) उपयोग की अवधि (केवल तब बताई जाए जब विवरणी निर्धारण वर्ष 1969-70 या किसी पूर्वतर वर्ष के सम्बन्ध में है), (vi) विवरण की गई, त्यक्त कर दी गई, डा दी गई या नष्ट कर दी गई आस्तियों की बाबत स्क्रैप मूल्य, (vii) वह रकम जिस पर अवशयण अनुज्ञेय है [मद (ii) से (iv) तक का योग जिसमें मद (vi) में निवृष्ट आस्तियों से सम्बन्धित रकम सम्मिलित नहीं है], (viii) अवशयण की दर, (ix) उन दिनों की कुल संख्या जब काम किया गया (केवल तब दी जाए जब अतिरिक्त पारी मोक का दावा किया जाता है), (x) उन दिनों की कुल संख्या जब दोहरी पारी और तिहरी पारी में काम किया गया (केवल तब दी जाए जब अतिरिक्त पारी मोक का दावा किया जाता है), (xi) दावा किया गया अवशयण—(क) आरम्भिक अवशयण (ख) सामान्य अवशयण (जिसके अन्तर्गत अनुमोवित होटलों के लिए अतिरिक्त अवशयण भी है); (xii) कुल अवशयण, (xiii) दावा किया गया विनिधान मोक (वर भी बताइए); (xiv) टिप्पणियाँ (आरम्भिक अवशयण, विनिधान मोक या विकास रिबेट की रकम बताइए जो आस्ति के सम्बन्ध में किसी पूर्वतर वर्ष में अनुज्ञात किया गया है) ।

टिप्पण 4: लाभांश आय के तथा "अन्य स्रोतों से आय" शीर्ष के अधीन प्रभाष्य आय की संगणना की बाबत निम्नलिखित विशिष्टियाँ विवरणी के साथ संलग्न किए जाने वाले एक पृथक विवरण में दी जाए अर्थात् (i) कम्पनी का नाम, (ii) शेयरों की संख्या, (iii) लाभांशों की सकल रकम, (iv) स्रोत पर कटौती किया गया कर ।

#### आय की संगणना

[निम्नलिखित की बाबत ब्यौरा दीजिए—(i) सकल आय; (ii) दायकृत व्यय (iii) शुद्ध आय जो (i) में से (ii) घटाकर निकलने वाली रकम है] (क) लाभांश, (ख) प्रतिभूतियों पर ब्याज या कारबार या वृत्ति के लाभों के रूप में प्रभाष्य ब्याज से भिन्न ब्याज, (ग) अन्य मदें जो (i) फायदों या परिलब्धियों के मूल्य—धारा 2(24)(1), (ii) न्यास के फायदाग्राही या न्यासी की दशा में फायदों या परिलब्धियों का मूल्य—धारा 2(24)(iv)(क), (iii) लाटरी से, वर्ग पहली से, दौड़ आदि से हुई जीत—धारा 56(1)(1-ख), (iv) मशीनरी, संयंत्र, फर्नीचर या भवन का किराए पर दिए जाने से होने वाली आय—धारा 56(1)(i) और (ii), (v) वार्षिकी या उसका संराशित मूल्य—धारा 280-घ, (vi) धारा 59 के अधीन कर से प्रभाष्य लाभ; (घ) उक्त (क), (ख) और (ग) की बाबत शुद्ध आय जो पृष्ठ 2 पर मद 5(क), 5(ख) और 5(ग) में ले जाई जाएगी ।

टिप्पण 5: ऐसे न्यास या अस्था की दशा में जिसका सृजन या जिसकी स्थापना पूर्णतः पूर्ण या धार्मिक प्रयोजनों के लिए नहीं की गई है, उस न्यास या संस्था द्वारा स्वीकृत अभिदायों में से प्राप्त कोई रकम जो पूर्व वर्ष के दौरान भग्न में पूर्व या धार्मिक प्रयोजनों के लिए उपयोजित की गई है, कटौती के रूप में अनुज्ञेय नहीं है ।

टिप्पण 6: प्रयोजनों और प्रत्येक के लिए उपयोजित रकम का ब्यौरा एक अलग कागज पर दे । जहाँ धारा 11(1) के स्पष्टीकरण के अधीन विकल्प का प्रयोग किया जाना है वहाँ यदि उस आशय का कोई पत्र पहले ही नहीं भेज दिया गया है तो ऐसा पत्र संलग्न कीजिए ।

टिप्पण 7: जहाँ मध 9(v) के सामने किसी कटौती का दावा किया गया है वहाँ प्ररूप संख्यांक 10 में सूचना संलग्न की जाए । यदि ऐसी सूचना पहले ही दी जा चुकी है तो उसकी एक प्रति संलग्न कीजिए । इस प्रकार संचित या अलग रखी गई आय के सम्बन्ध में विनिर्धारणों या निक्षेपों की बाबत ब्यौरे अलग कागज पर दिए जाए ।

टिप्पण 8: जहाँ आय ऐसी सम्पत्ति में प्राप्त की जाती है जो केवल भागतः, पूर्व या धार्मिक प्रयोजनों के लिए न्यास के अधीन धारित है और मद (i), (ii), (iii), (iv) और (v) के सामने कटौतियों का योग आय के उस भाग से अधिक है जो ऐसे प्रयोजनों के लिए उपयोज्य है वहाँ कटौती के लिए दावा इस प्रकार उपयोज्य आय की रकम तक ही सीमित होना चाहिए ।

टिप्पण 9: शुद्ध कृषि आय की संगणना सुसंगत वित्त अधिनियम के नियमों के अनुसार निम्नलिखित रीति से संगणित की जाए, अर्थात्: (क) कृषि प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त भूमि में प्राप्त किराया या राजस्व, (ख) कृषक आदि द्वारा निवास गृह के रूप में अपेक्षित किसी भवन में आय, (ग) अन्य कृषि आय जो मद (ब) में निर्दिष्ट आय के विक्रय से आय नहीं है, भारत में उगाई और विनिर्मित चाय के विक्रय से आय का साठ प्रतिशत (ङ) रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्तियों के समूह आदि में कृषि आय का अंश जिसकी संगणना सुसंगत वित्त अधिनियम में दिए गए शुद्ध कृषि आय की संगणना के नियमों के अनुसार की गई है, (च) मद (क) से (ङ) तक का योग (सुसंगत वित्त अधिनियम में दिए गए शुद्ध कृषि आय की संगणना के नियमों के अनुसार हानियों के समायोजन के अधीन रहते हुए), (छ) घटाएँ राज्य सरकार की पूर्व वर्ष की कृषि आय पर संदेय कृषि आय-कर, (ज) शुद्ध कृषि आय जो (च) में से (छ) को घटाकर बाने वाली रकम है ।

टिप्पण 10: घोषणा पर हस्ताक्षर करने से पूर्व हस्ताक्षरकर्ता को स्वयं अपना यह समाधान कर लेना चाहिए कि विवरणी तथा उससे संलग्न उपाध्व और विवरण सभी प्रकार से सही और पूर्ण है ।

इस विवरणी में या इससे संलग्न उपाध्वों या विवरणों में मिथ्या कथन करने वाले व्यक्ति पर आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 277 के अधीन अभियोजन चलाया जा सकेगा और निम्नोपेक्ष होने पर वह

(i) ऐसे मामले में जहाँ वह कर जिसका अपवर्जन करने का आशय है, एक लाख रुपये में अधिक है वहाँ कठिन कारावास से जिसकी अवधि छह मास से कम नहीं होगी किन्तु सात वर्ष तक की हो सकेगी, और जुर्माने में दण्डनीय होगा; (ii) किसी अन्य मामले में कठिन कारावास से जिसकी अवधि तीन मास से कम नहीं होगी किन्तु तीन वर्ष तक की हो सकेगी, और जुर्माने में दण्डनीय होगा ।

#### पूँजी अभिलाभ

टिप्पण 11:

#### साधारण विशिष्टियाँ

पूँजी आस्तियों के ऐसे अन्तरण से जिसके परिणामस्वरूप पूँजी अभिलाभ होता है, उद्भूत होने वाली "पूँजी अभिलाभ" शीर्ष के अधीन प्रभाष्य आय के सम्बन्ध में निम्नलिखित विशिष्टियाँ प्रत्येक आस्ति की बाबत दी जाएँ:—

(क) आस्ति का वर्णन: स्थावर सम्पत्ति की दशा में उसकी अवस्थिति, (ख) अर्जन की तारीख, (ग) अन्तरण की तारीख, (घ) अन्तरिणी का नाम और पता यदि निर्धारिती के साथ उसकी कोई नातेदारी या सम्बन्ध है तो वह बताइए ।

#### पूँजी अभिलाभों की संगणना

(क) अन्तरण के प्रतिफल का पूरा मूल्य; (ख) कटौतियाँ (i) तारीख 1 जनवरी, 1964 को आस्ति के अर्जन की लागत या उसका बाजार मूल्य—धारा 40, 50 और 51; (ii) पूँजी आस्ति के सुधार की लागत—धारा 55(1)(ख); (iii) अन्तरण के सम्बन्ध में व्यय—धारा 48(1), (ग) मध (ख) में कटौतियों का योग, (घ) पूँजी अभिलाभों की रकम (क—ग) ।

टिप्पण 12: यदि निर्धारिती की कर मुक्त प्रतिभूतियों पर ब्याज के रूप में कोई आय है या अन्य कोई ऐसी आय है जिस पर कर का रिबेट अनुज्ञेय है अथवा उसकी ऐसी आय है जो उस कुल आय में सम्मिलित की गई है जिस पर धारा 90 या 91 के अधीन दोहरे कराधान से राहत का दावा किया गया है तो उसका ब्यौरा एक अलग विवरण में दीजिए ।

टिप्पण 13: जहाँ निर्धारण वर्ष के लिए अनिवार्य निक्षेप स्कीम (आय-कर दाता) अधिनियम, 1974 के अधीन निक्षेप किया गया है वहाँ निक्षेप कार्यालय द्वारा दी गई रसीद विवरण के साथ भेजी जानी चाहिए ।

[संख्या 3813/का० सं० 142(16)/80-टी०पी०एल०]

एम० एन० शेंडे, सचिव  
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

## MINISTRY OF FINANCE

(Central Board of Direct Taxes)

## NOTIFICATION

## INCOME-TAX

New Delhi, the 22nd January, 1981

**S.O. 46(E).**—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the 1st day of April, 1981.

2. After rule 5A of the Income-tax Rules, 1962, (hereinafter referred to as the principal rules) the following rule shall be inserted, namely :

**Prescribed particulars for depreciation and investment allowance.**

“5AA.(1) For the purposes of the deductions referred to in sub-section (1) or sub-section (1A) of section 32 and sub-section (1) of section 32A, the following particulars shall be furnished in a columnar form, namely :

- (i) description of assets (in respect of building, indicate whether the building is taken on lease or is owned by the assessee);
- (ii) written down value of existing assets;
- (iii) actual cost of assets acquired during the previous year ;
- (iv) capital expenditure on additions or alterations ;
- (v) period of user (only where return relates to assessment year 1969-70 or any earlier year);
- (vi) amount of moneys payable and scrap value in respect of assets sold, discarded, demolished or destroyed;
- (vii) amount on which depreciation is allowable [total of items (ii) to (iv) exclusive of amounts relating to assets referred to in item(vi)].
- (viii) rate of depreciation;
- (ix) total number of days worked (to be furnished only if extra shift allowance is claimed);
- (x) total number of days worked—  
double shift and triple shift (to be furnished only if extra shift allowance is claimed);
- (xi) depreciation claimed—
  - (a) initial depreciation;
  - (b) normal depreciation (including extra depreciation for approved hotels);
  - (c) additional depreciation ;
  - (d) extra shift allowance—double shift and triple shift;
- (xii) total depreciation ;
- (xiii) investment allowance claimed (also indicate rate);
- (xiv) remarks (indicate the amount of initial depreciation, investment allowance or development rebate allowed in respect of the asset in an earlier year).

(2) Where the depreciation in respect of any asset is not admissible as a deduction under clause (ii) of sub-section (4) of section 37 or sub-clause (ii) of clause (c) of section 40 or sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (5) of section 40A, such depreciation shall be excluded for the purposes of sub-rule (1)”.

3. In sub-rule (1) of rule 12 of the principal rules, in clause (b),—

(i) in sub-clause (i), the proviso shall be omitted;

(ii) sub-clause (ii) shall be omitted;

(iii) in sub-clause (iii), the words, brackets and figures “and the case does not fall under clause (ii), shall be omitted.

4. In Appendix II to the principal rules, for Form Nos. 1, 2, 2A, 3 and 3A, the following Forms shall be substituted, namely :—

"FORM NO. 1

## RETURN OF INCOME

For use in Income-tax Office.

INCOME TAX ACT, 1961

[For companies other than those claiming exemption under section 11]

Rule 12(1)(a)

Name in block letters

Assessment Year

Address

Telephone

Previous year (s) ending on :

If this is a revised return, please state the date of filing the previous return.

Permanent Account No.

State whether \*Resident/Non-resident

## PART I: STATEMENT OF TOTAL INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDEABLE IN ASSESSEE'S TOTAL INCOME

Head of Income	Income/Loss (Rs.) [If nil, write 'NIL']
1. INTEREST ON SECURITIES (See Note 1)	
2. INCOME FROM HOUSE PROPERTY (See Note 2)	
3. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION [Income/loss from speculation business to be stated separately against (a), (b), (c) & (d)]	(a) Share in profits of a registered firm (Annexure A). (b) Share in profits of an unregistered firm or association of persons (Annexure A) (c) Any sum received in respect of a discontinued business or profession—Sec. 176 (d) Business or profession [exclusive of items (a), (b) and (c)] (See Note 3)
4. CAPITAL GAINS [Annexure B]	(a) Relating to short-term capital assets (b) Relating to other capital assets : (i) Lands or buildings or any rights therein (ii) Other assets
5. INCOME FROM OTHER SOURCES [See Note 4]	(a) Dividends (b) Interest (c) Other items
6. Aggregate of items 1 to 5	
7. DEDUCT	(a) Unabsorbed losses/allowances brought forward from earlier years under sections 32(2), 35(4), 36(1) (ix) & 72 to 79 (b) Investment allowance/development rebate/development allowance under section 32 A (3)/33(2)/33A(2)
8. GROSS TOTAL INCOME	
9. LESS : Admissible deductions (ANNEXURE C)	
10. TOTAL INCOME	(As rounded off to the nearest multiple of ten rupees Sec. 288A) (a) in figures (b) in words
11. Income included in items 1 to 5 being income arising to any other person as referred to in sections 60, 61 or 62.	

\*Strike out whichever is not applicable.

## PART II : STATEMENT OF TAXES

## TAX ON TOTAL INCOME

(Attach a statement showing the computation of tax on total income)

## PRE-ASSESSMENT TAXES

## A. TAX DEDUCTED AT SOURCE

(Attach certificates)

1. Interest on securities	.....	
2. Other interest	.....	
3. Dividends	.....	
4. Any other income	.....	
(Please specify)	Total	Rs.

## B. ADVANCE TAX

(Attach chalang)

Date of Payment	Amount
.....	.....
.....	.....
.....	.....
	Total Rs.

## C. TAX ON SELF ASSESSMENT

(Attach chalan)

Date of payment	Amount
.....	.....Rs.

TOTAL OF A, B and C Rs.

## PART III : PARTICULARS OF INCOME CLAIMED TO BE EXEMPT FROM TAX AND NOT INCLUDED IN PART I.

Particulars	Amount	Reasons why not taxable
-------------	--------	-------------------------

## PART IV : STATEMENT REGARDING DEFAULTS IN FURNISHING THE RETURN OF INCOME OR PAYMENT OF ADVANCE TAX.

1. If there has been delay in furnishing the return of income within the statutory time-limit, please indicate whether the application in Form No. 6 has been filed. \*Yes/No
2. If yes, please state the date of application and receipt number.
3. If there has been a default in furnishing the return of income or in payment of advance-tax the reasons therefor should be given in a separate statement to be attached with the return.

## VERIFICATION (See Note 5)

I,.....(Name in full and in block letters) \*son/daughter/wife of Shri.....being the .....of.....solemnly declare that to the best of my knowledge and belief the information (designation) (name of the company) given in this return and the Annexures and Statements accompanying it is correct and complete and that the amount of total income and other particulars shown therein are truly stated and relate to the previous year relevant to the assessment year 19.....

I further solemnly declare that during the said previous year(s) :—

- (a) no other income accrued or arose to or was received by the company from any asset held in the name of the company or in the name of any other person;
- (b) there is no other income, including income of any other person, in respect of which the company is chargeable to tax under the Income-tax Act, 1961.

\*Strike out whichever is not applicable.

\* I further solemnly declare that during the said previous year(s):—

- (a) no other income accrued or arose to or was received by the person in respect of whose total income the company is assessable from any asset held in the name of the person in respect of whose total income the company is assessable or in the name of any other person;
- (b) there is no other income, including income of any other person in respect of which the person in respect of whose total income the company is assessable is chargeable to tax under the income-tax Act, 1961.

I further declare that in my capacity as.....  
(designation)

I am competent to make this return and verify it on behalf of the company.

Place.....

(Signature)

Date.....

#### ANNEXURE A : PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OF PROFESSION

##### SHARE FROM A FIRM OR ASSOCIATION OF PERSONS

Business (other than speculation) and  
profession.

Speculation business

##### A. Registered firms

1. Amount of share in profit/loss.
2. Deduct (Add, if the above figure is a loss)  
Expenses claimed (Give details)
3. Net profit/loss, carried to item 3(a) on  
page 1.

##### B. Unregistered firms/association of persons

1. Amount of share in profit/loss.
2. Deduct (Add, if the above figures is a  
loss)  
Expenses claimed (Give details)
3. Net profit/loss, carried to item 3(b) on  
page 1.

#### ANNEXURE B: CAPITAL GAINS [See Note 6]

Capital gains relating to short-term capital assets

Less : Amount exempt under sections, 53, 54B or 54D.

Net amount carried to part (a) of item 4 on page 1

Capital gains relating to capital assets other than short-term capital assets.

Less : Amount exempt under sections 53, 54B, 54D or 54E.

Balance

Add : Amount deemed to be income chargeable under the head "Capital Gains" —Sec. 54E(2).

Net amount carried to part (b) of item 4 on page 1.

\*Strike out whichever is not applicable.

## ANNEXURE C : DEDUCTIONS [See Note 7]

Particulars	Gross Amount	Qualifying amount	Amount of Deduction
1. Donations to which Sec. 80G applies.			
2. Profits and gains from newly established industrial undertaking or hotel/business in backward areas—Sec. 80HH			
3. Profits and gains from newly established small-scale industrial undertaking in certain areas—Sec. 80HHA.			
4. Profits and gains from newly established industrial undertaking or ship or hotel business.			
(i) deduction in respect of assessment year to which this return relates.			
(ii) deficiency in respect of earlier assessment years—sec. 80J.			
5. Profits and gains from newly established industrial undertaking or ship or hotel business.—Sec. 80-I.			
6. Profits and gains from business of livestock breeding or poultry or dairy farming— Sec. 80JJ.			
7. Profits and gains from business of growing mushrooms—Sec. 80JJA.			
8. Other deductions, if any (Give details)			
Total amount of deduction carried to item 9 on page 2.			

## ANNEXURE D : STATEMENT OF PARTICULARS REGARDING COMPUTATION OF TAX LIABILITY AND DIVIDENDS

[See Note 8]

## PARTICULARS RELEVANT FOR COMPUTATION OF TAX LIABILITY

1. Is the company—	
(a) an Indian company?	*Yes/No
(b) a foreign company which has made the prescribed arrangements for the declaration and payment of dividends within India?	*Yes/No
2. If the answer to item 1(a) or (b) is 'Yes'	
(a) is the company one in which the public are substantially interested—vide sec. 2(18) or a subsidiary company referred to in Section 108(b)?	*Yes/No
[If the answer is 'Yes' please attach a statement showing the fulfilment of the conditions specified in the relevant section]	
(b) if the answer to (a) is 'no', does the company claim to be covered by section 104(2)(iii) or any notification under section 104(3)?	*Yes/No
(c) is the company an industrial company as defined in the annual Finance Act of a banking company or an investment company of a trading company?	
3. Is the company liable to pay surtax?	*Yes/No
4. If the answer to item 3 is 'yes' has a return of chargeable profits been furnished and if so, the date thereof.	

\*Strike out whichever is not applicable.

## ANNEXURE E: PARTICULARS REQUIRED UNDER SECTION 133/139

- IN THE CASE OF A PARTNER/MEMBER OR A FIRM/ASSOCIATION OF PERSONS(AOP), attach a statement showing the name and address of the firm/AOP and the name, address and individual share of each partner/member.
- IN THE CASE OF A TRUSTEE OF OR AGENT FOR any other person, attach statement showing the names and addresses of such other persons.

3. IN CASE THE ASSESSEE HAS PAID DURING THE PREVIOUS YEAR rent, commission, royalty or brokerage or any annuity (not being an annuity assessable under the head "Salaries") exceeding one thousand rupees, attach separate statements (according to nature of payment) showing the names and addresses of the payees and the amounts paid. If any payee is a non-resident indicate whether tax has been deducted at source and paid to the credit of the Central Government.
4. A DEALER, BROKER OR AGENT OR ANY PERSON CONCERNED in the management of a Stock or Commodity Exchange should furnish a statement of the names and addresses of all persons to whom he or the exchange has paid in the previous year any sum or aggregate sums: (a) in excess of Rs. 2,000 by way of "difference" and (b) in excess of Rs. 10,000 in connection with the transfer whether by way of sale, exchange or otherwise, of assets; or on whose behalf or from whom he or the Exchange has received any such sum together with particulars (amount, date, etc.) of all such payments and receipts.
5. If the assessee is liable to deduct tax at source under sections 192, 193, 194, 194A, 194B, 194BB, 194C, 194D 195, please furnish the information on the following points :
  - (a) The amount of tax deducted at source;
  - (b) Whether such tax has been paid to the Central Government.
  - (c) Whether the prescribed returns have been furnished to the Income-tax Officer concerned.

NOTE 1: The following particulars and computation of income under the head "Interest on securities" may be furnished in a statement attached with this return, namely:

#### GENERAL PARTICULARS

(i) Particulars of securities (ii) face value (iii) gross amount of interest due or received during the year (give separate details regarding Government Securities), and debentures and other securities, (iv) amount of tax deducted at source (v) Remarks, e.g., in the case of a tax-free security, enter the word "Tax-free".

#### Computation of Income

(To be given separately for Government securities, and debentures and other securities).

(i) Gross amount due or received [from item (iii) of the general particulars] (ii) Less: (a) expenses for realising interest. Sec. 19 (ii) 20 and (b) interest on moneys borrowed—Sec. 19(ii) 20 (iii) Net amount of interest on securities carried to item 2 on page 1 being (i) minus (ii).

NOTE: 2 The following particulars/computation of income under the head "Income from house property" for each house property may be furnished in a statement attached with this return, namely:—

#### INCOME FROM HOUSE PROPERTY (LET OUT PROPERTY)

##### General particulars

(a) Location of the property; (b) Annual municipal valuation.

#### COMPUTATION OF INCOME

(a) Amount for which the property might reasonably be expected to let from year to year or where property is let and the annual rent received or receivable exceeds the said amount, such rent—section 23(1); (b) Deductions: (i) amount of municipal taxes borne by the owner—1st proviso to sec. 23(1); (ii) allowance for newly constructed property—second proviso to sec. 23(1); (c) annual value being (a) minus (b); (d) deductions: (i) Repairs 1/6th of the annual value—sec. 24(1); (ii) insurance—sec. 24(1) (ii); (iii) annual charge—sec. 24(1)(iv); (iv) ground rent—sec. 24(1)(v); (v) interest on borrowed capital—sec. 24(1)(vi); (vi) land revenue, etc.,—sec. 24(1)(vii); (vii) collection charges limited to 6% of annual value at (c)—sec. 24(1)(viii); (viii) vacancies—sec. 24(1)(ix); (ix) irrecoverable rent—sec. 24(1)(x) and rule 4; (c) total of deductions in (d); (f) net chargeable income from other property being (a) minus (e).

NOTE 3: The following particulars should be given in regard to the income chargeable under the head "Profits and gains of business or profession" in a statement to be attached with the return of income, namely:

(1) Business or profession other than share in firm or association of persons:

- (i) Name in which business or profession is carried on;
- (ii) Address of principal place of business or profession.
- (iii) Names and addresses of branches,
- (iv) Nature of business or profession;
- (v) Method of accounting;
- (vi) Method of stock valuation; please state whether \*Mercantile/cash/mixed;

(vii) copies of manufacturing account and/or trading account [recast if necessary, to show opening stock, purchases (less return); sales (less returns), and closing stock], profit and loss account/income and expenditure account/any other similar account and balance-sheet to be attached. [If accounts have been audited, copies of audited accounts should be attached along with a copy of the auditor's report. If an audit of cost accounts of the company has been conducted under section 233B of the Company Act, 1956 (1 of 1956), a copy of the Auditor's report should also be attached;] and copies of personal account of the directors;

(viii) additional information should be furnished by companies engaged in contract work as under :

- (a) If the value of materials supplied by the person with whom the contract was made or the amount of security deposit (out of payment due for work done) retained by him, has not been included in the gross receipt shown, state here the amounts thereof: Value of materials \_\_\_\_\_ Security deposits \_\_\_\_\_.
- (b) Has information regarding building or supply contracts been furnished to the Income-tax Officer concerned under section 285A? \*Yes/No

(ix) Additional information to be furnished by producers of cinematograph films—

Has statement of payments to persons engaged in the production of cinematograph films been delivered to the Income-tax Officer concerned under section 285B? \*Yes/No

(2) Computation of Assessable profits or/loss from business or profession for the previous year:

1. Net profit or loss as per profit and loss account exclusive of share of profits in a firm/association of persons or body of individuals. *Add*: (Deduct if the above figure is a loss).
  2. Amounts debited to the P. & L. account, etc., in respect of: (a) losses of earlier years, (b) income-tax, surtax, penalty, etc., (c) expenditure of the nature of charity or present, (d) capital expenditure, (e) expenses, allowances and payments not deductible under section 40(a), 40A(5) or (6) (give details), (f) expenses and allowances not deductible—sec. 40(c), (g) expenditure not admissible—sec. 40A(2), (h) expenditure claimed as deduction elsewhere in this return, (i) depreciation—considered separately, (j) investment allowance, development rebate and development allowance—considered separately (Attach Form Nos. 5 and 5A). (k) reserve or provision for bad and doubtful debts (other than provision for bad and doubtful debts referred to in sec. 36(1)(viii) and (1) interest credited any reserve or any fund.
  3. Other expenses, etc. debited to P. & L. Account, etc., to the extent not admissible :  
(a) rent, rates, taxes, repairs and insurance premium of assets not used wholly for business—sec. 30/31, (b) loss on sale of assets—sec. 32(1)(iii) (give details), (c) rehabilitation allowance—sec. 33B (give details), (d) expenditure on scientific research or sums paid to scientific research associations, etc.—sec. 35 (give details), (e) expenditure on patent rights or copyrights—sec. 35A, (f) rural development allowance—sec. 35CC, (g) expenditure by way of payment to associations and institutions for carrying out rural development programmes or for training of persons for implementing such programmes—sec. 35CCA, (h) preliminary expenses—sec. 35D (give details), (i) expenditure on prospecting for and development of minerals—sec. 35E (give details), (j) payment of bonus to the extent not admissible—sec. 36(1)(ii), (k) contribution to provident, superannuation or gratuity fund—sec. 36(1)(iv)&(v), (l) provision for bad and doubtful debts—sec. 36(1)(viii), (m) entertainment expenditure—sec. 37(2) and (2A), (n) expenditure on advertisement in any souvenir, brochure, etc., published by a political party—sec. 37(2B), (o) other expenditure on advertisement and on maintenance of guest house and travelling of employees—sec. 37(3) and (4)/rules 6B and 6D, (p) adjusted expenditure on advertisement, publicity and sales promotion—sec. 37(3A) [applicable for assessment years 1979-80 and 1980-81 only], (q) expenditure incurred otherwise than by crossed cheques—sec. 40A(3)/rule 6DD, (r) provisions made for payment of gratuity—sec. 40A(7), (s) expenditure by way of interest in respect of deposits—sec. 40A(8), (t) any other provision/reserve/other expenditure not allowable under section 28 to 44D.
  4. Amounts not credited to the P. & L. Account, etc.: (a) profit chargeable under section 41(1), (3) and (4) (give details), (b) profit chargeable under section 41(2) & (2A) (give details), (c) any other chargeable profit or gain (give details).
  5. Total of items 1 to 4. *Deduct* (*Add* if the figure in item 5 is negative).
  6. Depreciation commuted as per (3) below.
  7. Income chargeable under heads other than "Profits and gains of business of business or profession" or income credited to P&L Account which is already charged to tax in an earlier year.
  8. Deduction in respect of expenditure on scientific research/export markets development allowance, agricultural development allowance admissible in excess of amount debited to P. & L. Account, etc.—sec. 35, 35B and 35C.
  9. Any other expenditure/deduction claimed under sections 28 to 44D (give details).
  10. Total of items 6 to 9.
  11. Balance profit/loss (5 *minus* 10).
- (3) The following particulars should be given in a statement attached with the return in respect of depreciation allowance and investment allowance, namely :
- (i) description of assets (in respect of building, indicate whether the building is taken on lease or is owned by the assessee); (ii) written down value of existing assets; (iii) actual cost of assets acquired during the previous year; (iv) capital expenditure on additions or alterations; (v) period of user (only where return relates to assessment year 1969-70 or any earlier year); (vi) amount of moneys payable and scrap value in respect of assets sold, discarded, demolished or destroyed; (vii) amount on which depreciation is allowable [total of items (ii) to (iv) exclusive of amounts relating on assets referred to in item (vi)]; (viii) rate of depreciation; (ix) total number of days worked (to be furnished only if extra shift allowance is claimed); (x) total number of days worked—double shift and triple shift (to be furnished only if extra shift allowance is claimed); (xi) depreciation claimed—(a) initial depreciation; (b) normal depreciation (including extra depreciation for approved hotels); (c) additional depreciation; (d) extra shift allowance—double shift and triple shifts; (xii) total depreciation (xiii) investment allowance claimed (also indicate rate); (xiv) remarks (indicate the amount of initial depreciation, investment allowance or development rebate allowed in respect of the asset in an earlier year).

\*Strike out whichever is not applicable.

NOTE 4.—The following particulars should be given in respect of dividend income and computation of income under the head "Income from other sources" in a separate statement to be attached with the return, namely—

#### Statement of Dividends

(i) Name of the company, (ii) number of shares, (iii) gross amount of dividends, (iv) tax deducted at source

#### Computation of Income

[Details should be given in respect of (i) gross income, (ii) expenditure claimed and (iii) net income being (i) minus (ii)] (a) Dividends (b) Interest other than interest on securities of interest chargeable as profits of business (c) other items being total of (i) hiring of machinery, plant, furniture or building—section 56(2) (ii) and (iii); (ii) profits chargeable to tax under section 59(ii) other items—give details; (d) the net income in respect of (a), (b) and (c) shall be carried to item 5(a), 5(b) and 5(c) on page 2

NOTE 5:—Before signing the declaration the signatory should satisfy himself that this return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects.

Any person making a false statement in this return or the accompanying annexures or statements shall be liable to prosecution under section 277 of the Income-tax Act, 1961, and on conviction be punishable :

(i) in a case where the tax sought to be evaded exceeds one lakhs rupees, with rigorous imprisonment which shall not be less than six months but which may extend to seven years and with fine ;

(ii) in any other case, with rigorous imprisonment which shall not be less than three months but which may extend to three years and with fine.

#### CAPITAL GAINS

##### General Particulars

NOTE 6. The following particulars regarding income chargeable under the head "Capital gains" arising from the transfer of a capital asset resulting in capital gains should be given in respect of each such assets :—

(a) Description of assets; in case of immovable property, location thereof; (b) date of acquisition; (c) date of transfer; (d) name and address of the transferee; indicate relationship or connection, if any, with the assessee.

#### Computation of Capital gains

(a) Full value of consideration for the transfer; (b) Deductions (i) cost of acquisition of the market value of the asset as on 1st January, 1964—sections 49, 50 and 51; (ii) cost of improvement of capital assets—sec. 55(1)(b); (iii) expenditure in connection with the transfer—sec. 48(1); (c) total of deduction in (b) & (d) amount of capital gains (a) minus (c).

NOTE 7:—If the assessee has any income by way of interest on tax-free securities or any other income on which a rebate of tax is admissible, or has income which is included in the total income on which double taxation relief is claimed under section 90 or 91, the assessee should give details thereof in a separate statement.

NOTE 8:—In the case of a Company, other than a foreign company which has not made the prescribed arrangements for the declaration and payment of dividends within India, the following particulars regarding dividends declared may be furnished in a separate statement, namely :

(a) Date of annual general meeting before which the accounts of the previous year were laid (if held before furnishing this return); (b) amount of dividend declared at the said general meeting; (c) amount of dividends declared, distributed or paid during the previous year—(i) dividends declared at the annual general meeting held on . . . . .  
(ii) deemed dividends within the meaning of section 2(22); (iii) interim dividends section 3(b).

FORM NO. 2

RETURN OF INCOME

For use in income-tax Office

INCOME-TAX ACT, 1961

For assessee (other than companies and those claiming exemption under section 11) whose total income includes "Profits and gains of business or profession."

Rule 12(1)(b)(i)

Name in block letters

Assessment year

Office address

Telephone

Previous year(s) ending on

Residential address

Telephone

Permanent Account Number.

State whether \*Individual/Hindu undivided family/firm/association of persons/body of individuals/artificial judicial person

State whether \*Resident

Resident but not ordinarily resident

Non-resident

If this is a revised return, please state the date of filing the previous return

**PART I : STATEMENT OF TOTAL INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE IN ASSESSEE'S TOTAL INCOME AND NET AGRICULTURAL INCOME**

HEAD OF INCOME	INCOME/LOSS (RS.) (If nil, write 'NIL')
1. SALARIES (See Note 1)	
2. INTEREST ON SECURITIES (See Note 2)	
3. INCOME FROM HOUSE PROPERTY (ANNEXURE A)	
4. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION	(a) Share in profits of a registered firm (ANNEXURE B) (b) Share in profits of an unregistered firm/AOP/BOI (c) Any sum received in respect of a discontinued business or profession—Section 176 (d) Business or profession exclusive of items (a), (b) & (c) (See Note 3)
5. CAPITAL GAINS (ANNEXURE C)	(a) Relating to short-term capital assets. (b) Relating to other capital assets* * (i) Lands or buildings or any rights therein (ii) other assets
*Strike out whichever is not applicable.	
6. INCOME FROM OTHER SOURCES: (See Note 4)	(a) Dividends (b) Interest (c) Other items
7. Aggregate of items 1 to 6	
8. Deduct :	(i) Unabsorbed losses or allowance brought forward from earlier years—sections 32(2), 35(4) and 72 to 78. (ii) Investment allowance/development rebate/development allowance—sections 32A(3)/33 (2)/33A(2)
9. GROSS TOTAL INCOME	
10. Less : Admissible deductions : (ANNEXURE D)	
11. TOTAL INCOME (as rounded off to the nearest multiple of ten rupees—Sec. 288A)	(a) in figures (b) in words
12. NET AGRICULTURAL INCOME (See Note 5)	
13. Income included in items 1 to 6 being income arising to spouse/minor child/son's wife/son's minor child or any other person as referred to in Chapter V of the Act.	

## PART II. STATEMENT OF TAXES

## TAX ON TOTAL INCOME

(Attach a statement showing computation of tax payable on total income)

## PRE-ASSESSMENT TAXES

## A. TAX DEDUCTED AT SOURCE

(Attach certificates)

1. Salaries
2. Interest on securities
3. Other interest
4. Dividends
5. Any other income  
(Please specify)

TOTAL Rs

## B. ADVANCE TAX

(Attach challans)

Date of payment

Amount

## C. TAX OR SELF ASSESSMENT

(Attach challans)

Date of payment

TOTAL Rs.

Amount

TOTAL OF A, B and C

## PART III. PARTICULARS OF INCOME CLAIMED TO BE EXEMPT FROM TAX AND NOT INCLUDED IN PART I

Particulars

Amount

Reasons why  
not Taxable

## PART IV. STATEMENT REGARDING DEFAULTS IN FURNISHING THE RETURN OF INCOME OR PAYMENT OF ADVANCE TAX OR COMPULSORY DEPOSIT

1. If there has been delay in furnishing the return of income within the statutory time limit, please indicate whether the application in form No. 6 has been filed.
2. If yes, please state the date of application and receipt number.
3. If there has been a default in furnishing the return of income or in payment of advance tax (or the compulsory deposit), the reasons therefor should be given in a separate statement to be attached with the return.

\*Yes/No

## VERIFICATION (See Note 6)

I, ..... (Name in full and block letters)\*son/daughter/wife of, ..... solemnly declare that to the best of my knowledge and belief, the information given in this return and the annexures and statements accompanying it is correct and complete and that the amount of total income and other particulars shown therein are truly stated and relate to the previous year(s) relevant to the assessment year 19—.

I further solemnly declare that during the said previous year(s)—

(a) no other income accrued or arose to or was received by me from any asset held in my name or in the name of any other person;

(b) there is no other income, including income of any other person in respect of which I am chargeable to tax under the Income-tax Act, 1961

\*Strike out whichever is not applicable

Net amount carried to part (b) of item 5

## ANNEXURE D DEDUCTIONS [Sec Note 9]

Particulars	Gross amount	Qualifying amount	Amount of deduction
1	2	3	4
1 Payments on which deduction u/s 80C is available (i) Provident Fund (ii) Life insurance premium (iii) Others (Please specify)			
2. Donations to which section 80G applies			
3 Profits and gains from newly established industrial undertakings or hotel businesses in backward areas—section 80HH			
4 Profits and gains from newly established small-scale industrial undertaking in certain areas—section 80HHA			
5 Profits and gains from newly established industrial undertaking or hotel business—section 80I			
6 Profits and gains from business of livestock breeding poultry or dairy farming—section 80JJ			
7 Profits and gains from business of growing mushrooms—section 80JJA			
8 Income on which deduction under section 80L is available (i) Interest on securities (ii) Bank interest (iii) Dividend on shares (iv) Others (Please specify)			
9 Other deductions, if any (Give details)			
<b>Total</b> Amount of deduction carried to item 10 on page 2			

ANNEXURE E STATEMENT OF OTHER PARTICULARS TO BE FURNISHED UNDER SECTION 137/139  
PART I Particulars regarding constitution, etc.

## 1. IN THE CASE OF AN INDIVIDUAL

- (i) State whether a citizen of India  
(ii) If a member of Hindu undivided family, give the name and address of the family

## 2. IN THE CASE OF A HINDU UNDIVIDED FAMILY, whether the family has at least one member whose total income assessable for the assessment year exceeds the maximum amount which is not chargeable to income-tax? If the reply to this question is in the negative, please attach declaration to this effect from all members of the Hindu undivided family

## 3. IN THE CASE OF A FIRM/AOP/BOI, attach a statement showing the names and addresses of partners (including minors admitted to the benefits of partnership)/members, their individual shares and inter se relationship, if any

## 4. IN THE CASE OF A PARTNER/MEMBER OF A FIRM/AOP/BOI, attach a statement showing the name and address of the firm/AOP/BOI and the names, addresses and individual shares of each partner/member

## 5. IN THE CASE OF A TRUSTEE OF OR GUARDIAN OR AGENT FOR ANY OTHER PERSONS, attach statements showing the names and addresses of such other persons

## 6. IF THE ASSESSEE HAS PAID DURING THE PREVIOUS YEAR, rent, commission royalty or brokerage or any annuity (not being annuity assessable under the head "Salaries") exceeding one thousand rupees, attach separate statements (according to nature of payment) showing the names and addresses of the payees and the amounts paid. If any payee is a non resident, indicate whether tax has been deducted at source and paid to the credit of the Central Government

## 7. A DEALER, BROKER, AGENT OR ANY PERSON concerned in the management of a Stock or Commodity Exchange should furnish a statement of the names and addresses of all persons to whom he or the Exchange has paid in the previous year any sum or aggregate sums (a) in excess of Rs. 2,000 by way of 'difference', and (b) in excess of Rs. 10,000 in connection with the transfer, whether by way of a sale, exchange or otherwise, of assets, or on whose behalf or from whom he or the Exchange has received any such sum, together with particulars (amount date, etc.) of all such payments and receipts

8. If the assessee is liable to deduct tax at source under section 192, 193, 194A, 194B, 194BB, 194C, 194D or 195, please furnish the information on the following points :—
- The amount of tax deducted at source,
  - Whether such tax has been paid to the Central Government.
  - Whether the prescribed returns have been furnished to the ITO concerned.

NOTE 1. The income chargeable under the head "Salaries" should be computed in the manner indicated below in a statement to be attached with the return, namely :—

- Salary including arrears or advance of salary, bonus, wages, fees, commission, pension (including commuted value of pension) annuity and gratuity due, paid or allowed during the previous year, to the extent these are not exempt from tax.
- Other cash allowances/payments, to the extent these are not exempt from tax—(a) House rent allowance (b) Conveyance allowance (c) Entertainment allowance (d) Other items; (give details) (e) Total of items (a) to (d), (3) Value of perquisites provided by employer : (a) Free or concessional accommodation—sec. 17(2)(i) & (ii); (b) free or concessional benefit/amenities—sec. 17(2) (iii) (See Note below) e.g. (i) Conveyance—rule 3(e); (ii) Gas, electricity and water—rule 3(d); (iii) domestic or personal services; (iv) personal travelling, (v) any other items (give details); (vi) total of items (i) to (v); (c) payments by employer in respect of obligation of assessee (including children's education, income-tax, etc.) and sums payable by employer for the life insurance or annuity—sec. 17(2) (iv) & (v); (d) total of (a), (b) and (c); (4) Profits in lieu of or in addition to salary or wages and any other income chargeable under the head "Salaries" (give details); (5) Total of items (1) to (4); (6) Deductions in respect of : (a) standard deduction : sec. 16(i); (b) Entertainment allowance; sec. 16(ii); (c) Total of sub-items (a) & (b); (7) Net income assessable under the head "Salaries" carried to item 1 on page 1.

NOTE : Item 3 (b) to be filled in only by Directors, employees having a substantial interest in the employer company and other employees whose income under the head "Salaries" exclusive of non-monetary benefits/amenities exceed Rs. 18,000.

NOTE 2. The following particulars and computation of income chargeable under the head "Interest on securities" should be furnished in a statement attached with this return, namely :

#### General particulars

- Particulars of securities (ii) face value (iii) gross amount of interest due or received during the year (give separate details regarding Government securities, and debentures and other securities) (iv) amount of tax deducted at source (v) remarks, e.g. in the case of a tax-free security enter the words "Tax free" in this column.

#### Computation of Income

[To be given separately for Government securities, and debentures and other securities]

- Gross amount due or received [from item (iii) of the general particulars] (ii) Less : (a) expenses for realising interest—sec. 19(i) and (b) interest on moneys borrowed—sec. 19(ii); (iii) Net amount of interest on securities carried to item 2 on page 1 being (i) minus (ii).

NOTE 3. The following particulars should be given in regard to the income chargeable under the head "Profits and gains of business or profession" in a statement to be attached with the return of income, namely :—

#### (1) General Particulars

- Name in which business or profession is carried on; (ii) address of principal place of business or profession, (iii) name and address of branches; (iv) nature of business or profession; (v) method of accounting, please state whether Mercantile/Cash/Mixed and (vi) method of stock valuation.
- If regular books of account are maintained, copies of—
  - manufacturing account, trading account, profit and loss account or income and expenditure account or any other similar account and balance sheet;
  - in the case of—
    - a proprietary business or profession, the personal account of the proprietor;
    - a firm, association of persons or body of individuals, personal accounts of the partners or members;
    - a partner or member of a firm, association of persons or body of individuals, his personal account in the firm, association of persons or body of individuals;
  - where the accounts of the assessee have been audited copies of the audited profit and loss account and balance sheet and the auditor's report.
- If regular books of account are not maintained, attach a statement indicating the amounts of turnover or gross receipts, gross profits, expenses and net profit of the business or profession and the basis on which such amounts have been computed and disclosing the amounts of the total sundry debtors, sundry creditors, stock-in-trade and cash balance as at the end of the previous year.
- Additional information to be furnished by assessees engaged in contract work.
  - If the value of materials supplied by the person with whom the contract was made or the amount of security deposit (out of the payment due for work done) retained by him has not been included in the gross receipts shown, state here the amount thereof.  
Value of materials. .... Security deposit. ....

(b) Has information regarding building or supply contracts been furnished to the Income-tax Officer concerned under section 285A \*Yes/No

(x) Additional information to be furnished by producers of cinematograph films.  
Has statement of payments to persons engaged in the production of cinematograph films been delivered to the Income-tax Officer concerned under section 285B ? \*Yes/No

(2) Computation of Assessable Profit/Loss from business or Profession for the previous year :

1. Net profit or loss as per P&L Account, etc., exclusive of shares in profits of a firm/association of persons or body of individuals.

Add (Deduct if the above figure is a loss)

2. Amounts debited to P&L Account, etc. in respect of (a) losses of earlier year(s), (b) income-tax, penalty, etc. (c) personal expenditure including charity and presents, (d) capital expenditure, (e) expenses, allowances and payments not deductible under section 40(a), 40A(5) or (6) (give details), (f) interest, salary, etc., to partners—sec. 40(b), (g) expenditure not admissible under section 40A(2), (h) expenditure claimed as deduction elsewhere in this return, (i) depreciation—considered separately, (j) investment allowance, development rebate and development allowance considered separately (Attach Form Nos. 5 and 5A), (k) reserve or provision for bad debts, (l) interest credited to any reserve or any fund.

3. Other expenses, etc., debited to P. & L. Account, etc., to the extent not admissible :

(a) rent, rates, taxes, repairs and insurance premium of assets not used wholly for business—sec. 30/31, (b) loss on sale of assets—sec. 32(1)(iii) (give details), (c) rehabilitation allowance—sec. 33B, (give details), (d) expenditure on scientific research or sums paid to scientific research associations, etc. —sec. 35 (give details), (e) expenditure on patent rights or copyrights—sec. 35A, (f) rural development allowance—sec. 35CC, (g) expenditure by way of payment to associations and institutions for carrying out rural development programmes or for training of persons for implementing such programmes—sec. 35CCA, (h) preliminary expenses—sec. 35D (attach Form No. 3B), (i) expenditure on prospecting for and development of minerals—sec. 35E (attach Form No. 3B) (give details), (j) payment of loans to the extent not admissible—sec. 36(1)(ii), (h) contribution to provident, superannuation or gratuity fund—sec. (1) (iv) & (v), (l) entertainment expenditure—sec. 37(2) and (2A), (m) expenditure on advertisement in any souvenir, brochure, etc., published by a political party—sec. 37(B) (give details), (n) other expenditure on advertisement and on maintenance of guest houses and travelling of employees—sec. 37(3) and (4)/rules 6B and 6D (give details), (o) adjusted expenditure on advertisement, publicity and sales promotion—sec. 37(3A) (give details) [applicable for assessment years 1979-80 and 1980-81 only], (p) expenditure incurred otherwise than by crossed cheques—sec. 40A(3)/rule 6DD (give details), (q) provisions made for payment of gratuity—sec. 40A(7), (r) any other provision/reserve/other expenditure not allowable under section 28 to 44C.

4. Amounts not credited to P & L Account, etc. (a) profit chargeable under section 41(1), (3) and (4) (give details), (b) profit chargeable under section 41(2) and (2A) (give details), (c) any other chargeable profit or gain (give details).

5. Total of items 1 to 4.

Deduct : (Add if the figure in item 5 is negative)

6. Depreciation computed as per (3) below.

7. Income chargeable under heads other than "Profits and gains or business or profession or income already charged to tax in an earlier year credited to P & L Account, etc.:

8. Deduction in respect of expenditure on scientific research/export markets development allowance/agricultural development allowance admissible in excess of amount debited to P & L Account, etc.—secs. 35, 35B and 35C.

9. Any other expenditure/deduction claimed under sections 28 to 44C (give details).

10. Total of items 6 to 9.

11. Balance profit/loss (5 minus 10).

- (3) The following particulars should be given in a statement attached with the return in respect of depreciation allowance and investment allowance, namely: (i) description of assets (in respect of building, indicate whether the building is taken on lease or is owned by the assessee); (ii) written down value of existing assets; (iii) actual cost of assets acquired during the previous year; (iv) capital expenditure on additions or alterations; (v) period of user (only where return relates to assessment year 1969-70 or any earlier year); (vi) amount of moneys payable and scrap value in respect of assets sold, discarded, demolished or destroyed; (vii) amount on which depreciation is allowable [total of items (ii) to (iv) exclusive of amounts relating to assets referred to in item (vi)] (viii) rate of depreciation; (ix) total number of days worked (to be

furnished only if extra shift allowance is claimed); (x) total number of days worked—double shift and triple shift (to be furnished only if extra shift allowance is claimed); (xi) depreciation claimed—(a) initial depreciation; (b) normal depreciation (including extra depreciation for approved hotels); (c) additional depreciation; (d) extra shift allowance—double shift and triple shift; (xii) total depreciation; (xiii) investment allowance claimed (also indicate rate); (xiv) remarks (indicate the amount of initial depreciation, investment allowance or development rebate allowed in respect of the asset in an earlier year).

NOTE 4. The following particulars should be given in respect of dividend income and computation of income chargeable under the head "Income from other sources" in a separate statement to be attached with the return, namely :—

#### Statement of dividends

(i) Name of the company; (ii) number of shares; (iii) gross amount of dividends; (iv) tax deducted at source

#### Computation of income

[Details should be given in respect of (i) gross income (ii) expenditure claimed and (iii) net income being (i) minus (ii)]

(a) Dividends; (b) Interest other than interest on securities or interest chargeable as profits of business; (c) other items being total of (i) value of benefit or perquisite—sec. 2(24) (iv); (ii) value of benefit or perquisite in the case of a beneficiary or trustee of a trust—sec. 2(24) (iva); (iii) winnings from lotteries, crossword puzzles, races etc.—section 56(2) (ib); (iv) hiring of machinery, plant, furniture or buildings—sec. 56(2) (ii) & (iii); (v) annuity or its commuted value—sec. 280D; (vi) profits chargeable to tax under section 59; (d) the net income in respect of (a), (b) and (c) shall be carried to item 6(a), 6(b) and 6(c) on page 2.

NOTE 5. The net agricultural income has to be computed in accordance with the rules in the relevant Finance Act in the following manner, namely :—

(a) Rent or revenue derived from land used for agricultural purposes, (b) income from any building required as a dwelling house by the cultivator, etc. (c) other agricultural income not being income from sale of tea referred to in item (d); (d) sixty per cent. of the income from sale of tea grown and manufactured in India; (e) share of agricultural income from registered firm/unregistered firm/association of persons, etc., computed in accordance with the rules for computation of net agricultural income in the relevant Finance Act; (f) aggregate of items (a) to (e) (subject to adjustment of losses in accordance with the rules for computation of net agricultural income in the relevant Finance Act); (g) less : Agricultural income-tax payable to the State Government on the agricultural income of the previous year; (h) net agricultural income being (f) minus (g) carried to item 12 on page 2.

NOTE 6. Before signing the declaration, the signatory should satisfy himself that the return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects.

Any person making a false statement in this return or the accompanying annexures or statements shall be liable to prosecution under section 277 of the Income-tax Act, 1961 and on conviction be punishable—

- (i) in a case where the tax sought to be evaded exceeds one lakh rupees, with rigorous imprisonment which shall not be less than six months but which may extend to seven years and with fine;
- (ii) in any other case, with rigorous imprisonment which shall not be less than three months but which may extend to three years and with fine.

NOTE 7. The following particulars/computation of income chargeable under the head "Income from house property" for each house property may be furnished in a statement attached with this Return, namely :—

### 1. SELF—OCCUPIED PROPERTY

#### General Particulars.

(a) Location of property; (b) Annual municipal valuation.

#### Computation of income

(a) Amount for which the property might reasonably be expected to let from year to year—sec. 23(1); (b) municipal taxes—first proviso to section 23(1); (c) balance being (a) minus (b); (d) if property owned by co-owners, such co-owners' share in (c); (e) balance being (c) minus (d); (f) deduct one half of the balance at (e) or Rs. 1800, whichever is less; (g) the amount arrived at by deducting (f) from (e) being limited to ten per cent of the gross total income exclusive of income relating to self-occupied property—proviso to sec. 23(2); (h) deduction for property neither let nor occupied (applicable where the assessee owns one residential house only)—sec. 23(3); (i) annual value of self-occupied property; (j) deductions: (i) Repairs 1/6th of the annual value—sec. 24(1) (i); (ii) insurance—sec. 24(1) (ii); (iii) ground rent—sec. 24(1) (iv); (iv) interest on borrowed capital—sec. 24(1)(v); (v) land revenue etc.—sec. 24(1) (vi); (vi) irrecoverable rent for earlier years—sec. 24(1) (ix); (k) total of deductions; (l) Net chargeable income from self-occupied property being (i) minus (k).

## II. INCOME FROM OTHER PROPERTY (NET OF PROPERTY)

## General Particulars

(a) Location of the property; (b) Annual municipal valuation.

## Computation of Income

(a) Amount for which the property might reasonably be expected to let from year to year or where property is let and the annual rent received or receivable exceeds the said amount, such rent—sec. 23(1); (b) Deductions : (i) amount of municipal taxes borne by the owner—1st proviso to sec. 23(1)—(ii) allowance for newly constructed property—2nd proviso to sec. 23(1) (c) annual value being (a) minus (b); (d) deduction : (i) Repairs 1/6th of the annual value—sec. 24(1)(i)—(ii) insurance—sec. 24(1) (ii); (iii) interest on mortgage or capital charge—sec. 24(1)(iii); (iv) annual charge—sec. 24(1) (iv); (v) ground rent—sec. 24(1) (v); (vi) interest on borrowed capital—sec. 24(1) (vi); (vii) land revenue sec. 24(1) (vii); (viii) collection charges limited to 6% of annual value at (c)—sec. 24(1) (viii); (ix) vacancies—sec. 24(1) (ix); (x) irrecoverable rent—sec. 24(1) (x) and rule 4; (e) total of deductions in (d); (f) net chargeable income from other property being (a) minus (e).

NOTE 8.

## CAPITAL GAINS

## General Particulars

The following particulars regarding the income chargeable under the head "Capital gains" arising from the transfer of the capital assets resulting in capital gains should be given in respect of each asset :

(a) Description of asset; in case of immovable property, location thereof; (b) date of acquisition; (c) date of transfer; (d) name and address of the transferee; indicate relationship or connection, if any, with the assessee.

## Computation of Capital Gains

(a) Full value of consideration for the transfer; (b) Deductions : (i) cost of acquisition or the market value of the asset as on 1st January, 1964—sec. 49, 50 & 51; (ii) cost of improvement of capital asset—sec. 55(1) (b); (iii) expenditure in connection with the transfer—sec. 48(i); (c) total of deductions in (b); (d) amount of capital gains (a) minus (c).

If the assessee has claimed any exemption of capital gains under sections 53, 54, 54B and 54D or 54E, a statement should be attached giving particulars of the fulfilment of the conditions specified in the relevant section for the exemption.

NOTE 9. If the assessee has any income by way of interest on tax-free securities or any other income on which a rebate of tax is admissible, or has income which is included in the total income on which double taxation relief is claimed under section 90 or 91, the assessee should give details thereof in a separate statement.

NOTE 10. Where a deposit has been made under the Compulsory Deposit Scheme (Income-tax Payers) Act, 1974 for the assessment year, the receipt issued by the deposit office should be forwarded along with the return.

FORM NO. 3

## RETURN OF INCOME

INCOME-TAX ACT, 1961.

RULE 12(1) (b) (iii)

For assessee (other than companies and those deriving income from property held for charitable or religious purposes claiming exemption under section 11) whose total income does not include "Profits and gains of business or profession."

For use in Income-tax Office

Name in block letters

Assessment year

Office address

Telephone

Previous Year(s) ending on

Residential address

Telephone

Permanent Account Number

State whether

\*Individual/Hindu undivided family/firm/association of persons/body of individuals/artificial juridical person.

State whether

\*Resident

Resident but not ordinarily resident

Non-resident

If this is a revised return, please state the date of filing the previous return :

\*Strike out whichever is not applicable.

**PART I. STATEMENT OF TOTAL INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE IN ASSESSEE'S TOTAL INCOME AND NET AGRICULTURAL INCOME**

Head of Income	Income/Loss (Rs.) (If nil, write NIL)
1. SALARIES (ANNEXURE-A)	
2. INTEREST ON SECURITIES (See Note 1)	
3. INCOME FROM HOUSE PROPERTY (ANNEXURE-B)	
4. CAPITAL GAINS (ANNEXURE-C) (a) Relating to short-term capital assets.	
(b) Relating to other capital assets*	
* (i) lands or buildings or any rights therein	
(ii) Other assets	
5. INCOME FROM OTHER SOURCES	
(a) Dividends	
(b) Interest	
(c) Other items	
(See Note 2)	
6. Aggregate of items 1 to 5	
7. Deduct : Unabsorbed depreciation allowance brought forward from earlier years relating to machinery, plant or furniture or building let on hire.	
8. GROSS TOTAL INCOME	
9. Less : Admissible deductions. (ANNEXURE-D)	
10. TOTAL INCOME (as rounded off to the nearest multiple of ten rupees—sec. 288A).	
(a) in figures	
(b) in words	
11. NET AGRICULTURAL INCOME (See Note 3)	
12. Income included in items 1 to 5 being income arising to spouse/minor child/son's wife/son's minor child or any other person as referred to in Chapter V of the Act.	

**PART II. STATEMENT OF TAXES**

**TAX ON TOTAL INCOME**

[Attach statement showing the computation of tax on total income]

**PREF-ASSESSMENT TAXES**

**A. TAX DEDUCTED AT SOURCE**

(Attach certificates)

1. Salaries	
2. Interest on securities	
3. Other interest	
4. Dividends	
5. Any other items	
(Please specify)	

**TOTAL Rs.**

\* Strike out whichever is not applicable.

**B. ADVANCE TAX**

(Attach chalangis)

Date of payment

Amount

.....	.....
.....	.....
.....	.....

TOTAL Rs.

**C. TAX ON SELF ASSESSMENT**

(Attach chalangis)

Date of payment

Amount

.....	.....
-------	-------

Rs.

TOTAL OF A, B, &amp; C.

**PART III. PARTICULARS OF INCOME CLAIMED TO BE EXEMPT FROM TAX AND NOT INCLUDED IN PART I.**

Particulars

Amount

Reasons why not  
Taxable**PART IV. STATEMENT REGARDING DEFAULTS IN FURNISHING THE RETURN OF INCOME OR PAYMENT OF ADVANCE TAX OR COMPULSORY DEPOSIT**

1. If there has been delay in furnishing the return of income within the statutory time limit, please indicate whether the application in Form No. 6 has been filed? \*Yes/No
2. If yes, please state the date of application and receipt number.
3. If there has been a default in furnishing the return of income or in payment of advance tax or the compulsory deposit, the reasons therefor should be given in a separate statement to be attached with the return.

**VERIFICATION (See Note 4)**

I, ..... (Name in full and in block letters)  
 \*son/daughter/wife of ..... solemnly declare that to the best of my knowledge  
 and belief, the information given in this return and the annexures and statements accompanying it is correct and complete and that the  
 amount of total income and other particulars shown therein are truly stated and relate to the previous year(s) relevant to the assessment  
 year 19 .....

I, further solemnly declare that during the said previous year(s)—

- (a) no other income accrued or arose to or was received by me from any asset held in my name or in the name of any other person;
- (b) there is no other income, including income of any other persons, in respect of which I am chargeable to tax under the Income-tax Act, 1961.

\*I further solemnly declare that during the said previous year(s)—

- (a) no other income accrued or arose to or was received by \*the person for and on whose behalf this return is furnished/(the person in respect of whose total income I am assessable from any asset held in \*the name of the person for and on whose behalf this return is furnished/(the name of the person in respect of whose total income I am assessable, or in the name of any other person;
- (b) there is no other income, including income of any other person, in respect of which the said person is chargeable to tax under the Income-tax Act, 1961.

\*I further declare that I am making this return in my capacity as ..... and that I am competent  
 (Designation)  
 to make this return and verify it.

(Signature)

Place .....

Date .....

\*Strike out whichever is not applicable.

## ANNEXURE A—SALARIES

## PART I

## COMPUTATION OF INCOME FROM SALARIES RECEIVED FROM GOVERNMENT

Salary including arrears or advance of salary, bonus, wages, fees, pension including commuted value of pension, annuity and gratuity due, paid or allowed during the previous year and house rent allowance or other cash allowance/payments and perquisites to the extent these are not exempted from tax.

Less :

- |                                |             |       |
|--------------------------------|-------------|-------|
| (i) Standard deduction :       | Sec. 16 (i) | _____ |
| (ii) Entertainment allowance : | Sec. 16(ii) | _____ |

TOTAL

Net income assessable under the head "Salaries" carried to item 1 on page 1.

## PART II

## COMPUTATION OF INCOME FROM OTHER SALARIES

1. Salary including arrears or advance of salary, bonus, wages, fees, commission, pension (including commuted value of pension), annuity and gratuity due, paid or allowed during the previous year, to the extent these are not exempted from tax.

2. Other cash allowances/payments, to the extent these are not exempted from tax.

- |                             |       |
|-----------------------------|-------|
| (a) House rent allowance    | _____ |
| (b) Conveyance allowance    | _____ |
| (c) Entertainment allowance | _____ |
| (d) Other items :           | _____ |
| (Give details)              | _____ |

TOTAL

3. Value of perquisites provided by employer :

(a) Free or concessional accommodation—Sec. 17(2)(i) & (ii).

(b) Free or concessional benefits/amenities—Sec. 17(2)(iii) (see Note below) e.g.

(i) Conveyance—rule 3(c). . . . .

(ii) Gas, electricity and water—rule 3(d). . . . .

(iii) Domestic or personal services. . . . .

(iv) Personal travelling. . . . .

(v) Any other items (give details). . . . .

(c) Payments by employer in respect of obligations of assessee (including children's educations, income-tax etc.) and sums payable by employer for life assurance or annuity— Sec. 17 (2) (iv) & (v)

Total of (a), (b) and (c)

4. Profits in lieu of or in addition to salary or wages and any other income chargeable under the head "Salaries". (Give details).

5. Total of items 1 to 4

## 6. Deductions in respect of :

(a) Standard deduction : Sec.16(i) . . . . .

(b) Entertainment allowance : Sec.16(ii) . . . . .

Total of sub-items (a) &amp; (b) \_\_\_\_\_

7. Net income assessable under the head "Salaries" carried to item 1 on page 1.

NOTE: Item 3(b) to be filled in only by directors, employees having a substantial interest in the employer company and other employees whose income under the head "Salaries" (excluding non-monetary benefits/amenities) exceeds Rs. 18,000.

## ANNEXURE B [See Note 5]

## COMPUTATION OF PROPERTY INCOME

1. Net chargeable income from self-occupied property.

2. Net chargeable income from other property.

3. Total net chargeable income carried to item 3 on page 1.

## ANNEXURE C : CAPITAL GAINS [See Note 6]

Capital gains relating to short-term capital assets

Less: Amount exempt under Sections 53, 54 or 54B

Net amount carried to part (a) of item 4 on page 2

Capital gains relating to capital assets other than short-term capital assets

Less : Amount exempt under Sections 53, 54, 54B or 54E

Balance:

Add : Amount deemed to be income chargeable under the head "Capital gains"  
Sec. 54E(2)

Net amount carried to part (b) of item 4 on page 2

## ANNEXURE D : DEDUCTIONS [See Note 7]

## PARTICULARS

Gross Amount

Qualifying  
amountAmount of  
deduction

1. Payments on which deduction under Section 80C is available :

(i) Provident fund

(ii) Life Insurance premium

(iii) Others (please specify)

2. Income on which deduction under Section 80L is available :

(i) Interest on securities.

(ii) Bank interest.

(iii) Dividends on shares

(iv) Others.

(Please specify)

3. Donations to which Section 80G applies.

4. Other deductions, if any (Give details).

Total amount of deduction carried to item 9 on page 2.

## ANNEXURE E : STATEMENT OF OTHER PARTICULARS TO BE FURNISHED UNDER SECTION 133/139

## 1. IN THE CASE OF AN INDIVIDUAL :

- (i) State whether a citizen of India.
- (ii) If a member of a Hindu undivided family give the name and address of the family.

2. IN THE CASE OF A HINDU UNDIVIDED FAMILY, whether the family has at least one member whose total income assessable for the assessment year exceeds the maximum amount which is not chargeable to income-tax? If the reply to this question is in the negative, please attach declaration to this effect from all members of the Hindu undivided family.

3. IN THE CASE OF A FIRM/AOP/BOI, attach a statement showing the names and addresses of partners (including minors admitted to the benefits of partnership), members, their individual shares and *inter se* relationship, if any.

4. IN THE CASE OF A PARTNER/MEMBER OF A FIRM/AOP/BOI, attach a statement showing the name and address of the firm/AOP/BOI and the names, addresses and individual shares of each partner/member.

5. IN THE CASE OF A TRUSTEE OR OR GUARDIAN OR AGENT FOR any other person(s), attach statements showing the names and addresses of such other persons.

NOTE 1. The following particulars and computation of income chargeable under the head "Interest on securities" should be furnished in a statement attached with this return, namely:—

**General particulars:**

- (i) Particulars of securities; (ii) face value, (iii) gross amount of interest due or received during the year (give separate details regarding Government Securities and debentures and other securities); (iv) amount of tax deducted at source; (v) Remarks, e.g., in the case of a tax-free security enter the word "Tax-free in" this column.

**Computation of income:**

[To be given separately for Government securities and debentures and other securities].

- (i) Gross amount due or received [from item (iii) of the general particulars] (ii) Less: (a) expenses for realising interest—sec. 19(i); (b) interest on moneys borrowed—sec. 19(ii), (c) net amount of interest on securities carried to item 2 on page 1 being (i) minus (ii).

NOTE 2. The following particulars should be given in respect of dividend income and computation of income chargeable under the head "Income from other sources" in a separate statement to be attached with the return, namely:—

**Statement of dividends:**

- (i) Name of the company; (ii) number of shares; (iii) gross amount of dividends; (iv) tax deducted at source.

**Computation of income:**

[Details should be given in respect of (i) gross income, (ii) expenditure claimed and (iii) net income being (i) minus (ii)]

- (a) Dividends; (b) Interest other than interest on securities or interest chargeable as profits of business; (c) other items being total of (i) value of benefit or perquisite—sec. 2(24) (iv); (ii) value of benefit or perquisite in the case of a beneficiary or trustee of a trust—sec. 2(24) (va); (iii) winnings from lotteries, crossword puzzles, races etc.—sec. 56(2) (b); (iv) hiring of machinery, plant, furniture or buildings—sec. 56(2) (ii) & (iii), (v) annuity or its commuted value—sec. 280D; (vi) profits chargeable to tax under section 59; (d) the net income in respect of (a), (b) and (c) shall be carried to items 5(a), 5(b) and 5(c) on page 1.

NOTE 3. The net agricultural income has to be computed in accordance with the rules in the relevant Finance Act in the following manner, namely:—

- (a) Rent or revenue derived from land used for agricultural purposes; (b) income from any building required as a dwelling house by the cultivator, etc. (c) other agricultural income not being income from sale of tea referred to in item (d); (d) sixty per cent. of the income from sale of tea grown and manufactured in India; (e) share of agricultural income from registered firm/unregistered firm association of persons, etc., computed in accordance with the rules for computation of net agricultural income in the relevant Finance Act; (f) aggregate of items (a) to (e) (subject to adjustment of losses in accordance with the rules for computation of net agricultural income in the relevant Finance Act); (g) less: Agricultural income-tax payable to the State Government on the agricultural income of the previous year; (h) net agricultural income being (f) minus (g).

NOTE 4. Before signing the declaration, the signatory should satisfy himself that the return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects.

Any person making a false statement in this return or the accompanying annexures or statements shall be liable to prosecution under section 277 of the I.T. Act, 1961, and on conviction be punishable—

- (i) in a case where the tax sought to be evaded exceeds one lakh rupees with rigorous imprisonment which shall not be less than six months but which may extend to seven years and with fine
- (ii) in any other case, with rigorous imprisonment which shall not be less than three months but which may extend to three years and with fine

NOTE 5 The following particulars computation of income chargeable under the head "income from house property" for each house property may be furnished in a statement attached with this return, namely

### 1 SELF-OCCUPIED PROPERTY

#### General particulars

- (a) Location of property, (b) Annual municipal valuation

#### Computation of income

- (a) Amount for which the property might reasonably be expected to let from year to year—sec 23(1), (b) municipal taxes—first proviso to sec 23(1), (c) balance being (a) minus (b), (d) if property owned by co-owners, such co-owners' share in (c) (e) balance being (c) minus (d), (f) deduct one half of the balance at (c) or Rs 18 00, whichever is less, (g) the amount arrived at by deducting (f) from (e) being limited to ten per cent of the gross total income exclusive of income relating to self-occupied property—proviso to sec 23(2), (h) deduction for property neither let nor occupied (applicable where the assessee owns one residential house only)—sec 23(3) (i) annual value of self-occupied property (j) deductions (i) Repairs 1/6th of the annual value—sec 24(1)(i), (ii) insurance—sec 24(1)(ii) (iii) interest on mortgage or capital charge—sec 24(1)(iii) (upto assessment year 1968-69), (iv) annual charge—sec 24(1)(iv) (v) ground rent—sec 24(1)(v), (vi) interest on borrowed capital—sec 24(1)(vi), (vii) land revenue, etc.—sec 24(1)(vii), (viii) irrecoverable rent for earlier years—sec 24(1)(viii), (k) total of deductions, (l) Net chargeable income from self-occupied property being (i) minus (k)

### II INCOME FROM OTHER PROPERTY (LET OUT PROPERTY)

#### General Particulars

- (a) Location of the property, (b) Annual municipal valuation

#### Computation of income

- (a) Amount for which the property might reasonably be expected to let from year to year or where property is let and the annual rent received or receivable exceeds the said amount, such rent—sec 23(1), (b) Deductions (i) amount of municipal taxes borne by the owner—1st proviso to sec 23(1) (ii) allowance for newly constructed property—2nd proviso to sec 23(1) — (c) annual value being (a) minus (b), (d) deduction (i) Repairs 1/6th of the annual value—sec 24(1)(i) (ii) insurance—sec 24(1)(ii), (iii) interest on mortgage or capital charge—sec 24(1)(iii) (upto assessment year 1968-69), (iv) annual charge—sec 24(1)(iv), (v) ground rent—sec 24(1)(v); (vi) interest on borrowed capital—sec 24(1)(vi), (vii) land revenue, etc.—sec 24(1)(vii), (viii) collection charges limited to 6% of annual value at (c)—sec 24(1)(viii), (ix) vacancies—sec 24(1)(ix) (x) irrecoverable rent—sec 24(1)(x); (e) total of deductions in (d), (f) net chargeable income from other property being (c) minus (e)

NOTE 6

### CAPITAL GAINS

#### General particulars

The following particulars regarding the income chargeable under the head "Capital gains" arising from the transfer of the capital assets resulting in capital gains should be given in respect of each asset

- (a) Description of asset, in case of immovable property, location thereof, (b) date of acquisition; (c) date of transfer, (d) name and address of the transferee, indicate relationship or connection, if any, with the assessee

#### Computation of capital gains

- (a) Full value of consideration for the transfer, (b) Deductions (i) cost of acquisition or the market value of the asset as on 1st January, 1964—secs 49, 50 & 51 (ii) cost of improvement of capital asset—sec 55(1)(b); (iii) expenditure in connection with the transfer—sec 48(1), (c) total of deductions in (b); (d) amount of capital gains (a) minus (c) If the assessee has claimed any exemption of capital gains under sections 53, 54, 54B or 54F, a statement should be attached giving particulars of the fulfilment of the conditions specified in the relevant section for the exemption

NOTE 7 If the assessee has any income by way of interest on tax-free securities or any other income on which a rebate of tax is admissible, or has income which is included in the total income on which double taxation relief is claimed under section 90 or 91, the assessee should give details thereof in a separate statement

NOTE 8 Where a deposit has been made under the Compulsory Deposit Scheme (Income-tax Payers) Act, 1974 for the assessment year, the receipt issued by the deposit office should be forwarded along with the return

## RETURN OF INCOME

FORM NO.3A

For use in Income-tax Office

INCOME-TAX  
ACT, 1961.For assessee including companies claiming exemption under  
section 11

RULE 12(1)(c)

Name in block letters

Assessment year

Office address :

Telephone

Previous year(s) ending on

Residential address

Telephone

Permanent Account Number

State whether \*individual/company/firm/association of persons/body  
of individuals or artificial juridical person.State whether  
\*Resident

Resident but not ordinarily resident

Non-resident

If this is a revised return, please state the date of filing the previous return.

Whether registered with Commissioner-  
sec. 12A(a).

Is the report of audit referred to in section 12A(b) attached ? \*Yes No

\*Yes/No

PART I . STATEMENT OF TOTAL INCOME AND NET AGRICULTURAL  
INCOME.

## HEAD OF INCOME

Income/Loss (Rs.)  
(If nil, write 'NIL')

1. INTEREST ON SECURITIES [See Note 1]

2. INCOME FROM HOUSE PROPERTY [See Note 2]

3. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS (a) Share in profits of a registered firm—  
OR PROFESSION ANNEXURE A(b) Share in profits of an unregistered firm,  
AOP/BOI—ANNEXURE A[Income/loss from speculation business to be (c) Any sum received in respect of a dis-  
stated separately against (a), (b), (c) and (d)] continued business— sec.176(d) Business or profession exclusive of  
items (a), (b) & (c) [See No. 3]4. CAPITAL  
GAINS.

(a) Relating to short-term capital assets :

(b) Relating to other capital assets .

(ANNEXURE B) (i) lands or buildings or any rights therein

(ii) other assets.

5. INCOME FROM  
OTHER  
SOURCES

(a) Dividends

(b) Interest

(c) Voluntary contributions.

(d) Other items.

[See Note 4]

6. Aggregate of items 1 to 5

\*Strike out whichever is not applicable

7. Deduct : (a) Unabsorbed losses/allowances brought forward from earlier years—under sections 32(2), 35(1) and 72 to 79
- (b) Investment allowances, development rebate, development allowance under section 32A(3)/33(2) 33A(2)

## 8. BALANCE

## 9. DEDUCT :

- (i) Amount applied to charitable or religious purposes in India during the previous year.

[See Notes 5 &amp; 6]

- (ii) Amount deemed to have been applied to charitable or religious purposes in India during the previous year clause 2 of the Explanation to sec.11(1)

[See Notes 5 &amp; 6]

- (iii) Amount\* accumulated or set apart/finally set apart, for application to charitable or religious purposes to the extent it does not exceed 25 per cent. of the income derived from property held in trust \*wholly/in part only, for such purposes

- (iv) Amount eligible for exemption under section 11(1)(c)—(Give details).

- (v) Amount in addition to the amount referred to in (iii) above, accumulated or set apart for specified purposes if all the conditions in section 11(2) are fulfilled.

[See Note 7]

- (vi) Total of (i) to (v)

[See Note 8]

## 10. BALANCE

## 11. Add :

- (i) Income chargeable under section 11 (1B)
- (ii) Income chargeable under section 11(3)
- (iii) Income in respect of which exemption under section 11 is not available by reason of the provisions of sec.13.

[ANNEXURE C]

## 12. GROSS TOTAL INCOME (10 plus 11)

## 13. Less : Admissible deductions : (Annexure D)

## 14. TOTAL INCOME (as rounded off to the nearest multiple of ten rupees—sec.288A)

(a) in figures

(b) in words

## 15. NET AGRICULTURAL INCOME [See Note 9]

## PART II : STATEMENT OF TAXES

## TAX ON TOTAL INCOME

[Attach a statement showing the computation of tax payable on total income]

## PRE-ASSESSMENT TAXES

A. TAX DEDUCTED AT SOURCE  
(attach certificates)

1. Interest on securities
2. Other interest

\*Strike out whichever is not applicable.

3. Dividends

4. Any other income.  
(Please specify)

TOTAL Rs.

B. ADVANCE TAX

(Attach challan)

Date of payment

Amount

.....

.....

.....

TOTAL Rs.

C. TAX ON SELF ASSESSMENT

(Attach challan)

Date of payment

Amount

..... Rs.

TOTAL OF A, B and C

PART III. PARTICULARS OF INCOME CLAIMED TO BE EXEMPT  
FROM TAX AND NOT INCLUDED IN PART I :

PARTICULARS

AMOUNT

REASONS WHY NOT  
TAXABLEPART IV: STATEMENT REGARDING DEFAULTS IN FURNISHING  
THE RETURN OF INCOME OR PAYMENT OF ADVANCE  
TAX OR COMPULSORY DEPOSIT.

1. If there has been delay in furnishing the return of income, within the statutory time limit, please indicate whether the application in Form No.6 has been filed.
2. If yes, please state the date of application and receipt number.
3. If there has been a default in furnishing the return of income or in payment of advance tax or the compulsory deposit, the reasons therefor should be given in a separate statement to be attached with the return.

\*Yes/No

## C VERIFICATION [See Note 10]

I, ..... (Name in full and in block letters) \*son/daughter/wife of ..... solemnly declare that to the best of my knowledge and belief, the information given in this return and the annexures and statements accompanying it is correct and complete and that the amount of total income and other particulars shown therein are truly stated and relate to the previous year(s) relevant to the assessment year 19—.

I further solemnly declare that during the said previous year(s)—

(a) no other income accrued or arose to or was received by me from any asset held in my name;

(b) there is no other income, including income of any other person, in respect of which I am chargeable to tax under the Income tax Act, 1961.

\*I further solemnly declare that during the said previous year(s)—

(a) no other income accrued or arose to or was received by\* the person for and on whose behalf this return is furnished from any asset held in the name of the person for and on whose behalf this Return is furnished or in\* the name of any other person.

(b) there is no other income, including income of any other person, in respect of which the person for and on whose behalf this return is furnished is chargeable to tax under the Income-tax Act, 1961.

I further declare that I am making this return in my capacity as \_\_\_\_\_ and that I am competent to make this return and verify it. (designation)

(Signature)

Date \_\_\_\_\_

Place \_\_\_\_\_

\*Strike out whichever is not applicable.

## ANNEXURE A - PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION

## SHARE FROM A FIRM OR ASSOCIATION OF PERSONS OR BODY OF INDIVIDUALS

Business (other than speculation) and profession,      Speculation business.

## (A) Registered firms

1. Amount of share in profit/loss.
2. Deduct (Add, if the above figure is a loss)

Expenses claimed  
(Give details)

3. Net profit/loss, carried to item 3(a) on page 1.

## (B) Unregistered firms/associations of persons/bodies of individuals

1. Amount of share in profit/loss.
  2. Deduct (Add, if the above figure is a loss)
- Expenses claimed (Give details)

3. Net profit/loss, carried to item 3(b) on page 1.

## ANNEXURE B : CAPITAL GAINS [See Note 11]

Capital gains relating to short-term capital assets

Less : Amount exempt under section 53, 54, 54B or 54D

Net amount carried to part (a) of item 4

Capital gains relating to capital assets other than short-term capital assets.

Less : Amount exempt under sections 53, 54, 54B, 54D or 54E

Net amount carried to part (b) of item 4

## ANNEXURE C

## PART I— STATEMENT SHOWING THE INVESTMENT OF ALL FUNDS OF THE TRUST OR INSTITUTION AS ON THE LAST DAY OF THE PREVIOUS YEAR(S)

## SUB-PART A— INVESTMENTS HELD AT ANY TIME DURING THE PREVIOUS YEAR(S) IN CONCERN IN WHICH PERSONS REFERRED TO IN SECTION 13(3) HAVE A SUBSTANTIAL INTEREST.

Sl. No.	Name and address of the concern.	Where the concern is a company, No. and class of shares held.	Nominal value of the investment.	Income from the investment.	Whether the amount col. (4) exceeds 5% of the capital of the concern during the previous year, say Yes/No.
1	2	3	4	5	6

## TOTAL

## SUB-PART B— OTHER INVESTMENTS AS ON THE LAST DAY OF THE PREVIOUS YEAR(S)

Sl.	Name and address of the concern	Where the concern is a company, class of shares held	No. and nominal value of investment
1	2	3	4

## TOTAL

**PART II : INCOME IN RESPECT OF WHICH EXEMPTION U/S. 11 IS NOT AVAILABLE BY REASON  
OF THE PROVISIONS OF SECTION 13.**

Q.1 Does any of the following provisions of section 13(2) of the Income-tax Act apply in this case—

Clause (a)	.....	*Yes/No
Clause (b)	.....	*Yes/No
Clause (c)	.....	*Yes/No
Clause (d)	.....	*Yes/No
Clause (e)	.....	*Yes/No
Clause (f)	.....	*Yes/No
Clause (g)	.....	*Yes/No

Q.2 If there is any entry or entries in sub-part A of Part I of this Annexure, is the answer in Col. (6) against any of these entries in the affirmative? ..... \*Yes/No

Amount of income in respect of which exemption under section 11 is forfeited

@ Rs. ....

*(a)* CASE I. Where the answer is "Yes" against any item in Q. 1 or against Q. 2 or against both, enter here the whole of the amount in item 8 on page 2 [See Note below].

CASE II. Where the answer is "No" against all the items in Q. 1 and also against Q. 2 and there is an entry in sub-Part A of Part I of this Annexure, enter here total of the amount in col. (5) of sub-Part I of this Annexure. [See Note below]

CASE III. Where the answer is "No" against all the items in Q. 1 and Q. 2 and there is no entry in sub-Part A of Part I of this Annexure, enter "NIL" here.

NOTE :— the amount to be entered in Case I or Case II, as the case may be, should not exceed the aggregate of the amounts as claimed as deductions against items 9 (i), (ii) & (iii) on page 2.

**ANNEXURE D : DEDUCTIONS [See Note 12]**

PARTICULARS	Gross amount	Qualifying amount	Amount of deduction
1. Long-term capital gains relating to—			
(i) Land or building or any rights therein	.....		
(ii) Other assets—Sec. 80T.	.....		
2. Other deductions, if any (Give details)			
Total amount of deduction carried to item 13 on page 3.			

**ANNEXURE E : STATEMENT OF PARTICULARS REGARDING THE AUTHOR(S)/FOUNDER(S)/TRUSTEE(S)/  
MANAGER(S), ETC. OF THE TRUST OR INSTITUTION.**

Name(s) of author(s)/founder(s) and address(es), if alive

Date on which the trust was created or institution established.

Name(s) of the person (s) who was/were trustee(s)/manager(s) during the previous year(s)

Name(s) of persons(s) who has/have made substantial contribution to the trust/institution

Name(s) of relative(s) of author(s), founder(s), trustee(s), manager(s) and substantial contributor(s) and where any such author, founder, trustee, manager or substantial contributor is a Hindu undivided family, also the names of the members of the family and their relatives

\*Strike out whichever is not applicable.

## ANNEXURE F

## STATEMENT OF PARTICULARS TO BE FURNISHED UNDER SECTION 133/139.

1. IN THE CASE OF PARTNER/MEMBER OF A FIRM/AOP/BOI attach a statement showing the name and address of the FIRM/AOP/BOI and the names, addresses and individual shares of each partner/member.
2. IN THE CASE OF A TRUSTEE, GUARDIAN OR AGENT for any other person, attach statements showing the name and addresses of such other persons.
3. IF THE ASSESSEE HAS PAID/DURING THE PREVIOUS YEAR, rent, commission, royalty or brokerage or any annuity (not being an annuity assessable under the head "Salaries") exceeding one thousand rupees, attach separate statements (according to nature of payment) showing the names and addresses of the payees and the amounts paid. If any payee is a non-resident indicate whether tax has been deducted at source and paid to the credit of the Central Government.

NOTE 1. The following particulars and computation of income chargeable under the head "Interest on securities" may be furnished in statement attached with this return, namely :—

**General Particulars**

(i) Particulars of securities, (ii) face value, (iii) gross amount of interest due or received during the year (give separate details regarding Government Securities and debentures and other securities), (iv) amount of tax deducted at source (v) Remarks, e.g., in the case of a tax-free security enter the words "Tax-free" in this column.

**Computation of Income**

(To be given separately for Government Securities, and debentures and other securities)

(i) Gross amount due or received [from item (iii) of the general particulars]; (ii) Less : (a) expenses for realising interest sec. 19(i)(20) and (b) interest on moneys borrowed—sec 19(ii)(20); (iii) Net amount of interest on securities carried to item on page 1 being (i) minus (ii).

NOTE 2. The following particulars/computation of income chargeable under the head "Income from house property" for each house property should be furnished in a statement attached with this return, namely :—

**INCOME FROM PROPERTY (LET OUT PROPERTY)****(General Particulars)**

(a) Location of the property ; (b) Annual municipal valuation.

**Computation of Income**

(a) Amount for which the property might reasonably be expected to let from year to year or where property is let and to annual rent received or receivable exceeds the said amounts, such rent—sec. 23(1); (b) Deductions: (i) amount of municipal taxes borne by the owner—1st proviso to sec. 23(1); (ii) allowance for newly constructed property—2nd proviso to sec. 23(1); (c) annual value being (a) minus (b); (d) deductions: (i) Repairs—1/6th of the annual value—sec. 24(1)(i); (ii) insurance—sec. 24(1)(ii); (iii) annual charge—sec. 24(1)(iv); (iv) ground rent—sec. 24(1)(v); (v) interest on borrowed money—sec. 24(1)(vi); (vi) land revenue, etc.—sec. 24(1)(vii); (vii) collection charges limited to 6% of annual value at (c)—sec. 24(1)(viii); (viii) vacancies—sec. 24(1)(ix); (ix) Irrecoverable rent—sec. 24(1)(x) and rule 4; (e) total of deductions in (d); (f) not chargeable income from other property being (a) minus (e).

NOTE 3. The following particulars should be given in regard to the income chargeable under the head "Profits and gains of business or profession" in a statement to be attached with the return of income, namely :—

**General Particulars****PART I****BUSINESS OR PROFESSION (OTHER THAN SHARE IN FIRM/AOP/BOI)**

(i) Name in which business or profession is carried on ; (ii) Address of principal place of business or profession; (iii) Names and addresses of branches; (iv) Nature of business or profession; (v) Method of accounting; State whether "Mercantile/Cash/Mixed"; (vi) Method of stock valuation; (vii) If regular books of account are maintained, attach copies—(a) manufacturing account, trading account, profit and loss account or income and expenditure account or any other similar account and balance sheet; If accounts have been audited, copies of audited accounts should be attached alongwith a copy of the Auditors' report; If an audit of cost accounts of the company has been conducted under section 233B of the Companies Act, 1956

(1 of 1956) a copy of the Auditor's report and copies of personal accounts of the directors should also be attached; (b) in the case of—(i) a proprietary business or profession, the personal account of the proprietor; (ii) a firm, association of persons or body of individuals, personal accounts of the partners or members; (iii) a partner or member of a firm, association of persons or body of individuals, his personal account in the firm, association of persons or body of individuals; (viii) *If regular books of account are not maintained*, attach a statement indicating the amounts of turn over or gross receipts, gross profits, expenses and net profit of the business or profession and the basis on which such amounts have been computed and disclosing the amounts of the total sundry debtors, sundry creditors, stock-in-trade and cash balance as at the end of the previous year. (ix) Additional information to be furnished by assesses engaged in contract work—(a) if the value of materials supplied by the person with whom the contract was made or the amount of security deposit (out of the payment due for work done) retained by him has not been included in the gross receipts shown, state here the amount thereof.

Value of materials . . . . . security deposit . . . . .

(b) Has information regarding building or supply contracts been furnished to the Income-tax Officer concerned under section 285A? \*Yes/No.

(x) Additional information to be furnished by producers of cinematograph films—Has statement of payments to persons engaged in the production of cinematograph films been delivered to the Income-tax Officer concerned under section 285B? \*Yes/No.

(2) *Computation of Assessable Profit/Loss from business or profession for the previous year:*

1. Net profit or loss as per P&L Account, etc., exclusive of share in profits of firm/association of persons/body of individuals Add (Deduct, if the above figure is a loss).
2. Amount debited to the P&L Account, in respect of : (a) losses of earlier years, (b) income-tax, surtax, penalty, etc. (c) personnel expenditure including charity and presents, (d) capital expenditure, (e) expenses, allowances and payments not deductible under section 40(a), 40A(5) or (6) (give details) (f) expenses and allowances not deductible under section 40(c), (g) expenditure not admissible under section 40A(2), (h) expenditure claimed as deduction elsewhere in this return, (i) depreciation—considered separately, (j) investment allowance, development rebate and development allowance—considered separately (Attach Form Nos. 5 and 5A), (k) reserve or provision for bad debts, (l) interest credited to any reserve or any fund.
3. Other expenses, etc., debited to P&L Account, etc. to the extent not admissible :
  - (a) Rent, rates, taxes, repairs and insurance premium of assets not used wholly for business—sec. 30/31. (b) loss on sale of assets—sec. 32(1) (iii) (give details), (c) rehabilitation allowance—sec. 33B (give details), (d) expenditure on scientific research or sums paid to scientific research associations, etc.—sec. 35 (give details) (e) expenditure on patent rights or copyrights—sec. 35A, (f) rural development allowance—sec. 35CC (g) expenditure by way of payment to associations and institution for carrying out rural development programmes or for training of persons for implementing such programmes—sec. 35CCA, (h) preliminary expenses—section 35D (attach Form No. 3B), (i) expenditure on prospecting for and development of minerals—sec. 35B (attach Form No. 3B) (give details), (j) payment of bonus to the extent not admissible—sec. 36(1)(ii) (k) contribution to provident, superannuation or gratuity fund—sec. 36(1) (iv) & (v), (l) entertainment expenditure—section 37(2) and (2A), (m) expenditure on advertisement in any souvenir, brochure, etc., published by a political party—sec. 37(2B) (give details), (n) other expenditure on advertisement and on maintenance of guest houses and travelling of employees—sec. 37(3) and (4)/rules 6B and 6D (give details), (o) adjusted expenditure on advertisements, publicity and sales promotion—sec. 37(3A), (give details) [applicable for assessment years 1979-80 and 1980-81 only], (p) expenditure incurred otherwise than by crossed cheques—sec. 40A(3) /rule 6DD (give details), (q) provisions made for payment of gratuity—sec. 40A(7), (r) expenditure by way of interest in respect of deposits—section 40A(8), (s) any other provision/reserve/other expenditure not allowable under sections 28 to 44D.
4. Amounts not credited to P&L Account, etc. : (a) profit chargeable under section 41(1), (3) and (4) (give details) (b) profit chargeable under section 41(2) and 2(A) (give details), (c) any other chargeable profit or gain (give details).
5. Total of items 1 to 4.  
*Deduct : (Add if the figure in item 5 is negative).*
6. Depreciation computed as per (3) below.
7. Income chargeable under heads other than "Profits and gains of business or profession" or income already charged to tax in an earlier year credited to P & L Account, etc.
8. Deduction in respect of expenditure on scientific research/export markets development allowance/agricultural development allowance admissible in excess of amount debited to P & L Account, etc.—secs. 35, 35B and 35C.
9. Any other expenditure/deduction claimed under sections 28 to 44D (give details).
10. Total of items 6 to 9.

\*Strike out whichever is not applicable.

## 11. Balance profit/loss (5 minus 10).

(3) The following particulars should be given in a statement attached with the return in respect of depreciation allowance and investment allowance, namely : (i) description of assets (in respect of building, indicate whether the building is taken on lease or is owned by the assessee); (ii) written down value of existing assets; (iii) actual cost of assets acquired during the previous year; (iv) capital expenditure on additions or alterations; (v) period of use (only where return relates to assessment year 1969-70 or any earlier year); (vi) amount of monies payable and scrap value in respect of assets sold, discarded, demolished or destroyed; (vii) amount on which depreciation is allowable [total of items (ii) to (iv) exclusive of amounts relating to assets referred to in item (vi)]; (viii) rate of depreciation; (ix) total number of days worked (to be furnished only if extra shift allowance is claimed); (x) total number of days worked—double shift and triple shift (to be furnished only if extra shift allowance is claimed); (xi) depreciation claimed—(a) initial depreciation; (b) normal depreciation (including extra depreciation for approved hotels); (c) additional depreciation; (d) extra shift allowance—double shift and triple shift; (xii) total depreciation; (xiii) investment allowance claimed (also indicate rate); (xiv) remarks (indicate the amount of initial depreciation, investment allowance or development rebate allowed in respect of the asset in an earlier year).

NOTE 4. The following particulars should be given in respect of dividend income and computation of income chargeable under the head "Income from other sources" in a separate statement to be attached with the return, namely:—(i) Name of the company; (ii) number of shares; (iii) gross amount of dividends; (iv) tax deducted at source.

### Computation of income

[Details should be given in respect of (i) gross income, (ii) expenditure claimed and (iii) net income being (i) minus (ii)] (a) Dividends, (b) Interest other than interest on securities or interest chargeable as profits of business, or profession, (c) other items being total of (i) value of benefits or perquisites—sec. 2(24) (iv); (ii) value of benefits of perquisites in the case of beneficiary or trustee of a trust—sec. 2(24)(iva); (iii) winnings from lotteries, crossword-puzzles, races etc.—sec. 56(1) (ib); (iv) hiring of machinery, plant, furniture or building—sec. 56(2) (ii) & (iii); (v) annuity or its commuted value—sec. 280D; (vi) profits chargeable to tax under section 59, (d) the net income in respect of (a), (b) and (c) shall be carried to items 5(a) 5(b) and 5(c) on page 2.

NOTE 5. In the case of a trust or institution which is not created or established wholly for charitable or religious purposes any amount applied to charitable or religious purposes in India during the previous year out of voluntary contributions received by the trust or institution is not allowable as a deduction.

NOTE 6. Give on a separate sheet details of the purposes and the amount applied to each. Where the option under the Explanation to section 11(1) is exercised, a letter to that effect should accompany, if not already sent.

NOTE 7. Where any deduction is claimed against item 9(v), the notice in Form No. 10 may accompany. If the notice has already been given a copy thereof should be attached. Details regarding investments or deposits in respect of the income so accumulated or set apart should be given in a separate sheet.

NOTE 8. Where income is derived from property held under trust in part only for charitable or religious purposes and the aggregate of deduction against items (i), (ii), (iii), (iv) and (v) exceeds that portion of the income which is applicable to such purposes, the claim for deduction should be limited to the amount of the income so applicable.

NOTE 9. The net agricultural income has to be computed in accordance with the rules in the relevant Finance Act in the following manner, namely:—

(a) Rent or revenue derived from land used for agricultural purposes; (b) income from any building required as a dwelling house by the cultivator etc.; (c) other agricultural income not being income from sale of tea referred to in item (d); (d) sixty per cent of the income from sale of tea grown and manufactured in India; (e) share of agricultural income from registered firm/unregistered firm/association of persons, etc., computed in accordance with the rules for computation of net agricultural income in the relevant Finance Act; (f) aggregate of items (a) to (e) (subject to adjustment of losses in accordance with the rules for computation of net agricultural income in the relevant Finance Act); (g) less: Agricultural income-tax payable to the State Government on the agricultural income of the previous year; (h) net agricultural income being (f) minus (g).

NOTE 10. Before signing the declaration, the signatory should satisfy himself that the return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects.

Any person making a false statement in this Return or the accompanying annexures or statements shall be liable to prosecution under section 277 of the Income-tax Act, 1961, and on conviction be punishable—

- (i) in a case where the tax sought to be evaded exceeds one lakh rupees, with rigorous imprisonment which shall not be less than six months but which may extend to Seven years and with fine;
- (ii) In any other case, with rigorous imprisonment which shall not be less than three months but which may extend to three years and with fine.

### CAPITAL GAINS

#### General Particulars

NOTE 11. The following particulars regarding the income chargeable under the head "Capital gains" arising from the transfer of the capital assets resulting in capital gains should be given in respect of each asset:

(a) Description of asset; in case of immovable property, location thereof, (b) date of acquisition; (c) date of transfer (d) name and address of the transferee; indicate relationship or connection, if any, with the assessee.

---

**Computation of Capital Gains**

(a) Full value of consideration for the transfer; (b) Deductions : (i) cost of acquisition or the market value of the asset as on 1st January, 1964—sections 49, 50 & 51 (ii) cost of improvement of capital asset—sec. 55(1)(b); (iii) expenditure in connection with the transfer—sec. 48(f); (c) total of deductions in (b); (d) amount of capital gains (a) minus (c).

NOTE 12. If the assessee has any income by way of interest on tax-free securities or any other income on which a rebate of tax is admissible, or has income which is included in the total income on which double taxation relief is claimed under section 90 or 91, the assessee should give details thereof in a separate statement.

NOTE 13. Where a deposit has been made under the Compulsory Deposit Scheme (Income-tax payers) Act, 1974, for the assessment year, the receipt issued by the deposit office should be forwarded alongwith the return."

[No. 3813/F. No.142(16)/80-TPL]

S. N. SHENDE, Secy.

Central Board of Direct Taxes.